कहीं शशि थरूर सीएम तो नहीं... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट... 11

वर्ष - 01, अंक - 146 | गाजियाबाद / शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

यूजी कोर्सेज में पंचांग, काल गणना शामिल करने की सिफारिश

गणित में विष्णुवर्ष, शिववर्ष; कॉमर्स में वेद, उपनिषद के एथिक्स, यूजी ड्राफ्ट करिकुलम पर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसीने 20 अगस्त 2025 को अपना नया लर्निंग बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें स्नातक के 9 विषयों के लिए माइथोलॉजी और भारतीय इतिहास से जुड़े टॉपिक्स शामिल हैं। इस ड्राफ्ट में मैथ्स, केमिस्ट्री, कॉमर्स जैसे विषयों में भारतीय इतिहास, कालगणना और बीजगणित जैसे टॉपिक्स को जोड़ने का सुझाव दिया गया है। यूजीसी ने 20 सितंबर तक करिकुलम ड्राफ्ट पर गूगल फॉर्म के जरिए राय मांगी है, जिसके बाद इसे

लागू किया जाएगा। इस ड्राफ्ट को लेकर कई स्टूडेंट और टीचर्स ग्रुप्स ने नाराजगी जताई है। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एसएफआई ने इस ड्राफ्ट के विरोध में 25 से 27 अगस्त तक तीन दिवस आंदोलन का ऐलान भी किया। नए ड्राफ्ट के मुताबिक, गणित के अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स सूर्य सिद्धांत के जरिए युग और कल्प के बारे में पढ़ेंगे, साथ ही विष्णु वर्ष और शिव वर्ष जैसे दिव्य समय चक्र समझेंगे। इसके अलावा सूत्रों मे अंक गणना, काल गणना, शुल्ब सूत्रों से ज्यामिति, परावर्त्य योजयात सूत्र, पंचांग [भारतीय कैलेंडर] और मुहूर्त देखना सिखाया जाएगा। वहीं, कॉमर्स में भगवत गीता और रामायण से भारतीय मैनेजमेंट के सिद्धांत, मारवाड़ी बनियास और गुजरातियों के बिजनेस मॉडल के साथ वेदों उपनिषदों पुराणों से एथिक्स भी बताएंगे। इस ड्राफ्ट पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षाविदों से 20 सितंबर तक फीडबैक मांगा गया है। ये कोर्स का हिस्सा कब से बनेंगे, इसे लेकर कोई जानकारी नहीं दी है।

बिहार में नेपाल के रास्ते तीन पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ

- जहां से आतंकी घुसपैठ की आशंका, राहुल की यात्रा वहीं से गुजर रही, पूरे प्रदेश में अलर्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार में नेपाल के रास्ते 3 पाकिस्तानी आतंकियों ने घुसपैठ की है। पुलिस मुख्यालय ने तीनों की फोटो रिलीज की हैं। सभी के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की खबर है। पुलिस ने जिन आतंकियों की फोटो जारी की है, उनके नाम हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान हैं। हसनैन रावलपिंडी, आदिल उमरकोट और उस्मान बहावलपुर का रहने वाला है आतंकियों के अररिया जिले से बिहार में घुसने की आशंका जताई गई है।

भाजपा का फैलाया भाषायी आतंक हमें बर्दाश्त नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वे किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। भाजपा बंगालियों पर भाषायी आतंक फैला रही है। बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने

वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम हटाने के मकसद से करवाए जा रहे सर्वे के लिए दूसरे राज्यों से 500 से ज्यादा टीमें बंगाल में भेजी हैं। ममता ने कहा– लेकिन जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। आप खुद जांच करें कि आपका नाम अभी भी लिस्ट में है या नहीं। ममता कोलकाता में तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस पर बोल रही थीं। बंगाल सीएम ने ईसी पर आरोप लगाया कि वह राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है।

'सिंदूर' ने संतोष, 'महादेव' ने देशवासियों को आत्मविश्वास दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा– सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के जरिए पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकियों को सख्त संदेश दिया है कि भारतीय नागरिकों की

जान से खेलने की कीमत बहुत भारी होगी। शाह दिल्ली में ऑपरेशन महादेव में शामिल भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों और अफसरों से मिले और उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर से देशवासियों में संतोष पैदा हुआ, जबकि ऑपरेशन महादेव ने इसे आत्मविश्वास में बदल दिया। हमारे सुरक्षा बलों ने यह साबित कर दिया है।

अब साइबर और स्पेस में एक साथ होगा प्रहार

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय सेना के जल, थल और नभ के कम्युनिकेशन एवं रडार सिस्टम अब एक साथ मिलकर दुश्मन का सामना करेंगे। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने इस दिशा में एक संयुक्त सैन्य सिद्धांत (डाक्ट्रिन) तैयार किया है, जो साइबर, स्पेस, इलेक्ट्रानिक वारफेयर और ड्रोन के माध्यम से दुश्मन को चुनौती देने के लिए है। महू वॉर कॉलेज में

आयोजित दो दिवसीय रण संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने इस डाक्ट्रिन को जारी किया। इस डाक्ट्रिन के तहत विशेष बलों और एयर बोर्न व हेली बोर्न संचालन के लिए भी संयुक्त सिद्धांत जारी किए गए हैं। इसके अनुसार, एयर बोर्न और हेली बोर्न यूनिट अब मल्टी मॉडल डोमेन पर संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। सेना के अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मल्टी डोमेन ऑपरेशन की आवश्यकता को देखते हुए यह डाक्ट्रिन तैयार की गई है।

ट्रम्प के सलाहकार ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया

- बोले-रूस से तेल खरीद कर इसे बढ़ा रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया है। नवारो ने बुधवार को ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में भारत पर जंग को बढ़ावा देने और दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया। नवारो ने कहा कि भारत रूस से सस्ता

तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया। और रूस जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं। नवारो ने कहा, भारतीय नेता हमारी आंखों में आंखें डालकर कहते हैं कि हम रूसी तेल खरीदना बंद नहीं करेंगे। अब इसका क्या मतलब है।

पंजाब में 'जल' जला, 150 गांव डूबे

- सात जिलों में भीषण बाढ़, सेना पहुंची, रावी और ब्यास का कहर
- एम्फीबियस गाड़ियों से रेस्क्यू, जमीन-पानी दोनों पर चल सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में बारिश के कारण 7 जिले और 150 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। रावी-ब्यास और सतलुज नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। राज्य में 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद हैं। राज्य के अजनाला में रेस्क्यू ऑपरेशन की

जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर

जिम्मेदारी सेना ने संभाल ली है। इस दौरान एम्फीबियस गाड़ियों से लोगों को निकाला जा रहा है। इनकी विशेषता है कि ये जमीन और पानी दोनों पर चलने में सक्षम हैं। जम्मू-कश्मीर में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 41 लोगों की मौत हो गई। जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके चलते निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन बेहाल है। बुधवार रात कई जगह भारी बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई है। राज्य के 3 जिलों में 2000 से ज्यादा टूरिस्ट फंसे हैं। राज्य में बाढ़ और बारिश की घटनाओं में अब तक 310 लोगों की मौत हो चुकी है। 369 लोग घायल हैं और 38 लापता हैं। 1240 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। इनमें

331 घर पूरी तरह से टूट चुके हैं। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे (एनएच-44) लगातार दूसरे दिन भी पूरी तरह से बंद रहा। हाईवे का एक हिस्सा बारिश के कारण बह गया है। मरम्मत का काम जारी है। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए रेलवे ने जम्मू-दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई। जम्मू-पठानकोट में भारी बारिश से जम्मू संभाग में रेल सर्विस प्रभावित हुई है। रेलवे ट्रैक और पुल बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जिससे सैकड़ों यात्री जम्मू रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए हैं।

राष्ट्रपति-राज्यपाल अपने फैसलों के लिए कोर्ट में जवाबदेह नहीं

- केंद्र सरकार बोली-राज्य सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन नहीं दे सकते हैं
- डेडलाइन मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, सरकार ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल की विधानसभा से पास बिलों पर कार्रवाई के खिलाफ राज्य सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन दायर नहीं कर सकते। केंद्र ने कहा कि राज्य सरकारें अनुच्छेद 32 का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं। क्योंकि मौलिक अधिकार आम नागरिकों के लिए होते हैं, राज्यों के लिए नहीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति जानना चाहती हैं कि क्या राज्यों को ऐसा अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि अनुच्छेद 361 के अनुसार राष्ट्रपति और राज्यपाल अपने फैसलों के लिए कोर्ट में जवाबदेह नहीं होते। केंद्र ने तर्क दिया कि कोर्ट राष्ट्रपति या राज्यपाल को कोई निर्देश नहीं दे सकती क्योंकि उनके फैसले न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। वहीं,

कोर्ट ने कहा कि यदि कोई राज्यपाल छह महीने तक बिल लंबित रखता है तो यह भी सही नहीं है। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने राज्य सरकारों की तरफ से भेजे बिलों पर राज्यपालों और राष्ट्रपति के साइन करने के लिए डेडलाइन लागू करने वाली याचिका पर सुनवाई की। 15 मई, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को एक संदर्भ दिया और अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों से जुड़े 14 सवालों पर कोर्ट की राय मांगी थी।

जन-धन योजना के पूरे हुए 11 साल, पीएम ने की तारीफ

- मोदी बोले-इसने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि इस योजना ने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब अंतिम पर खड़ा व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ जाता है तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना आज ही के दिन शुरू की गई थी। यह एक राष्ट्रीय मिशन है जिसमें देश के सभी परिवारों के व्यापक वित्तीय समावेशन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण शामिल है। इस योजना में प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक बुनियादी बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण, बीमा और पेंशन सुविधा तक पहुंच के साथ बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच की परिकल्पना की गई है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब अंतिम व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ा होता है, तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है।जन-धन योजना से यही हासिल हुआ। इसने सम्मान बढ़ाया और लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी।

संभल में आजादी से पहले 45 फीसदी हिंदू, अब बचे 15 !

- न्यायिक आयोग ने सीएम योगी को सौंपी 450 पन्नों की रिपोर्ट

संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल में पिछले साल हुई हिंसा के मामले में गठित न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 450 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी है। इसमें 24 नवंबर, 2024 को मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा और संभल के इतिहास में हुए दंगों का विवरण है। साथ ही क्षेत्र में जनसांख्यिकी बदलाव का भी

उल्लेख है, जिसमें हिंदुओं की आबादी में कमी और आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों का जिक्र है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रिपोर्ट में डेमोग्राफी बदलाव का भी जिक्र किया गया है। बताया गया कि कभी 45 फीसदी यहां हिंदू थे, जो आज घटकर 15 से 20 फीसदी ही रह गए हैं। इस रिपोर्ट में कई बातें शामिल हैं।

तुष्टिकरण की राजनीति ने बदली डेमोग्राफी

इस पूरे मामले में उतर प्रदेश सरकार द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई गई थी। इसमें हाई कोर्ट के पूर्व सेवानिवृत्त जज देवेंद्र अरोड़ा को अध्यक्ष बनाया गया था। रिटायर्ड आईपीएस एके जैन और अमित प्रसाद सदस्य के रूप में शामिल किए गए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि दंगों और तुष्टिकरण की राजनीति ने जिले की डेमोग्राफी बदल दी। आजादी के वक्त संभल नगर पालिका क्षेत्र में 55 फीसदी मुस्लिम और 45 फीसदी हिंदू रहते थे। वर्तमान में संभल में लगभग 85 फीसदी मुस्लिम और 20 फीसदी हिंदू रहते हैं।

आतंकी अलर्ट के बाद वोटर अधिकार यात्रा में बदलाव

सीतामढ़ी (एजेंसी)। आतंकी अलर्ट के बाद राहुल गांधी की यात्रा में बदलाव किया गया है। सीतामढ़ी में वे जिस कैंप में रुके थे वहां से सीधे जानकी मंदिर पहुंचे। यहां कई जगहों पर स्वागत मंच बनाए गए थे, लेकिन राहुल वहां नहीं रुके। मंदिर में दर्शन के बाद राहुल गांधी का रोड शो भी था, लेकिन वो कैंसिल कर दिया गया। राहुल गांधी अब ओपन जीप की जगह बंद गाड़ी से मोतिहारी के ढाका पहुंचे। राहुल गांधी को यहां 12 बजे पहुंचना था, लेकिन वो 11 बजे ही पहुंच गए। रास्ते में उन्होंने बंद गाड़ी से ही लोगों से मुलाकात की। फिलहाल वे अभी सिटी होटल में ठहरे हैं। शाम 4 बजे वे यात्रा की शुरुआत आजाद चौक से करेंगे। वोटर अधिकार यात्रा के 12वें दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीतामढ़ी के रीगा चौक पर जनसभा की। उन्होंने कहा, ये सिर्फ वोटर अधिकार यात्रा नहीं है। ये आपके अधिकार की यात्रा है। लोकसभा चुनाव के बाद एक करोड़ नए वोटर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जुड़ गए। महाराष्ट्र में हमें उतने ही वोट मिले, जितने लोकसभा मे मिले थे, लेकिन जहां नए वोटर आए, वहां बीजेपी की जीत हुई। राहुल ने कहा, अभी सिर्फ वोट चोरी हो रही है। वोट चोरी के बाद

मोतिहारी में बंद गाड़ी में लोगों से मिले राहुल, सुरक्षा भी बढ़ाई गई

आपका राशन कार्ड और जमीन छीना जाएगा। उन्होंने भाषण के अंत में कहा कि बिहारियों की राजनीतिक समझ का कोई मुकाबला नहीं। वहीं, राहुल गांधी के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में शिकायत की गई है। बीजेपी कार्यकारिणी के सदस्य कृष्ण सिंह कल्लू ने राहुल पर पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का आरोप लगाया है। इससे पहले राहुल गांधी सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर पहुंचे। पूरे नियम से पूजा की। माता की आरती उतारी। मुख्य पुजारी से मंदिर के बारे में भी जाना। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी भी साथ रहे। मंदिर में पूजा करने के बाद राहुल के गले में माला और चुनरी थी। मंदिर में पत्रकारों ने राहुल से बात करनी चाही, लेकिन वो बिना कुछ कहे आगे बढ़ गए। वहीं बीजेपी के द्वारा तेजस्वी को राम विरोधी कहने पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा, धर्म पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सबकी अपनी-अपनी आस्था है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में शिकायत की गई है। बीजेपी कार्यकारिणी के सदस्य कृष्ण सिंह कल्लू ने राहुल पर पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का आरोप लगाया है। मोतिहारी के सिटी होटल में 4 बजे तक राहुल गांधी आराम करेंगे। फिर वहां से गांधी जी के मूर्ति पर माल्यार्पण करने जाएंगे। वहां से आजाद चौक तक पैदल चलेंगे, फिर वहां से मोतिहारी शहर के लिए गाड़ी से रवाना होंगे। मंत्री अशोक चौधरी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर कहा,कैसे ये वोट चोरी है। अगर हमारी सरकार हर जगह बन जाती, तब न ये वोट चोरी कहलाती। ये तो आप एक धारणा बना रहे हैं कि जनता के वोट से नहीं बल्कि भाजपा वोट चोरी से सरकार बनाती है जबकि आपकी अपनी जमीन खिसक गई है।

दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया ; चार लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने कार में 16.24 किलोग्राम अफीम ले जा रहे चार लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही मादक पदार्थ तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश के बरेली से संचालित किया जा रहा था और ये आरोपी उच्च गुणवत्ता की अफीम तस्करी कर दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) लाते थे। पुलिस को 25 जुलाई को दो ज्ञात तस्कर, हरि शंकर और विकास के बारे में यह सूचना मिली कि ये दोनों बरेली से अफीम की एक बड़ी खेप लेकर आ रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी टीम ने रात 10 बजकर 20 मिनट पर रिंग रोड पर भैरव रोड अंडरपास के निकट एक कार को रोका, जिसकी तलाशी लेने पर उसमें से 16.24 किलोग्राम अफीम से भरे प्लास्टिक के तीन थैले बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर से हरि शंकर (22), विपिन शर्मा (35) और विकास (20) को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद मामले में चौथे आरोपी अजय वर्मा (22) को 23 अगस्त को उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ से पता लगा कि आरोपियों ने बरेली के राहुल नाम के अपने आका के निर्देश पर यह तस्करी की और संदेह है कि जब्त की गई खेप का मुख्य तस्कर राहुल है, जिसमें उसका परिवार भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''यह समूह ज्यां नाम के एक नाइजीरियाई नागरिक के संपर्क में था। विदेश में जाकर बसने से पहले ज्यां यहां दिल्ली के तिलक नगर से काम करता था।'' अधिकारी ने बताया, ''यह गिरोह बेरोजगार युवाओं और नाबालिगों को वाहक के तौर पर नियुक्त करता था और जांच से बचने के मकसद से तस्करी के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल करता था। कई स्तरों के संपर्कों के जरिये दिल्ली-एनसीआर में सामान पहुंचाया (तस्करी) जाता था।''

पीएम की मां पर टिप्पणी के लिए माफी मांगे राहुल : सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में राहुल गांधी की यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को लेकर अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल की प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे कांग्रेस की घृणित मानसिकता करार दिया और कहा कि राहुल गांधी को तुरंत माफी मांगनी चाहिए। अन्यथा देश की जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी। सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां का 100 वर्ष की आयु में निधन हो चुका है। उनके लिए कटु शब्दों का इस्तेमाल करना घटिया राजनीति है। यह बेहद शर्मनाक है कि कांग्रेस जैसी पार्टी जो खुद को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ती है आज व्यक्तिगत हमले करने पर उतर आई है। जनता आगामी चुनावों में कांग्रेस गठबंधन को करारा जवाब देगी।

समलैंगिकता के दोषी को 20 साल की जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीस हजारी कोर्ट ने 2016 में 11 साल के बच्चे के साथ समलैंगिकता के जुर्म में दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़ित को 10.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि इस अपराध का पीड़ित पर गहरा मानसिक और शारीरिक प्रभाव पड़ा होगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सोनम गुप्ता 45 वर्षीय दोषी के खिलाफ सजा पर बहस सुन रही थीं, जिसे आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) के तहत दोषी ठहराया गया था। पीड़ित की ओर से पेश सरकारी अभियोजक ने कोर्ट में तर्क दिया कि नवंबर, 2016 में किए गए इस जघन्य अपराध के लिए दोषी को किसी भी तरह की रियायत नहीं मिलनी चाहिए।

भाजपा का दिल्ली को कूड़ा मुक्त बनाने का अभियान फेल : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि राजधानी को कूड़ा मुक्त बनाने के लिए भाजपा सरकार द्वारा शुरू किया गया विशेष स्वच्छता अभियान भी असफल साबित हुआ है। अगस्त 2025 तक अभियान पूरा करने का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने अब इसकी समयसीमा बढ़ाकर 2 अक्टूबर 2025 कर दी है। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उनके मंत्रीमंडल और सांसदों द्वारा 1 अगस्त को बड़े पैमाने पर शुरू किया गया सफाई अभियान केवल फोटो ऑप बनकर रह गया। कूड़ा मुक्त दिल्ली का वादा पूरा करने में असफल रहने के कारण भाजपा ने खुद अपनी नाकामी स्वीकार कर ली है। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम में 62,000 सफाई कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या के बावजूद शहर की हालत बदतर है। स्थायी, अस्थायी और एवजीदार कर्मचारियों के अलावा दिल्ली सरकार, पीडब्ल्यूडी और डीडीए के अधीन भी हजारों सफाई कर्मचारी तैनात हैं, लेकिन गंदगी और कूड़े के ढेर कम होने के बजाय लगातार बढ़ते जा रहे हैं। श्री यादव ने निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार और अधिकारियों की निष्क्रियता को दिल्ली की गंदगी का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि हर महीने करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कॉलोनियों, पुनर्वास क्षेत्रों, जेजे क्लस्टरों और गांव-देहात में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। बाजारों, औद्योगिक क्षेत्रों, स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों और शौचालयों की सफाई का भी कोई उचित इंतजाम नहीं है।

गिरफ्तारी का स्थान गलत बताया, आरोपी को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कड़कड़डूमा कोर्ट ने पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का स्थान गलत बताने पर चोरी के एक आरोपी को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारी ने गिरफ्तारी मेमो में गलत स्थान का उल्लेख किया था। यह आरोपी के संवैधानिक अधिकारों का हनन है। न्यायिक मजिस्ट्रेट पी. भार्गव राव आरोपी मोहम्मद चांद की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। कृष्णा नगर इलाके के एक घर में चोरी के मामले में आरोपी चार महीने से जेल में था। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी ने पुलिस मेमो में गिरफ्तारी का स्थान गलत दर्शाया है। अदालत ने कहा कि चूंकि आरोपी से कोई बरामदगी नहीं हुई और नया तथ्य सामने आया है, इसलिए उसे जमानत दी जाती है।

'यू-विशेष' बस से डीयू के दौलतराम कॉलेज पहुंची पूर्व छात्रा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दौलतराम कॉलेज की पूर्व छात्रा और अब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बृहस्पतिवार को 'यू-विशेष' बस में डीयू के अन्य छात्रों के साथ देशभक्ति के गीत गाते हुए अपने पूर्व कॉलेज पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों की यादें भी साझा कीं।

गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'यू-विशेष' बस सेवा को पुनः शुरू किया, जो छात्र-अनुकूल यात्रा विकल्प प्रदान करने के प्रयासों का हिस्सा है। यह सेवा 25 इलेक्ट्रिक बसों के साथ शुरू की गई, जो इतने ही मार्गों पर चलेंगी तथा डीयू के 67 कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचेंगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिसर से दौलत राम कॉलेज तक 'यू-विशेष' बस में सवार होकर, गुप्ता ने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया जिसमें वह छात्रों के साथ गिटार और कोंगा बजाते हुए 'ऐ वतन वतन मेरे आबाद रहे तू' गाती नजर आ रही हैं। वीडियो को कैप्शन देते हुए गुप्ता ने लिखा, 'कॉलेज, दोस्ती और गिटारज्लौट आई है 'यू-विशेष'।'

बस में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह और परिवहन मंत्री पंकज सिंह भी मौजूद थे। अपने कॉलेज में, गुप्ता ने प्रधानाचार्य, शिक्षकों और छात्रों के साथ एक सेल्फी ली। सेल्फी पोस्ट करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अपने कॉलेज के दिनों की याद आ गई। गुप्ता ने इस कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज दौलत राम कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों के साथ एक सेल्फीज्ऐसा लगा जैसे समय की किसी पुरानी किताब का एक पन्ना अचानक खुल गया हो।' उन्होंने अपने कॉलेज को राजनीति में कदम रखने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया। छात्रा रहते हुए गुप्ता दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की अध्यक्ष चुनी गई थीं।

मुख्यमंत्री ने लिखा 'यहीं पर मैंने उड़ान भरना सीखा, यहीं पर मैंने संघर्ष का रास्ता चुना और यहीं पर मुझे वह आत्मविश्वास मिला जिसने मुझे डूसू अध्यक्ष बनने और स्वयं को जनसेवा के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'दौलत राम मेरे लिए सिर्फ दीवारों और कक्षाओं से कहीं बढ़कर है। यह एक ऐसा एहसास है जिसने मेरी सोच को आकार दिया, मेरे सपनों को दिशा दी और मेरे जीवन को एक उद्देश्य दिया।' यह सेवा मूल रूप से 1971 में शुरू की गई थी लेकिन 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान इसे बंद कर दिया गया था।

दिल्ली सरकार पृथ्वीराज चौहान स्मारक का संरक्षण करेगी: मंत्री कपिल मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार महरौली के किला राय पिथौरा में सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक के संरक्षण और संवर्धन के लिए कदम उठाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग इसके ऐतिहासिक महत्व के बारे में जान सकें। यह बात बृहस्पतिवार को मंत्री कपिल मिश्रा ने कही।

कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री मिश्रा ने स्मारक का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यद्यपि 2002 में इस स्थल पर एक सांस्कृतिक परिसर का निर्माण किया गया था, लेकिन तब से इस स्थान के उपयोग या इसके रखरखाव के लिए बहुत कम काम किया गया है। मिश्रा ने कहा, ''आज, जबकि यह इमारत मौजूद है, यहां कोई अन्य गतिविधियां नहीं होतीं। रखरखाव की बहुत आवश्यकता है। हमारा मानना है कि यह

भारत तथा दिल्ली के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है, और हम निश्चित रूप से इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।''

मंत्री ने महरौली स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित संग्रहालय का भी दौरा किया, जिसमें मराठा नरेश के जीवन, संघर्ष और स्वराज के दृष्टिकोण को दर्शाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है। उनके साथ स्थानीय विधायक गजेंद्र सिंह यादव भी थे।

दक्षिण दिल्ली में साकेत के पास स्थित किला राय पिथौरा को 12वीं शताब्दी में राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान द्वारा बसाया गया दिल्ली का पहला शहर माना जाता है। किला राय पिथौरा के खंडहर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारक्षेत्र में आते हैं।

इस स्थल पर स्थापित प्रतिमा उस शासक को श्रद्धांजलि है, जिसने कभी उत्तर-पश्चिमी भारत के अधिकांश भाग पर शासन किया था।

दक्षिणी दिल्लीवासियों को बड़ी सौगात, छतरपुर में बनेगा सौ बेड का अस्पताल और नया स्कूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के लोगों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में सौ बेड का अस्पताल और एक नया सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनाया जाएगा। इसके लिए दिल्ली नगर निगम ने मंजूरी दे दी है। नगर निगम आयुक्त अश्विनी कुमार ने फतेहपुर बेरी गांव के नगर निगम अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के पास खाली पड़ी जमीन पर सौ बेड के नए अस्पताल के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर आयुक्त ने सहमति जता दी। अस्पताल बनने से स्थानीय लोगों को इलाज की सुविधा आसानी से मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान दक्षिणी दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, छतरपुर विधायक करतार सिंह तंवर, स्थाई समिति के डिप्टी चेयरमैन सुंदर सिंह तंवर और नगर निगम के साउथ ज़ोन के अध्यक्ष उमेद सिंह फोगाट भी मौजूद रहे। इसके अलावा, चांदनहोला गांव में नगर निगम के प्राइमरी स्कूल का भी निरीक्षण किया गया। यहां सीनियर सेकेंडरी स्कूल तक विस्तार के लिए जमीन उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी। इसके बाद क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अस्पताल और स्कूल दोनों के निर्माण से क्षेत्र की स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी बड़ी समस्या का समाधान होगा। यह पहल दक्षिणी दिल्ली के विकास की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

उप महापौर ने गिरि नगर में स्केटिंग पार्क के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उप महापौर जय भगवान यादव ने गुरुवार को कालकाजी स्थित गिरि नगर में स्केटिंग पार्क के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को बेहतर मनोरंजन सुविधाएं प्रदान करना है।

इस दौरान उपमहापौर जय भगवान यादव ने कालकाजी के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके साथ पार्षद एवं मध्य क्षेत्र की अध्यक्ष योगिता सिंह, दिल्ली भाजपा के कई नेता और दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उप महापौर ने क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को चल रहे %दिल्ली की कूड़े से आजादी- महा स्वच्छता अभियान% के तहत हर गली और कॉलोनी में सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान यादव ने अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दों का संज्ञान लिया और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए ताकि पैदल यात्रियों को सड़कों पर कोई बाधा न हो।

इस अवसर पर उप महापौर ने कहा कि निगम का लक्ष्य दिल्ली के लोगों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सुलभ सार्वजनिक स्थान बनाना है। गिरि नगर स्थित स्केटिंग पार्क युवाओं के लिए खेल और स्वस्थ गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक

कदम है। साथ ही निगम स्वच्छता, अतिक्रमण और हरियाली के रखरखाव जैसे नागरिक मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि नागरिक बेहतर जीवन स्तर का अनुभव कर सकें।

दिल्ली की अदालतों में छह दिन से जारी वकीलों की हड़ताल स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा जारी अधिसूचना के खिलाफ पिछले 6 दिनों से निचली अदालतों में चल रही हड़ताल गुरुवार को स्थगित हो गई है। नई दिल्ली बार एसोसिएशन के सचिव और वकील तरुण राणा ने हड़ताल के स्थगित होने की जानकारी दी। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की निचली अदालतों में वकीलों की यह हड़ताल दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना द्वारा 13 अगस्त 2025 को जारी एक अधिसूचना के विरोध में शुरू की गई थी, जिसमें पुलिस अधिकारियों को थानों से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालतों में सबूत पेश करने की अनुमति दी गई है। इसके विरोध में पिछले छह दिनों से निचली अदालतों में हड़ताल चल रही थी और इसे सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी समर्थन दिया था। हालांकि, छह दिनों के बाद गुरुवार को वकीलों की इस हड़ताल को स्थगित कर दिया गया। नई दिल्ली बार एसोसिएशन के सचिव और वकील तरुण राणा ने कहा, 'हमने अपनी हड़ताल को खत्म नहीं बल्कि स्थगित किया है। इस हड़ताल को लिखित आश्वासन मिलने के बाद स्थगित किया गया है, क्योंकि हमें आश्वासन तो रोज दिया जा रहा था, लेकिन लिखित में किसी ने यह बात नहीं की थी। हमारी मांग थी कि उपराज्यपाल द्वारा जारी अधिसूचना को वापस लिया जाए और अगर ऐसा नहीं होता है तो हम अपनी हड़ताल को जारी रखेंगे। गुरुवार को करीब सात घंटे तक चली मैराथन बैठक के बाद इस हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।' उन्होंने कहा, 'हमें आश्वासन दिया गया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हमारी मांगों को लेकर बार के लीडर्स के साथ मुलाकात करेंगे और साथ ही हमारी समस्याओं को भी हल करेंगे। हमें लिखित में आश्वासन दिया गया है कि जब तक अगली बैठक में कोई निर्णय नहीं निकल जाता है, तब तक इस अधिसूचना पर अमल नहीं किया जाएगा। लिखित आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल को सस्पेंड किया गया है।'

एक राष्ट्र, एक चुनाव की तरह ही एक राष्ट्र का रजिस्ट्रेशन जीएसटी हो -जय भगवान गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेल्फ एम्प्लॉयड टैक्स पेयर्स फेडरेशन (एसटीएफआई) की महत्वपूर्ण बैठक 27 अगस्त 2025 को कनॉट प्लेस स्थित यूनाइटेड इंडिया लाइफ बिल्डिंग में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के चेयरमैन व यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जय भगवान गोयल ने की। इस बैठक में महासचिव वी. डी. अग्रवाल, संयुक्त सचिव आर. के. गौड़, वित्त सचिव रविन्द्र गर्ग, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व प्रवक्ता राजेश्वर पैन्यूली सहित कई गणमान्य व्यापारी व पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 3-4 सितम्बर 2025 को होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक के लिए कई महत्वपूर्ण सिफारिशों पर सहमति बनी।

अनुपालन का बोझ कम हो

व्यापारियों ने कहा कि सरकार को जीएसटी सुधारों में अनुपालन का बोझ घटाना चाहिए। अफसरशाही का दबाव और अनावश्यक भ्रष्टाचार रोकने के लिए इनकम टैक्स जैसी पारदर्शी फैसलेस प्रणाली लागू की जाए। वर्तमान में जीएसटी में 180 दिन तक भुगतान न होने पर व्यापारियों को 18॥

ब्याज देना पड़ता है, जिसे अनुचित बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। यदि पिछले व्यापारी ने कर या रिटर्न जमा नहीं किया है तो उसका दंड ईमानदार व्यापारी को न झेलना पड़े। इस पर कई उच्च न्यायालयों के आदेश होने के बावजूद विभागीय अधिकारियों के रवैये से व्यापारी परेशान हैं।

छोटे व्यापारियों को राहत

बैठक में कहा गया कि 1 करोड़ तक के कारोबारियों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन से मुक्त किया जाए। वहीं सेवा प्रदाताओं को 50 लाख तक की छूट मिलनी चाहिए। फेडरेशन ने भाजपा/एनडीए की ÷एक राष्ट्र, एक चुनाव÷ पहल का समर्थन किया और इसी तर्ज पर ÷एक राष्ट्र, एक रजिस्ट्रेशन जीएसटी÷ लागू करने की मांग रखी। अभी हर राज्य में व्यापार करने के लिए अलग-अलग रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है, जिससे व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सोशल सिक्योरिटी से भारत बनेगा पहली आर्थिक शक्ति

फेडरेशन ने जोर देकर कहा कि यदि सरकार सेल्फ एम्प्लॉयड टैक्स पेयर्स की सोशल सिक्योरिटी की मांग पूरी कर देती है, तो छोटे-बड़े व्यापारी देश को न केवल तीसरी बल्कि पहली आर्थिक शक्ति बनाने में अहम योगदान देंगे। जय भगवान गोयल ने कहा कि भारत का कोई भी गांव, कस्बा या शहर ऐसा नहीं है जहां सेल्फ एम्प्लॉयड व्यापारी न हो। यदि इनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो जाती है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना संभव है।

दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति की बैठक संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति ने गुरूवार को बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, एडवोकेट ने की। बैठक में एडिशनल कमिश्नर पंकज, डिप्टी चेयरमैन अमित खडखड़ी एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में निगम विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को सुधारने, सफाई कर्मचारियों एवं चौकीदारों की कमी, शौचालयों की दशा, तथा विद्यालयों की छोटी-छोटी मरम्मत कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत करते हुए शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। बैठक में सभी विद्यालयों में लगे सोलर पैनलों के रखरखाव की नियमित जांच सुनिश्चित करने और यदि कोई पैनल कार्यरत नहीं है तो उसे तत्काल दुरुस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा सभी विद्यालयों के पीने के पानी की टंकियों की सफाई तीन दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से की जाए। विद्यालयों की सफाई व्यवस्था को उच्च प्राथमिकता दी जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। सभी कर्मचारियों की एल एवं सीएल अवकाश का रिकॉर्ड ऑनलाइन तैयार किया जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका समाप्त हो। 4000 नए सफाई कर्मचारियों की शीघ्र नियुक्ति की जाएगी ताकि विद्यालयों में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके। सभी विद्यालयों के मेंटॉर टीचर्स की सूची का पुनरीक्षण किया जाएगा। विद्यालयों में प्रधानाचार्यों की वित्तीय क्षमता स्कूल व्यय सीमा को बढ़ाया जाएगा ताकि छोटी-छोटी मरम्मत व आवश्यक कार्य समय पर पूरे हो सकें। बैठक के अंत में अध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी अधिकारियों, प्रिंसिपलों और शिक्षकों से अपील किया की वे बच्चों को केवल विद्यार्थी न समझकर उन्हें अपने अभिभावक की तरह मार्गदर्शन और देखभाल दें।

आवारा कुत्तों की समस्या पर पहले किसे बताएं? अब आरडब्लूए के जरिए एमसीडी तक पहुंचेगी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर अब स्थानीय स्तर पर नई व्यवस्था बनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद अब रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्लूए) इस मुद्दे पर अहम भूमिका निभाएंगे। स्थानीय निवासियों को सलाह दी गई है कि आवारा कुत्तों से जुड़ी किसी भी समस्या की शिकायत वे सबसे पहले अपने संबंधित आरडब्ल्यूए (आरडब्लूए) को दें। इसके बाद वही शिकायतें व्यवस्थित तरीके से एमसीडी तक पहुंचाई जाएंगी।

शिकायत निपटाने की नई प्रक्रिया

यूनाइटेड रेजिडेंट्स ऑफ दिल्ली (यूआरडी) के अध्यक्ष सौरभ गांधी ने बताया कि संगठन ने सभी सदस्य एसोसिएशनों से कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निवासियों के बीच जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा, ÷अगर आवारा कुत्तों या उनके लिए तय किए गए फीडिंग स्पॉट्स से कोई समस्या है, तो निवासी तुरंत अपने आरडब्ल्यूए को सूचित करें। इसके बाद आरडब्ल्यूए इन शिकायतों को एमसीडी को भेजेगा। इससे न केवल शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई होगी बल्कि हिंसक कुत्तों और उनसे पैदा होने वाली दिक्कतों की पहचान भी आसानी से हो सकेगी।÷

ईस्ट दिल्ली में भी उठी मांग

ईस्ट दिल्ली आरडब्ल्यूए ज्वाइंट फ्रंट के अध्यक्ष बी एस वोहरा ने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एमसीडी से कई बार उन जगहों की जानकारी मांगी है, जहां कुत्तों के लिए खाने-पीने की जगह (फीडिंग स्पॉट) बनाने की योजना है। उन्होंने कहा, 'हम यह जानना चाहते हैं कि ये जगहें कहां होंगी, ताकि इलाके के लोग भी स्पष्ट रहें कि आवारा कुत्तों को कहां खिलाया जाएगा। फिलहाल, लोगों के बीच काफी असमंजस है।'

2,500 आरडब्लूए का नेटवर्क

यूनाइटेड रेजिडेंट्स ज्वाइंट एक्शन (उर्जा) के अध्यक्ष अतुल गोयल ने बताया कि यह संगठन दिल्ली के लगभग 2,500 आरडब्लूए का प्रतिनिधित्व करता है। ये संगठन स्थानीय स्तर पर आवारा कुत्तों की समस्याओं को चिह्नित करेंगे और नागरिक अधिकारियों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा, ÷हम समझेंगे कि फीडिंग पॉइंट्स कैसे काम कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर निवासियों व एमसीडी के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाएंगे।'

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त को अपने पहले के आदेश में संशोधन करते हुए कहा था कि अब पकड़े गए आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी इलाके में वापस छोड़ा जा सकता है। हालांकि, यह आदेश रेबीज संक्रमित या हिंसक कुत्तों पर लागू नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही यह भी साफ किया कि अब सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। इसके लिए दिल्ली-एनसीआर के सभी नगर निगमों को समर्पित फीडिंग पॉइंट्स बनाने का निर्देश दिया गया है।

स्थानीय लोगों को उम्मीद

नई व्यवस्था से स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि अब कुत्तों से जुड़ी समस्याओं–जैसे रात में झुंड बनाकर घूमना, राहगीरों पर हमला करना या गंदगी फैलाना–पर समय रहते कार्रवाई होगी। आरडब्लूए का मानना है कि एक संगठित तंत्र बनने से शिकायतें केवल दर्ज ही नहीं होंगी बल्कि उनके समाधान तक जिम्मेदारी तय होगी।

अलग-अलग स्थानों पर ई-रिक्शा से मासूम समेत दो की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अलग-अलग जगह हुए हादसों में ई-रिक्शे की चपेट में आकर मासूम समेत दो लोगों की मौत हो गई। जाफराबाद में ई-रिक्शा पलटने से उसके नीचे दबकर मां के साथ स्कूल जा रही मासूम अक्षिता पराशर (8) की मौत हो गई। वहीं वेलकम इलाके में ई-रिक्शा का हैंडल टूटने से चालक बहादुर सिंह (36) की जान चली गई। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया जाफराबाद के मौजपुर स्थित कृष्णा गली नंबर-6 निवासी अक्षिता के परिवार में पिता मनीष पराशर, मां अंजना पराशर और एक छोटी बहन अनाया (5) है। मनीष आईटी इंजीनियर हैं और गुरुग्राम के एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। अक्षिता शिवाजी पार्क स्थित लिटिल फ्लावर पब्लिक स्कूल में तीसरी कक्षा की छात्रा थी। बुधवार सुबह करीब आठ बजे अंजना अपनी बेटी को ई-रिक्शा में बिठाकर स्कूल ले जा रही थीं। इस बीच मौजपुर चौक के पास अचानक ई-रिक्शा पलट गया। उधर ई-रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया।

दिल्ली सरकार 170 करोड़ से 15 आईटीआई का करेगी आधुनिकीकरण : सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार ने आज 170 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की, जिसके तहत 15 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अत्याधुनिक तकनीक से लैस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बदला जाएगा। यह पहल भारत सरकार की 60,000 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय आईटीआई अपग्रेडेशन योजना से जुड़ी है।

दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को चंडीगढ़ में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित राज्यों के कौशल विकास मंत्रियों के क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'स्किल, स्केल, स्पीड और सम्मान' का विजन हमारा मार्गदर्शक है। दिल्ली के अपग्रेडेड आईटीआई हमारे युवाओं को 21वीं सदी की क्षमताओं से लैस करेंगे ताकि वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रभावी नेतृत्व में हम वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर को 'सेम-डे अप्रूवल' और डिजिटल ट्रांसपेरेंसी के साथ जोड़ रहे हैं।

मंत्री सिरसा ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेनिंग एंड टेक्निकल एजुकेशन (डीटीटीई), जिसकी जिम्मेदारी हमारे मंत्री उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा आशीष सूद संभाल रहे हैं, को इस योजना का नोडल एजेंसी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने जानबूझकर केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं को रोका, जिसके कारण दिल्ली की जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर किया और मोदी मॉडल ऑफ गवर्नेंस पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि ईवी, एआई, रोबोटिक्स और ग्रीन एनर्जी मॉड्यूल्स को आईटीआई के पाठ्यक्रम में शामिल करके हम अपने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं और दिल्ली तथा भारत को फ्यूचर-रेडी बनाने का लॉन्चपैड तैयार कर रहे हैं। हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत आईटीआई पूसा (सेंट्रल दिल्ली), आईटीआई शाहदरा (ईस्ट दिल्ली) और आईटीआई मंगोलपुरी (नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली) हब संस्थान के रूप में कार्य करेंगे और प्रत्येक चार संस्था तक स्पोक आईटीआई को इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी विकास और इंडस्ट्री लिंक से मार्गदर्शन देंगे। स्पेशल पर्पज व्हीकल्स में केंद्र, दिल्ली सरकार और इंडस्ट्री पार्टनर्स का योगदान होगा और फंड रिलीज पारदर्शी व माइलस्टोन आधारित होगी। स्मार्ट क्लासरूम, सिमुलेशन लैब और ब्लेंडेड-लर्निंग कंटेंट को लागू किया जाएगा, साथ ही अनिवार्य इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप-इनेबल्ड डिप्लोमा पाथवे भी होंगे। आईटीआई ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ दिल्ली सरकार धीरपुर, मयूर विहार और पूसा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का एक इकोसिस्टम बना रही है, जहां छात्रों को इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और एडवांस्ड वेल्डिंग में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 1,300 से अधिक कारीगर पहले ही प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि जहांगीरपुरी के जन शिक्षण संस्थान जैसे कार्यक्रमों से 1,000 से अधिक महिलाओं को उनके दरवाजे पर ही प्रशिक्षण मिला है। दिल्ली का मॉडल करियर सेंटर (पूसा) पहले ही 7,000 से अधिक युवाओं का पंजीकरण कर चुका है, जिनमें से 2,122 को पीवीआर, जेबीएम, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, लेमन ट्री होटल्स और एलएंडटी कंस्ट्रक्शन जैसी ख्याति प्राप्त कंपनियों में नौकरी मिल चुकी है। सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली का स्किल रोडमैप 2.0 एक ओपन-सोर्स ब्लूप्रिंट है। जिससे युवाओं को सशक्त बनाया सकता है। स्कूल पाठ्यक्रम में स्किल क्रेडिट जोड़ने से लेकर हर हब आईटीआई में इनक्यूबेशन और सीड-फंड सेल स्थापित करने तक है।

चोरी की बाईक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) बहादुरगढ पुलिस ने चैकिंग के दौरान चोरी की बाईक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं बरामद बाईक थाना सिंभावली क्षेत्र से चोरी की गई थी। बहादुरगढ थाना प्रभारी मनोज कुमार बालियान ने बताया कि अपराधो को रोकने के लिए उच्चाधिकारीयो के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान में पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान गांव नानई से चांदनेर जाने वाले रास्ते पर जब एक संदिग्ध बाईक सवार को रोककर पुछताछ की तो उसके पास मिली बाईक चोरी की निकली। पुलिस ने आरोपी उमेश पुत्र सुरेश निवासी ग्राम पलवाडा थाना बहादुरगढ बताया है जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी करने पर पता चला कि बरामद बाईक थाना सिंभावली क्षेत्र से कुछ समय पूर्व चोरी हुई थी।

बीएलओ ड्यूटी में अनियमितता से नाराज शिक्षक, उपजिलाधिकारी को सौंपा मांगपत्र

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच बीएलओ ड्यूटी को लेकर शिक्षकों में गहरा असंतोष उभर कर सामने आया। सोमवार को गढ़मुक्तेश्वर तहसील परिसर में शिक्षक संघ के आह्वान पर बड़ी संख्या में शिक्षक इकट्ठा हुए और उपजिलाधिकारी गढ़ श्रीराम यादव को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं का समाधान करने की मांग रखी। शिक्षकों का कहना है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के दौरान ड्यूटी लगाने में न तो संतुलन बरता जा रहा है और न ही पारदर्शिता। कई विद्यालयों के अधिकांश अध्यापक एक साथ बीएलओ कार्य में लगा दिए गए हैं, जिससे स्कूलों में पढ़ाई पूरी तरह बाधित हो रही है। संघ पदाधिकारियों का आरोप है कि शिक्षा व्यवस्था की अनदेखी कर मनमाने ढंग से शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार डाला जा रहा है, जिसका खामियाजा मासूम विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। महिला शिक्षिकाओं से जुड़े मुद्दे पर भी शिक्षक संघ ने प्रशासन का ध्यान खींचा। उनका कहना था कि ग्रामीण अंचलों की राजनीतिक परिस्थितियों और सुरक्षा के दृष्टिगत महिला शिक्षिकाओं को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त रखा जाना चाहिए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ड्यूटी निर्धारण में निष्पक्षता बरतते हुए कार्यभार सभी कर्मचारियों में बराबर बांटा जाए ताकि शिक्षा कार्य प्रभावित न हो। उपजिलाधिकारी श्रीराम यादव ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा तथा समाधान निकालने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर कर रहा मीटर रिडिंग समस्या का समाधान : दीपक अग्रवाल मुख्य अभियन्ता

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मीटर रिडिंग की समस्या का समाधान करने के लिए लोगों को बिजली विभाग के चक्कर लगाने पड़ते थे लेकिन बिजली विभाग में स्मार्ट मीटर का प्रयोग शुरू कर लोगों को अब इस समस्या से निजात दिलाने का कार्य शुरू कर दिया है। दीपक अग्रवाल, मुख्य अभियन्ता वितरण गाजियाबाद क्षेत्र-तृतीय ने बताया कि उपभोक्ताओं को आधुनिक स्मार्ट टेक्नोलाजी के सहारे मीटर रीडरों से मुक्त रिडिंग की व्यवस्था एवं ऑन लाईन विद्युत भुगतान की सुविधा स्मार्ट मीटर के माध्यम से की जा रही है। गाजियाबाद जिले में लगभग 11 लाख स्मार्ट मीटर लगाये जाने है, वर्तमान में लगभग 1 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा दिये गये है। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता अपनी विद्युत खपत की मानेटिंग स्वयं प्ले स्टोर से एप डाउनलोड करके कर सकते है तथा रिचार्ज भी अपनी सुविधा अनुसार करा सकते है। कुछ व्यक्तियों द्वारा निजी स्वार्थवश स्मार्ट मीटर के बारे में यह भ्रान्ति फैलाई जा रही है कि स्मार्ट मीटर तेज चलता है, इस शक को दूर करने के लिए विभाग द्वारा 5 प्रतिशत उपभोक्ताओं पर पुराना मीटर भी चैक मीटर की तरह छोड़ा गया। इनमें से लगभग 300 उपभोक्ताओं का औचक निरीक्षण कराया गया एवं दोनों मीटरों की खपत का मिलान किया गया, जिसमें दोनो मीटरों की खपत बराबर पाई गयी। अतार्थ स्मार्ट मीटर सही रिडिंग रिकॉड कर रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील कि मीटर रिडिंग से निजात पाने के लिए स्मार्ट मीटर का प्रयोग करें और विभाग का सहयोग करें।

फोटो कैप्शन-दीपक अग्रवाल, मुख्य अभियंता

राज्य अध्यापक पुरस्कार हेतु चयनित की गयी नोएडा की सुमन यादव

नोएडा (शिखर समाचार)। आई सी टी और नवाचारों के व्यापक प्रयोग के कारण आदर्श प्राथमिक विद्यालय चौड़ा, ब्लॉक - बिसरख की शिक्षिका सुमन यादव को इस वर्ष राज्य अध्यापक पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है।सुमन यादव ने 15 वर्षों से निरंतर अपने शिक्षण में नवीनता को स्थान दिया ।अपनी पेंटिंग की प्रतिभा को अपने छात्रों और विद्यालय के लिए प्रयोग किया।विद्यालय के नामांकन और उपस्थिति के लिए विद्यालय सौंदर्यीकरण का कार्य स्वयं किया ।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट गाजियाबाद में अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान, जेन जेड शिक्षार्थियों पर विशेषज्ञों ने साझा किए वैश्विक दृष्टिकोण

गाजियाबाद (शिखर समाचार) शिक्षा के नए आयाम गढ़ने और विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ने के उद्देश्य से आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट गाजियाबाद में विशेष अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय रहा जेनरेशन जेड शिक्षार्थियों को गहन अधिगम हेतु जोड़ना, जिस पर अमेरिका और भारत के ख्यातनाम विद्वानों ने अपने विचार रखे और छात्रों को नवीन शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर आईटीएस के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, निदेशक (जनसंपर्क) सुरेंद्र सूद, निदेशक डॉ. अजय कुमार, मुख्य अतिथि डॉ. विलियम कोईहलर डीन मार्शल एम. स्लोएन स्कूल ऑफ बिजनेस बोस्टन अमेरिका तथा डॉ. मोहन लाल अग्रवाल प्रधान संपादक इंडो गल्फ टीवी कार्यक्रम बिजनेस इन नेक्स्ट 25 मंच पर उपस्थित रहे।

निदेशक डॉ. अजय कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि वर्तमान समय में जेनरेशन जेड (नवीन पीढ़ी) के छात्रों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ नवाचार आधारित अधिगम और आधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना आवश्यक है। निदेशक (जनसंपर्क) सुरेंद्र सूद ने छात्रों को आत्मप्रेरित होकर ज्ञान अर्जित करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के प्रभावी प्रयोग की ओर प्रेरित किया। उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने छात्रों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल वैश्विक दृष्टिकोण का विस्तार करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पधाओं के लिए भी सशक्त बनाते हैं। चैयरमेन अध्यक्ष डॉ. आर.पी. चड्ढा ने शुभकामनाएं भेजते हुए छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी। सत्र का संचालन डॉ. मोहन लाल अग्रवाल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन पर आधारित अभ्यास (रियल वर्ल्ड सिमुलेशन), मूल्य आधारित कौशल तथा नवाचारमूलक अधिगम के महत्व से परिचित कराया। डॉ. विलियम कोईहलर ने अपने संबोधन में कहा कि एक सफल पेशेवर बनने के लिए छात्रों में जिज्ञासा (क्यूरोसिटी), अनुभवजन्य अधिगम (एक्सपीरियंशल लर्निंग) और आलोचनात्मक चिंतन (क्रिटिकल थिंकिंग) जैसी क्षमताओं का विकास अनिवार्य है। उन्होंने साथ ही वैश्विक सोच (ग्लोबल थिंकिंग) और भावनात्मक बुद्धिमत्ता (इमोशनल इंटेलिजेंस) को भी आधुनिक पेशेवर जीवन की आधारशिला बताया। कार्यक्रम के दौरान छात्र, शिक्षक और अतिथि सभी अत्यंत उत्साहित रहे। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर संवाद स्थापित किया और एक सजीव शैक्षणिक वातावरण का अनुभव प्राप्त किया। यह उल्लेखनीय है कि आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट समय-समय पर विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल, उद्यमिता विकास और वैश्विक अनुभव के लिए ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की श्रृंखला करता रहता है, जिससे छात्र भविष्य में प्रतिस्पर्धी परिवेश में अपनी सशक्त पहचान बना सकें।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की कड़ी कार्रवाई : पिपलेहड़ा में 20 हजार वर्ग मीटर अवैध कॉलोनी जमींदोज

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अवैध निर्माण और कॉलोनाइजरों पर नकेल कसने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निदेशों के तहत प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने 28 अगस्त को ग्राम पिपलेहड़ा हापुड़ स्थित लगभग 20,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैली अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। इस कॉलोनी में मिट्टी भराव कर कच्ची सड़कें और साइट ऑफिस तैयार किए गए थे, जिन्हें ध्वस्तीकरण आदेश के अनुपालन में जमींदोज कर दिया गया। इसी दौरान एनएच-24 स्थित ग्राम महरौली में अंग्रेजी शराब ठेका और 7 स्टार होटल के बीच बने अवैध निर्माण पर सीलिंग की कार्रवाई भी पूरी की गई। वहीं क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास सेवियर ग्रिनाइल की सड़क से भी अतिक्रमण हटाया गया।

कार्रवाई के समय अवैध निर्माणकताओं ने जोरदार विरोध जताया, लेकिन जीडीए प्रवर्तन दस्ते और पुलिस बल की मौजूदगी में विरोध को काबू में किया गया और कार्रवाई पूरी कराई गई। मौके पर माहौल तनावपूर्ण जरूर रहा, लेकिन प्रशासन की सख्ती के आगे निर्माणकताओं की एक न चली।

प्रभारी प्रवर्तन जोन-5 ने साफ कहा कि बिना अनुमति किए गए किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि नियम तोड़कर की गई कॉलोनियों और इमारतों पर जीडीए का बुलडोजर चलता रहेगा।

इस कार्रवाई के बाद कॉलोनाइजरों और अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्राधिकरण की यह कार्रवाई क्षेत्र की सूरत बदलने में मददगार साबित होगी। वहीं जीडीए ने साफ कर दिया है कि यह सिर्फ शुरूआत है और आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण व सीलिंग का अभियान तेजी से जारी रहेगा।

मासूम सवाल से पिघला दिल, हापुड़ महिला थानाध्यक्ष ने नन्हें छात्र को दिया हौसला

हापुड़ (शिखर समाचार) पढ़ाई का दबाव बच्चों के लिए किस हद तक बोझ बन जाता है, इसका उदाहरण उस वक्त देखने को मिला जब दिल्ली के एक स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने सीधे महिला थाना मिलाने की कोशिश की। मगर कॉल गलती से हापुड़ महिला थाने पर जा पहुंचा। फोन रिसीव करने वाली थाना प्रभारी निरीक्षक अरूणा राय को जैसे ही बच्चे की चिंता का पता चला, उन्होंने कॉल काटने के बजाय धैर्य और ममता से भरी बातचीत शुरू की, जिसने बच्चे का नजरिया ही बदल डाला। कॉल पर मौजूद नन्हें छात्र ने अपना नाम अभय बताते हुए संकोच से भरा सवाल किया कि क्या पुलिस उन बच्चों को पकड़कर ले जाती है जो अपने माता-पिता की बात नहीं मानते? इस भोलेपन भरे प्रश्न को सुनकर अरूणा राय ने बेहद नरमी से समझाया कि पुलिस बच्चों को पकड़ने नहीं, बल्कि उनकी मदद करने के लिए होती है। उन्होंने कहा कि बच्चे माता-पिता की बात मानें, मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने भविष्य पर ध्यान दें। गुफ्तगू के दौरान अभय ने बताया कि उसके पिता दिल्ली में जज और मां डॉक्टर हैं। वह भी डॉक्टर बनना चाहता है, मगर पढ़ाई न कर पाने और सख्त सजा मिलने से उसका मन खिन्न हो जाता है। उसने खुलकर बताया कि उसकी टीचर पढ़ाई याद न करने पर उसे मुर्गा बना देती हैं, जिससे वह बेहद अपमानित महसूस करता है और दोस्त भी चिढ़ाते हैं। इस पर अरूणा राय ने उसे भरोसा दिलाया कि शिक्षक से इस बारे में बातचीत करेंगे और उसे हतोत्साहित नहीं होने देंगे। महिला थाना प्रभारी ने न केवल उसे पढ़ाई के महत्व को समझाया बल्कि यह भी कहा कि परिवार को चाहिए कि बच्चों को समय दें, उनकी छोटी-छोटी दिक्कतें समझें और समय-समय पर उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने यह भी माना कि भले ही यह मामला दिल्ली से जुड़ा था, मगर एक परेशान छात्र की आवाज सुनना और उसे सहारा देना उनका कर्तव्य था। अभय ने बातचीत खत्म होने से पहले माना कि अब वह पढ़ाई के लिए नया उत्साह महसूस कर रहा है और अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करेगा। यह घटना यह संदेश देती है कि कभी-कभी पुलिस की भूमिका कानून-व्यवस्था से कहीं आगे बढ़कर भी होती है जहां इंसानियत और संवेदना किसी बच्चे के जीवन में नया उजाला भर देती है।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित 1 करोड से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान अध्यक्ष ने अवगत कराया कि सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित 1 करोड से अधिक लागत की 301 परियोजनाएं है, जिनका कार्य 22 कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराया जा रहा है। पूर्ण परियोजनाओं की संख्या-151 व अपूर्ण परियोजनाओं की संख्या-137 है। माह जुलाई में विलम्बित परियोजनाओं की संख्या-14 थी व वर्तमान मे विलम्बित परियोजनाओं की संख्या-13 है, जिनका कार्य तीव्रगति से प्रगति पर है। उक्त विलम्बित परियोजनाएं उप्र राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की 1, लोक निर्माण विभाग की 2, एचएससीसी(इंडिया) लिमिटेड(ए गर्वमेंट ऑफ इंडिया) की 01, उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद निर्माण इकाई की 1, सीएण्डडीएस एसयू-31 की 1, उत्तर प्रदेश जल निगम (रूलर) की 1, उप्र राज्य सेतु निगम लिमिटेड की 2, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग (सिंचाई निर्माण खण्ड गाजियाबाद) की 1, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग(मेरठ) की 1, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग(बुलन्दशहर खण्ड गंगा नहर) की 1 व यूपी स्टेट कन्ट्र एण्ड इन्फ्रा डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड की 1 है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश जल निगम (अर्बन) गंगा जल परियोजना इकाई की नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर पेयजल योजना अभी अनारम्भ है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने कहा कि सभी परियोजनाओं को कार्य समयान्तराल पूर्ण गुणवत्ता से सुनिश्चत किया जाए, जो परियोजना विलम्बित है, उन्हें समयान्तराल में पूर्ण कराने हेतु अधिक श्रमिक लगाते हुए अधिक कार्य किया जाए। भविष्य में किसी भी परियोजना का कार्य विलम्बित नहीं रहने पाएं और सम्बंधित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि एवं सम्बंधित अधिकारी ध्यान रखें। कार्य के विलम्बित रहने पर कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए विभागीय कार्यवाही की जा सकती है। अतः अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी एवं कतर्व्यनिष्ठा के साथ पूर्ण किया जाएं। बैठक में आईएएस अयान जैन, डीएसटीओ राजीव श्रीवास्तव सहित सम्बंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजनगर एक्सटेंशन की सफाई व्यवस्था सुधारने को तेज हुई कवायद, प्राधिकरण व आरडब्ल्यूए की साझा बैठक में बनी रणनीति

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राजनगर एक्सटेंशन की सड़कों और सोसाइटियों में फैली गंदगी की समस्या पर अब प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाते हुए ठोस कदम उठाने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निदेर्शानुसार 28 अगस्त को प्राधिकरण अधिकारियों की बैठक फेडरेशन ऑफ राजनगर एक्सटेंशन और विभिन्न आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ आयोजित की गई। बैठक में साफ सफाई को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्राधिकरण ने कूड़ा उठाने और उसके निस्तारण के लिए अधिकृत फर्म नियुक्त कर रखी है, बावजूद इसके कुछ सोसाइटियों द्वारा निजी और अनधिकृत व्यक्तियों से कूड़े का निस्तारण कराया जा रहा है। ये लोग कचरा आसपास की सड़कों के किनारे फेंक देते हैं, जिससे न केवल सफाई व्यवस्था बिगड़ती है बल्कि प्रदूषण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। बैठक में मौजूद फेडरेशन और अन्य आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी सोसाइटियां केवल प्राधिकरण द्वारा अधिकृत फर्म को ही कचरा सौंपेंगी। इससे निस्तारण की प्रक्रिया व्यवस्थित होगी और क्षेत्र की सफाई व्यवस्था भी सुचारू ढंग से चल सकेगी।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में क्रियो-2025 का अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव धूमधाम से प्रारंभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार) ज्ञान, कला और सृजनशीलता का अद्भुत संगम देखने को मिला जब नेहरू वर्ल्ड स्कूल के प्रांगण में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव क्रियो-2025 का परचम लहराया। विद्यालय की रंग-बिरंगी साज-सज्जा और बच्चों के उत्साह ने वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया। इस भव्य आयोजन का उद्घाटन स्कूल की एग्जीक्यूटिव हेड सुसन होम्स, निदेशक सोनल आनंद सिंह और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने संयुक्त रूप से किया। एग्जीक्यूटिव हेड सुसन होम्स ने स्वागत भाषण में कहा कि इस प्रकार के उत्सव केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं होते, बल्कि ये बच्चों की कल्पनाशक्ति को ऊँचाइयाँ देने, आत्मविश्वास जगाने और उनकी छुपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने का सशक्त मंच सिद्ध होते हैं। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों और शिक्षक-प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। करीब एक माह तक चलने वाले इस महोत्सव की विशेषता यह है कि इसे ऑनलाइन, ऑफलाइन और रिकॉर्डेड वीडियो तीनों स्वरूपों में आयोजित किया जा रहा है। जहाँ 25 से 27 अगस्त तक ऑनलाइन प्रतियोगिताएँ अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर सम्पन्न हुईं, वहीं ऑफलाइन मुकाबले 28 अगस्त से 30 अगस्त तक विद्यालय परिसर में होंगे। रिकॉर्डेड प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियाँ 7 अगस्त तक आमंत्रित की गई थीं। कार्यक्रम में देश और विदेश के 168 स्कूलों से 3365 विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कुल 56 प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित हो रही हैं जिनमें कला-कौशल, शिल्पकला, फोटोग्राफी, पर्यावरण व प्रौद्योगिकी, संगीत-नृत्य, वक्तृता, रचनात्मक लेखन, गणित और इतिहास जैसे विविध आयाम शामिल हैं। इनमें से कुछ प्रतियोगिताएँ पूरी तरह प्रतिस्पर्धात्मक, कुछ गैर-प्रतिस्पर्धात्मक तथा कुछ मिश्रित स्वरूप की हैं। उद्घाटन दिवस पर ऑफलाइन प्रतियोगिताओं की छह विधाएँ सम्पन्न हुईं जिनमें लंदन, यूएई, कतर, मालदीव, नेपाल, नार्वे सहित भारत के विभिन्न राज्यों दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। आयोजक विद्यालय ने निष्पक्षता की अनोखी मिसाल पेश करते हुए घोषणा की कि उसके विद्यार्थी अवश्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे, लेकिन उन्हें मिलने वाले पुरस्कार या स्थान को अगले स्थान पाने वाले विद्यालयों के साथ साझा किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल प्रमुख विद्यालयों में इनविक्टिस इंटरनेशनल स्कूल अमृतसर, बा अटोल स्कूल मालदीव, जम्स इंग्लिश हाई स्कूल (यूएई), नॉर्थ लंदन कॉलेजिएट (लंदन), राजश्री गुरुकुल नेपाल, सेठ आनंदराम जयपुरिया (लखनऊ), आचार्य विद्याकुला (मैसूर), आर्मी पब्लिक स्कूल (फिरोजपुर व पूणे), एस्कर इंटरनेशनल (नॉर्वे), खेतान स्कूल, शाइनिंग स्टार इंटरनेशनल स्कूल (अबूधाबी), डीएलएफ साहिबाबाद, जीडी गोयनका, सालवान पब्लिक स्कूल, डीपीएस इंटरनेशनल, सेंट जेवियर हाई स्कूल, बाल भारती पब्लिक स्कूल सहित एनसीआर के अनेक नामचीन विद्यालयों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक के.पी. सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का वास्तविक उद्देश्य किशोर पीढ़ी को वह मंच देना है जहाँ वे न केवल अपनी कलात्मक और बौद्धिक क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकें बल्कि आत्मचिंतन कर अपनी आंतरिक प्रतिभाओं को दुनिया के सामने रख सकें। क्रियो-2025 का यह उत्सव केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों का संगम और विचारों का आदान-प्रदान बनकर उभर रहा है, जो आने वाले दिनों में गाजियाबाद ही नहीं बल्कि पूरे देश-विदेश के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

हादसे के बाद चेता विद्युत निगम, नए बिजली के खंभे पर शिफ्ट किए गए तार

जौनपुर, एजेंसी। मछलीशहर पड़ाव पर सोमवार को हुए हादसे के बाद विद्युत निगम की सक्रियता बढ़ गई है। घटनास्थल पर लगे जर्जर बिजली के खंभे से तार को नए खंभे पर शिफ्ट कर दिया गया। इसके अलावा जर्जर तार भी बदल दिए गए। शहर के कोतवाली क्षेत्र के मछलीशहर पड़ाव पर सोमवार की शाम करंट से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इसके अलावा दो लोगों की मौत नाले में बहने से हुई। यहां पर दो खंभे पहले ही लगाए थे, लेकिन तार नहीं शिफ्ट किए गए थे। बुधवार की सुबह घटनास्थल पर लगे जर्जर बिजली के खंभे से तार को हटाकर नए खंभे पर शिफ्ट किया गया। इसके अलावा जर्जर तार बदलकर नए तार लगा दिए गए। विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता शहर सचिन सिन्हा ने बताया कि घटनास्थल पर लगे खंभे से कनेक्शन हटाकर नए पोल पर कर दिया गया। खराब तार बदलकर नए लगा दिए गए हैं। शहर में जर्जर बिजली के खंभों व तार का सर्वे कराया गया है। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भी भेजा गया है।

जिलाधिकारी आवास के सामने मौत...मिनी ट्रक ने रौंद दिए दंपती, पत्नी की चली गई जान ; पति की हालत गंभीर

आगरा , एजेंसी। आगरा के एमजी रोड पर मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। जिलाधिकारी आवास के पास पेट्रोल पंप के सामने मिनी ट्रक ने बाइक सवार दंपती को रौंद दिया। हादसे में महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं पति की हालत गंभीर बनी हुई है। हरीपर्वत थाना क्षेत्र की रहने वाले प्रदीप सक्सेना बाइक से अपनी पत्नी नीलू को लेकर जा रहे थे। बताया गया है कि इस दौरान पीछे से आ रहे मिनी ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल को अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि हादसा उस जगह हुआ, जहां मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क पर बैरिकेडिंग लगे होने के कारण मार्ग संकरा हो गया है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जम्मू से आया नीरा का शव, फूट-फूटकर रोए परिजन, कटरा में भूस्खलन से हुई दो बहनों की मौत

मेरठ, एजेंसी। मवाना के मोहल्ला तिहाई निवासी नीरा और उसकी बहन बागपत के खेकड़ा निवासी चांदनी की कटरा में भूस्खलन में दबने से मौत हो गई। बृहस्पतिवार को खेकड़ा में चांदनी और मवाना में नीरा का शव पहुंचा। गमगीन माहौल में मवाना में नीरा का अंतिम संस्कार किया गया। मोहल्ला तिहाई निवासी अशोक वर्मा ने बताया कि सोमवार दोपहर उनका पुत्र अमित वर्मा (40) अपनी पत्नी नीरा (35) और बेटी विधि वर्मा (10) के साथ घर से मां वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए निकले थे। अमित वर्मा के साथ खेकड़ा बागपत निवासी अमित का साढू व साली भी गए थे। इनकी सोमवार को शाम के समय दिल्ली से ट्रेन थी। दर्शन कर लौटते समय प्राकृतिक आपदा की चपेट में आने से सभी लोग घायल हो गए। इसमें पत्नी नीरा वर्मा और साली चांदनी की मौत हो गई। जबकि अमित वर्मा और उनकी बेटी विधि वर्मा घायल हो गए। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अमित वर्मा बिबिया वाले मंदिर के पास सुनार की दुकान करते हैं, जबकि पिता अशोक वर्मा की चाट की दुकान है। बृहस्पतिवार को नीरा का शव मवाना पहुंचा तो कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गमगीन माहौल में परिजनों ने नीरा का अंतिम संस्कार कर दिया।

प्रदेश से जम्मू जाने और आने वाली सभी 58 ट्रेनें हुईं रद्द

आसमान पर पहुंचा हवाई किराया; इनका रूट बदला

लखनऊ, एजेंसी। जम्मू संभाग में बारिश-भूस्खलन से बिगड़े हालात के बाद वहां आने-जाने वाली 58 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। इसमें उत्तर प्रदेश आने वाली कई ट्रेनें शामिल हैं। कुछ ट्रेनों को जम्मू से पहले अंबाला में ही रोक दिया गया। ट्रेनें रद्द होने से हजारों यात्री जम्मू और कटरा में फंसे हैं। यात्रियों की सहायता के लिए रेलवे ने जम्मू और कटरा स्टेशन पर हेल्प डेस्क बनाई है।

रेलवे प्रशासन के मुताबिक जम्मू से आने वाली जम्मूतवी कोलकाता एक्सप्रेस और लखनऊ से जम्मू जाने वाली बेगमपुरा एक्सप्रेस बृहस्पतिवार को निरस्त रहेगी। अमरनाथ एक्सप्रेस और कोलकाता जम्मूतवी ट्रेन का संचालन शुक्रवार को भी नहीं होगा। पिछले सप्ताह लखनऊ से ट्रेनों के जरिये 18700 से अधिक यात्री जम्मू गए हैं। वहां फंसे यात्रियों को निकालने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है। स्पेशल ट्रेन यात्रियों को जम्मू से दिल्ली तक लाएंगी। दिल्ली से दूसरी ट्रेनों से यात्रियों को लखनऊ लाया जाएगा।

इन ट्रेनों को किया गया निरस्त: उत्तर प्रदेश की तरफ आने वाली ट्रेनों में कटरा-ऋषिकेष, जम्मूतवी-वाराणसी, कानपुर सेंट्रल-जम्मूतवी, अमरनाथ एक्सप्रेस, टाटानगर-जम्मूतवी, उधमपुर-छपरा, कटरा-कामाख्या एक्सप्रेस प्रमुख हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि वैष्णो देवी कटरा से 28 अगस्त को चलने वाली 14612 श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस, भागलपुर से 28 अगस्त को चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस और शहीद कैप्टन तुषार महाजन से 27 अगस्त को चलाई गई 05194 छपरा स्पेशल को निरस्त किया गया है।

ये ट्रेनें हुईं आंशिक निरस्त: यूपी से जम्मू की तरफ जाने वाली ट्रेनों में सिलायदह एक्सप्रेस को लुधियाना, राजगीर-उधमपुर एक्सप्रेस को अंबाला, वाराणसी-जम्मू तवी को जालंधर कैंट, गुवाहाटी-जम्मूतवी को सहारनपुर, छपरा-उधमपुर को जालंधर, कामाख्या-जम्मूतवी को घगवाल, वाराणसी-जम्मूतवी एक्सप्रेस की यात्रा को जालंधर कैंट पर समाप्त कर दिया गया है। उधर से आने वाली ट्रेनों में जम्मूतवी-गुवाहाटी को सहारनपुर, जम्मूतवी-धनबाद को अंबाला कैंट, जम्मूतवी-वाराणसी को जालंधर कैंट पर समाप्त करते हुए वापसी में वहीं से चलाया जा रहा है।

बनाई गई हेल्प डेस्क : यात्रियों की सुरक्षा के लिए ही ट्रेनें निरस्त की गई हैं। जम्मू, कटरा, पठानकोट और दिल्ली स्टेशन पर हेल्प डेस्क बनाई गई है। जम्मू स्टेशन के हेल्प डेस्क का नंबर 788883911 और दिल्ली स्टेशन के हेल्प डेस्क का नंबर 9717638775 है। ज्यादा जानकारी के लिए यात्री रेलवे की एनटीईएस साइट देख सकते हैं।- हिमांशु शेखर उपाध्याय, सीपीआरओ, उत्तर रेलवे

हवाई किराया आसमान पर : ट्रेनों के निरस्त होने के बाद विमान कंपनियों ने मांग देखते हुए किराया एकदम बढ़ा दिया है। आम दिनों में जम्मू से लखनऊ तक फ्लाइट का किराया पांच हजार रुपये के आसपास रहता है जो अब 24 हजार तक पहुंच गया है। जम्मू से स्पाइस जेट की उड़ान का किराया 13400 रुपये हो चुका है। इंडिगो की दो स्टॉपेज वाली फ्लाइट का किराया 28 अगस्त को 24000 तक पहुंच गया। एअर इंडिया की कनेक्टिंग फ्लाइट का किराया 9800 रुपये तो इंडिगो की दोपहर की उड़ान का किराया 9045 रुपये है।

खतरे के निशान के पास पहुंचा गंगा और यमुना का जलस्तर, राहत शिविरों में बढ़ रही भीड़

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर 84 मीटर के पर पहुंच गया है। खतरे का निशान 84.734 पर है। बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे सिंचाई विभाग की ओर से जारी बाढ़ बुलेटिन के अनुसार नैनी में यमुना 84.9 मीटर और फाफामऊ में गंगा 84.39 मीटर पर बह रही हैं। जलस्तर में बढ़ोत्तरी फिलहाल जारी है। बाढ़ का पानी शहर की कई बस्तियों में पहुंच गया है। जिससे लोग पलायन कर रहे हैं। बाढ़ से दो हजार से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। राहत शिविरों में प्रभावितों की संख्या बढ़ती जा रही है।

छह शिविर खुले, दो हजार से अधिक शरणार्थी पहुंचे : नदियों के जलस्तर में वृद्धि के साथ बाढ़ पीड़ितों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। करीब तीन दर्जन मोहल्लों के हजारों परिवार इसकी चपेट में आ गए हैं। प्रशासन के अनुसार, दो हजार से अधिक लोगों को बाढ़ राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। शिविरों में पहुंचने का क्रम देर रात तक जारी रहा।

अशोक नगर, नेवादा, राजापुर, बेली, सलोरी और बघाड़ा में स्थिति ज्यादा खराब है। बेली और राजापुर समेत कछारी इलाकों के नालों में भी बाढ़ का पानी भर गया है। ऐसे में लोगों के घरों का पानी भी बस्तियों में फैल रहा है। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रथम तल पर सामान शिफ्ट कर दिया है। वहीं हजारों लोग पलायन करने के लिए मजबूर हुए हैं। इनके लिए प्रशासन की ओर से भी बाढ़ राहत शिविर खोले गए हैं। बुधवार शाम तक करीब 500 परिवार के दो हजार से अधिक लोग इन शिविरों में शरण ले चुके हैं। एक सप्ताह तक बाढ़ की समस्या बनी रहने की बात कही जा रही है। इसलिए प्रशासन की ओर से बाढ़ में फंसे लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है। बुधवार को प्रभावित इलाकों में माइक से लगातार अपील की जाती रही।

मम्फोर्डगंज स्थित सेंट जोसेफ बालिका स्कूल परिसर में भी बड़ी संख्या में बाढ़ पीड़ित पहुंचे। वे इसी विद्यालय में रहने की मांग कर रहे थे। जबकि, लेखपाल का कहना था कि पास में ही स्थित महबूब अली में अभी जगह है। इसलिए लोग पहले वहीं जाएं। इसे लेकर दोपहर से रात तक गतिरोध बना रहा। ऐसे में 50 से अधिक लोग सेंट जोसेफ स्कूल के सामने डटे रहे। रात करीब सवा आठ बजे एसडीएम अभिषेक सिंह पहुंचे और लोगों की मांग को देखते हुए स्कूल खुलवाया। इसके बाद बाढ़ पीड़ितों के लिए वहां रहने एवं खाने की व्यवस्था की गई।गंगा एवं यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। यह सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहने के आसार हैं। हालांकि, जलस्तर में बढ़ोतरी की रफ्तार में कुछ कमी दर्ज की गई है। शाम चार बजे फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में प्रति घंटा 4.25 सेमी और नैनी में यमुना में तीन सेमी की वृद्धि दर्ज की गई।

खड़े वाहन से टकराया ट्रक, चालक की मौत

ट्रक के चालक को नींद आने से हादसा हो गया

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर धनपतगंज के मझवारा गांव के पास बुधवार भोर चार बजे सड़क के किनारे खड़े ट्रक में पीछे से दूसरा बेकाबू ट्रक टकरा गया। इस दुर्घटना में पीछे से आए ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी कूरेभार ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

उन्नाव जिले के परदा, हसनगंज निवासी अमन कुमार (25) मंगलवार देर रात ट्रक लेकर गाजीपुर से गोविंदगढ़, पंजाब जाने के लिए निकला था। वह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के रास्ते से जा रहा था। इसी बीच धनपतगंज के मझवारा गांव के पास बुधवार भोर ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक में पीछे से टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक अमन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। यूपीडा की टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंची और घायल अमन को ट्रक से निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी राम चंद्र वर्मा ने बताया कि मझवारा गांव के पास टायर पंक्चर होने से एक ट्रक खड़ा था। उसमें पीछे से दूसरा ट्रक टकरा गया। दूसरे ट्रक के चालक को नींद आने से हादसा हो गया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटवाने की व्यवस्था की जा रही है। धनपतगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मृतक के घर वालों को दुर्घटना की जानकारी दी गई है।

खाताधारकों के करोड़ों रुपये हड़पे जालसाजों ने खोल रखा था प्राइवेट बैंक

एजेंट मुख्य रूप से फल-सब्जी बेचने वाले, किराना दुकान चलाने वाले और आम लोग थे, जिन्हें आकर्षक ब्याज की झूठी जानकारी देकर रुपये जमा करा रहे थे

गोरखपुर , एजेंसी। एजेंट मुख्य रूप से फल-सब्जी बेचने वाले, किराना दुकान चलाने वाले और आम लोग थे, जिन्हें आकर्षक ब्याज की झूठी जानकारी देकर रुपये जमा करा रहे थे। यहीं नहीं सुनील और उसके एजेंट लोगों को प्रतिदिन, मासिक और फिक्स राशि जमा कराने का लालच देते थे। इसके अलावा सुनील ने अपने घर के आसपास के लोगों से भी पैसे जमा कराया था।

पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर इलाके के बिछिया हनुमान मंदिर के पास प्राइवेट बैंक खोलकर जालसाज सैकड़ों लोगों के करोड़ों रुपये लेकर भाग गया। 9 अगस्त से लगातार कार्यालय में ताला बंद देख खाताधारकों ने बुधवार को कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। पीड़ितों ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि जंगल तुलसीराम बिछिया हनुमान मंदिर निवासी सुनील चौहान ने अपने घर में ही आवर गोल्डन फ्यूचर निधि लिमिटेड के नाम से बैंक खोला था। सुनील इस बैंक का सीईओ था। इसके साथ ही कई एजेंटों की मदद से गांव और शहर में लोगों से रुपये जमा करता था।

एजेंट मुख्य रूप से फल-सब्जी बेचने वाले, किराना दुकान चलाने वाले और आम लोग थे, जिन्हें आकर्षक ब्याज की झूठी जानकारी देकर रुपये जमा करा रहे थे। यहीं नहीं सुनील और उसके एजेंट लोगों को प्रतिदिन, मासिक और फिक्स राशि जमा कराने का लालच देते थे। इसके अलावा सुनील ने अपने घर के आसपास के लोगों से भी पैसे जमा कराया था।

जब खाताधारक तय समय पर अपना रुपया निकालने बैंक पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि 9 अगस्त से बैंक लगातार बंद है। कई बार पता करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ और उनका धैर्य जवाब दे गया।

बुधवार दोपहर को सैकड़ों लोग बैंक ऑफिस के बाहर जमा हो गए और प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ के गुस्से को देखते हुए लोगों को समझाया और शांत कराया। कंचन यादव समेत कई पीड़ितों ने शाहपुर पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपा है। प्रभारी निरीक्षक शाहपुर नीरज कुमार राय ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिल चुके हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बुखार की दहशत...एक सप्ताह में दूसरी मौत, इसलिए बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

आगरा , एजेंसी। आगरा के पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र के गांव गंजनपुरा हार निवासी पिंकी पुत्री हरवीर सिंह की मौत बुखार से आगरा एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। परिजनों का कहना है कि पिंकी को चार दिन से बुखार था। उसे पिढोरा क्षेत्र के बरपूरा पर प्राइवेट डॉक्टर से उसका इलाज कराया। जांच कराने पर उसे टाइफाइड निकला। डॉक्टर की दवा से किशोरी को आराम न मिलने पर उसे आगरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बुधवार क रात ज्यादा हालत बिगड़ने से उसने दम तोड़ दिया।

पिछले एक हफ्ते में बुखार से मरने की यह दूसरी घटना है। एक सप्ताह पूर्व गांव काकड़ खेड़ा में बुखार आने से रोशनी नाम की किशोरी की झोलाछाप डॉक्टर के यहां इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

बता दें कि पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र में नदियों में बाढ़ और गंदगी से वायरल बुखार और खांसी एलर्जी जैसी बीमारियां ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से फैली हैं। इस बारे में स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर अतुल भारती से पूछा गया तो उनका कहना है स्वास्थ्य टीम भेज कर कैंप लगाया गया है। वायरल बुखार फैलने जैसा कोई मामला नहीं है। स्वास्थ्य कैंप में बुखार के कम मरीज पाए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने लगाए कैंप, दवा वितरण

चंबल नदी का जलस्तर बढ़ने पर ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में बीमारी फैलने की आशंका है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव-गांव स्वास्थ्य कैंप का आयोजन कर रही है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को प्रभारी डॉक्टर अतुल कुमार भारती के नेतृत्व में पिढोरा क्षेत्र के गांव गंजनपूरा हार में स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और दवाई वितरण की गई। डॉक्टर ने घर के आसपास सफाई रखने की अपील की है। इस दौरान डॉक्टर कौशलेंद्र, राना प्रताप, मीनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सड़कें बन गईं पार्किंग, जाम से बचने के लिए तलाशते रहे रास्ता

सुल्तानपुर , एजेंसी। शहरवासी बुधवार को दिनभर जाम की समस्या से परेशान रहे। डाकखाना चौराहे से लेकर बस स्टेशन, चौक, सब्जी मंडी, मेडिकल कॉलेज चौराहा, गोलाघाट, दीवानी चौराहा, तिकोनिया पार्क तक कई स्थान जाम पॉइंट में तब्दील हो गए। छोटे-बड़े वाहन घंटों तक फंसे रहे, जबकि दोपहिया चालक गलियों का सहारा लेते रहे।

दोपहर एक बजे बस स्टेशन से मेडिकल कॉलेज रोड तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। मुख्य मार्ग पर रोडवेज बसें खड़ी करके यात्रियों को बिठाने की वजह से सड़क का दायरा बेहद सिमट गया। यातायात कर्मी भीड़ हटाने में जुटे रहे, लेकिन आधे घंटे तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई।

काफी मशक्कत करने पर थोड़ी देर के लिए जाम खुलता, फिर कुछ देर बाद स्थिति जस की तस हो जाती। यह सिलसिला शाम तक चलता रहा। मेडिकल कॉलेज जाने वालों को मजबूरी में बढ़ैयावीर से जीआईसी फील्ड होकर निकलना पड़ा। इसी तरह डाकखाना चौराहे पर दोपहर करीब डेढ़ बजे अफरातफरी का माहौल हो गया। स्कूलों की छुट्टी का समय होने पर अचानक भीड़ बढ़ गई और पूरा आवागमन ठप हो गया। कई लोग जरूरी कार्यों के लिए निकलने के बावजूद जाम में ही फंसे रहे। पंचरास्ता, दरियापुर, गभड़िया, अमहट व पयागीपुर में भी जाम के हालात बने रहे।

माल बेचा ना खरीदा, कर ली 1300 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी, दो गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि मेरठ रोड स्थित जेके कॉम्पलेक्स में फर्जी फर्मों के बिल, फर्जी जीएसटी बिल व धर्म कांटों की फर्जी रसीदों से ई-वे बिल तैयार कर जीएसटी चोरी किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने कॉम्पलेक्स में छापा मारा।

आरोपी मेरठ के लिसाड़ी गेट निवासी मोहम्मद नदीम सैफी और थाना सिविल लाइन के सरवट निवासी मोहम्मद समीर को गिरफ्तार किया गया। दोनों से पूछताछ के बाद पता चला कि यहां पर कंपनियों के नाम से फर्जी ई-वे बिल तैयार कर जीएसटी के रूप में राजस्व चोरी करने का काम करते हैं।

पुलिस ने मौके से फर्जीवाड़ा करने वाले दस्तावेज, मोहरें, फर्जी बिल व उपकरण बरामद किए। फर्जी कागजातों से तैयार 120 बिलों की फाइलें बरामद की। जीएसटी विभाग टीम ने जांच कर 116 फाइल कब्जे में ली हैं। चार फाइल पुलिस ने अपने पास रखी हैं। एसएसपी ने बताया कि इस गिरोह ने

1300 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की है। अभी और भी गिरफ्तारी की जा सकती हैं। जीएसटी टीम ने जांच शुरू की है। एसआईबी के संयुक्त कमिश्नर सिद्धेश चंद्र दीक्षित ने कहा कि उन्होंने पहले भी अक्शा रिसाइकिलिंग एंड वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम वाली फर्म पर 101.28 लाख का जुर्माना लगाया था। अब एक बार फिर जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। उन्होंने जांच शुरू कराई है। अधिकारियों को भी बताया गया है।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि जानसठ रोड पर शादाब नाम का युवक अक्शा रिसाइकिलिंग एंड वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फर्म चलाता है। गिरफ्तार आरोपी शादाब के लिए काम करते थे। आरोपियों ने जानकारी दी है कि शादाब उन्हें ई-वे बिल भेजता था। उनका कुछ कम्पनियों से संपर्क है, इन कम्पनियों की मोहरें भी उनके पास हैं। वह कम्पनियों के माल की खरीददारी व परिवहन के फर्जी ई-वे बिल, बिल के अनुसार फर्जी धर्म कांटा पर्ची तैयार करते हैं, उनकी ट्रांसपोर्ट पर्ची भी फर्जी तैयार करते हैं। धर्म कांटा पर्ची और ट्रांसपोर्ट पर्ची पर उन गाड़ियों का नंबर डालते हैं, जिनकी लिस्ट उन्हें पहले से ही मिली होती है। जीएसटी चोरी के लिए टैक्स बिल, ई- वे बिल, बिल्टी, ट्रांसपोर्ट रशीद व धर्म कांटे की पर्ची के साथ एक बोगस फाइल तैयार करते हैं। इन फाइलों को फिर आगे भेज देते हैं। बोगस फाइल व बिल का इस्तेमाल कर शादाब सरकार से 18 प्रतिशत जीएसटी के रुपये वापस ले लेता है।

संभल में घटी 30 प्रतिशत हिंदू आबादी

कब-कब हुए दंगे; 450 पन्नों में दर्ज पूरा इतिहास, आयोग ने सीएम को सौंपी रिपोर्ट

लखनऊ। यूपी के संभल में हुई हिंसा की 450 पन्नों की रिपोर्ट न्यायिक आयोग ने सीएम योगी को सौंप दी है। इसमें सिर्फ 24 नवंबर, 2024 को हुई हिंसा के बारे में ही नहीं बताया गया, बल्कि संभल में कब-कब दंगे हुए, इसका भी जिक्र है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया कि बार-बार दंगों से संभल नगर निगम क्षेत्र में हिंदू आबादी कम होती गई। अब वहां सिर्फ 15 प्रतिशत हिंदू आबादी बची है। बाकी पलायन कर गई। आजादी के वक्त यानी 1947 में संभल में 45% हिंदू आबादी थी। 30% हिंदू जनसंख्या पिछले 78 सालों में घटी है। संभल में पिछले साल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इसमें 4 लोगों की जान गई थी। 29 नवंबर, 2024 को यूपी सरकार ने हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया था। इसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा, रिटायर्ड कअर अमित मोहन और रिटायर्ड कह्नर अरविंद कुमार जैन शामिल थे। न्यायिक आयोग ने गुरुवार को लखनऊ में सीएम योगी से मुलाकात कर गोपनीय जांच रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट को कैबिनेट में पास कराया जाएगा। वहां से विधानसभा पटल में रखी जाएगी। अरविंद कुमार जैन ने बताया- हमने एक-एक बिंदु को देखा है। जितने गवाह हैं, उनके भी बयान लिए हैं। जितना भी कर सकते थे, उसमें किया। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में हरिहर मंदिर के ऐतिहासिक अस्तित्व के साक्ष्य मिलने का जिक्र है। कहा गया कि संभल में अब तक 15 दंगे हो चुके हैं। 1978 के दंगे के बाद हिंदुओं की संख्या घटती चली गई। जबरन धर्मांतरण कराया गया। लोगों ने अपने बयान में बताया कि मुस्लिम लोग हिंदुओं को डराते-धमकाते थे, उनकी संपत्ति पर कब्जा करते थे। मौत या पिटाई के डर से हिंदुओं ने धर्म बदलना कबूल किया। संभल में अभी भी सैकड़ों की संख्या में हिंदुओं की संपत्तियां हैं, लेकिन उनके मालिक हिंदू वहां आते-जाते नहीं हैं। नतीजतन, कुछ पर लोगों ने कब्जा कर लिया है। आयोग ने करीब 200 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए गए। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो 1978 के दंगों के समय थे। इसके बाद से बदले हुए हालात को उन्होंने देखा है। लोगों ने आयोग को बताया- पहले संभल में शिव मंदिर हुआ करता था। वे लोग सोमवार और सावन के महीने में पूजा-अर्चना करते थे। वहां अब मस्जिद बन गई है। पहले जहां हिंदुओं का कुआं हुआ करता था, जहां से हिंदू अपने धार्मिक तीज-त्योहार पर कार्यक्रम करते थे, उस कुएं को बंद कर मुसलमानों ने चबूतरा बना दिया है। संजय कुमार गुप्ता ने कहा- संभल के हालात बहुत गंभीर हैं। आयोग ने हमारी सही स्थिति को बताया है। संभल में सेना की तैनाती की जानी चाहिए। प्रशासनिक अमला बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि हिंदुओं की सुरक्षा का एहसास हो सके। श्रीओम चंद्रा ने बताया- 1947 में देश की आजादी के समय संभल में 45 प्रतिशत हिंदुओं की आबादी थी। आज मात्र 15 प्रतिशत आबादी बची है। न्यायिक आयोग ने सही रिपोर्ट सौंपी है। आने वाले समय में अगर यही हालत रहे तो यहां हिंदू और कम हो जाएंगे। यहां से मुख्यालय 25 किमी दूर है, यहां फोर्स आने में समय लगता है। इसमें सुधार की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया कि साजिशकताओं को यह पता था कि वहां सर्वे होना है। प्रशासन ने संभल जामा मस्जिद के प्रबंधन को इसकी जानकारी दी थी। संभवतः वहीं से सर्वे की बात लीक हुई और भीड़ जुटी। रिपोर्ट के बाद संभल के सांसद बर्क की मुश्किल बढ़ सकती है। इसमें सामने आया है कि बर्क ने तुर्कों को भारत का असली मालिक और दूसरों को नौकर और गुलाम बताया था। संभल की जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष ने दावा किया था ये पहले हरिहर मंदिर था, जिसे बाबर ने 1529 में तुड़वाकर मस्जिद बनवा दिया। इसे लेकर 19 नवंबर, 2024 को संभल कोर्ट में याचिका दायर हुई। उसी दिन सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह ने मस्जिद के अंदर सर्वे करने का आदेश दिया। कोर्ट ने रमेश सिंह राघव को एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया। उसी दिन शाम 4 बजे सर्वे के लिए टीम मस्जिद पहुंच गई। 2 घंटे सर्वे किया। हालांकि, उस दिन सर्वे पूरा नहीं हुआ। इसके बाद 24 नवंबर को सर्वे की टीम जामा मस्जिद पहुंची। मस्जिद के अंदर सर्वे हो रहा था। इसी दौरान बड़ी संख्या में लोग जुट गए। भीड़ ने पुलिस टीम पर पत्थर फेंके। इसके बाद हिंसा भड़क गई। इसमें गोली लगने से 4 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद पुलिस ने 3 महिलाओं सहित 79 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल सहित 40 लोगों के खिलाफ नामजद और 2750 अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की थी। 18 जून को SIT ने 1128 पन्नों में सांसद बर्क सहित 23 लोगों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। हालांकि, सपा विधायक के बेटे सुहैल इकबाल का नाम चार्जशीट में शामिल नहीं है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, मानव जीवन के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण विषय है। जहां-जहां सुरक्षा के एहसास का अभाव होता है, वहां से व्यक्ति पलायन कर जाता है। संभल में जिस तरह से लगातार, बार-बार दंगे हुए, और हिंदुओं का कत्लेआम हुआ, उससे बड़ी संख्या में संभल से हिंदुओं को पलायन करना पड़ा। संभल हिंसा की जिस तरह से रिपोर्ट आई है, वह दशार्ती है कि संभल से बड़ी संख्या में हिंदुओं का पलायन हुआ है। हमने देश का इतिहास देखा है। दुनिया में जब-जब मजहब के नाम पर किसी जाति या धर्म को प्रताड़ित किया गया, वहां लोगों को प्रताड़ित होकर पलायन करना पड़ा है। यह देश के लिए बड़ा खतरा है। जानबूझकर डेमोग्राफी बदली जा रही है। यह आंतरिक सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

दो छात्रों ने किया कुराने पाक हिफज

संवाददाता

कुशीनगर। जामिया निजामिया फैजुल उलूम रामपुर महुआबारी देवरिया का छात्र मोहम्मद फैजान रजा ने 13 साल कि उम्र में 2 वर्ष में कुरआन पाक याद किया ' उसी जामिया के दोसरे छात्र हाफिज फिरोज ने 14 वर्ष में कुरआन याद किया। इस खुशी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । दारुल उलूम के टिचर हजरत हाफिज व कारी गुलाम मुतुर्जा श्मशी ने कुर आन पाक कि तिलावत से महफिल को शुरू किया। दारुल उलूम के छात्रों ने नात शरीफ पढ़ा । फिर दारुल उलूम के खतिबुल हिंद हजरत मौलाना शहिद अलीमी ने हाफिजे कुरआन कि फजीलत पर प्रकाश डालते हुए कारी गुलाम मुर्तजा श्मशी को मोबारक बाद दिए और साथ में सभी प्रबंधक मौलाना गुलाम मोहम्मद यासीन कादरी, हजरत मौलाना जकाउल्लाह, हजरत हाफिज व कारी गुलाम मुतुर्जा शम्सी, मास्टर मुख्तार अहमद, मौलाना शब्बीर हसन, मास्टर नुरुलहोदा, सैय्यद हाफि ज शौकत साहब , और बाहर से आने वाले ओलमाए कराम मौलाना सैफ अजहरी मौलाना अब्दुल कय्यूम मौलाना अमीरुद्दीन मरकजी मौलाना इस्लाम नूरी मौलाना आफताब अलीमी हाफिज सद्दाम हुसैन ओवैसी हाफिज बैतुल्लाह हाफिज असलम हाफिज अफजल हाफिज इम्तियाज हाफिज जावेद अख्तर हाफिज इसरारुल हक- हाफिज जलालुद्दीन करी शमसुद्दीन वगैरह दारुल उलूम के छात्र छात्राएं ग्रामवासी के लोग उपस्थित रहे।

गोरखपुर के अस्पताल में लगी आग, अफरा तफरी

गोरखपुर। गुरुवार दोपहर के समय शॉट सर्किट से आग लग गई। हॉस्पिटल में मरीज भर्ती थे। आग लगने से वहां अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस वजह से कोई जनहानि नहीं हुई। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के रुस्तमपुर हाईवे पर संजय फ्रैक्चर क्लिनिक है। इसके संचालक डॉ. संजय विश्वकर्मा हैं। हॉस्पिटल में आर्थो के मरीज भर्ती किए जाते हैं। जबकि अंदर की तरफ डॉक्टर पूरे परिवार के साथ रहते हैं। हॉस्पिटल में गुरुवार दोपहर करीब 1:50 बजे अचानक आग लग गई। इसके बाद हॉस्पिटल के बाहर लॉन में लगी एसीपी (एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल) की सीट धू-धूकर जलने लगी। आग देखकर लोग घबरा गए। अपने-अपने मरीजों के पास परिजन पहुंच गए। उन्हें दूसरी जगह ले जाने का प्रबंध करने लगे। तभी हॉस्पिटल से फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट को कॉल किया गया। 10 मिनट में टीम आकर रेस्क्यू शुरू कर दी। दमकल की 2 गाड़ियों के साथ पहुंची टीम ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया। फायर स्टेशन ऑफिसर शांतनू यादव ने बताया-आग अंदर तक फैल जाती तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। समय से रेस्क्यू शुरू करने की वजह से बाहर ही आग पर काबू पा लिया गया।

यौन उत्पीड़न कानून 2013: आंतरिक समिति की बैठक टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड कंपनी में हुई सम्पन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक गाजियाबाद की टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में बैठक संपन्न हुई। कंपनी पहले टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी। बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी और कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया कि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके और उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक व प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक व प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो व स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है। अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है और मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

कवच से हों रही पुलिसकर्मियों की सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग

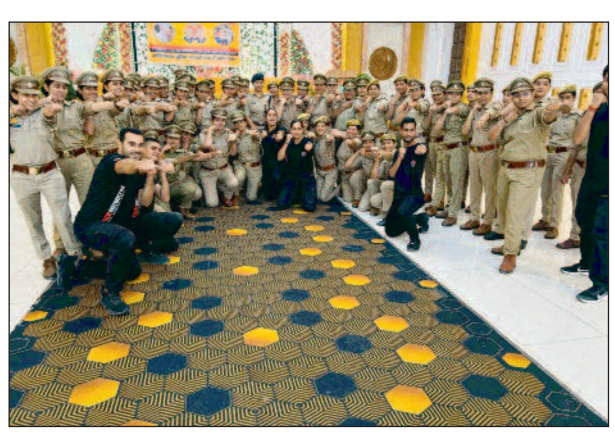

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ क्राइम के ग्राफ कम करने के लिए पुलिसकर्मियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दिलवा रहे है। दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ एडिशनल कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी ने किया। कार्यशाला में कवच संस्थान ने महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा को लेकर पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी। खास बात यह है कि कवच संस्था लंबे समय से आत्मरक्षा की तकनीकें सिखाने का कार्य कर रही है और संस्था के प्रशिक्षक अब तक कई आर्मी कमांडो व फौजियों को ट्रेनिंग दे चुके है। इसी कड़ी में दो दिवसीय कार्यशाला में महिला पुलिस कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें प्रशिक्षकों ने पुलिसकर्मियों को विभिन्न प्रकार की आत्मरक्षा तकनीकों से अवगत कराया। कार्यशाला में ऐसे सरल उपाय शामिल थे, जिनके माध्यम से महिलाएं विपरीत परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकती है और जरूरत पड़ने पर दूसरों की रक्षा भी कर सकती है। एडिशनल कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण न केवल महिला पुलिस बल की क्षमता को बढ़ाते है बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करते है। जीवन में आत्मरक्षा की कला सीखना बेहद जरूरी है, जिससे हर चुनौती डटकर सामना किया जा सकें। उन्होंने बताया कि कवच संस्था द्वारा सिखाई गई तकनीकें व्यावहारिक जीवन में बेहद कारगर साबित होंगी। महिला पुलिस बल को समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुजरना चाहिए ताकि वे लगातार अपनी स्किल्स को अपडेट कर सकें और किसी भी स्थिति में तुरंत कार्यवाही करने में सक्षम रहें।

मनोविज्ञान के स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्धा पी.जी. कॉलेज, कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "संदर्शन 2025" कार्यक्रम में स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्रों और प्राध्यापकों द्वारा प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविताएँ एवं मनोविज्ञान विषय से जुड़े प्रेरक संवाद प्रस्तुत किए।मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र, प्राचार्य ने नए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मनोविज्ञान न केवल एक शैक्षणिक विषय है बल्कि यह जीवन को समझने और समाज में सकारात्मक योगदान देने का मार्ग भी है।

यह आयोजन नवप्रवेशियों के लिए विषय एवं पाठ्यक्रम के प्रति उन्मुखता प्रदान करेगा। प्राचार्य उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पड़रौना प्रो ममता मणि त्रिपाठी ने बताया कि इस महाविद्यालय में मनोविज्ञान के शिक्षक और विद्यार्थी पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के लिए जाने जाते हैं। सचिव प्रबंध समिति वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने भी संबोधित कर विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारी का स्मरण भी कराया। अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग प्रो राम भूषण मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार ज्ञापित किया। इस दौरान प्रो अमृतांशु शुक्ल, प्रो सीमा त्रिपाठी, डॉ सत्य प्रकाश, डॉ रीना मालवीय, डॉ वीरेंद्र साहू एवं डॉ विशेषता मिश्र ने भी अपने विचार रखे। विद्यार्थियों अमरेंद्र, अमृता, सुमन, जतिन, शमशुद्दीन, अंजलि, प्रांजल, रानी, पंकज, रितिका, लाडली आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

घटना से चार दिन पूर्व ही दी गई थी निक्की को फूल बखैरने की धमकी

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में मृतका निक्की पर ससुराल वालों की प्रताड़ना का सिलसिला लगातार बढ़ता चला गया। मारपीट और क्रूरता की पराकाष्ठा तक पहुंच चुकी थी। घटना से महज चार दिन पहले ही निक्की के पिता भिखारी सिंह और परिजनों ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया था, लेकिन उस दौरान निक्की की सास ने खुली धमकी देते हुए कहा था कि फूल बखेर दूंगी। इतना ही नहीं, उन्होंने भिखारी सिंह के हाथ से दी जा रही मान-भेंट को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया। रिश्ते बने रहें, इस सोच से मजबूर होकर भिखारी सिंह ने जबरन भेंट दे दी। निक्की के पिता भिखारी सिंह का कहना है कि पिछले एक साल से वह दामाद विपिन भाटी और उसके परिजनों को समझाने-बुझाने की कोशिश कर रहे थे। समाज, रिश्तेदार और नाते-रिश्तेदार भी अक्सर सुलह कराने का प्रयास करते रहे। भिखारी सिंह ने सोचा कि समाज की राय मानने वाला कभी नुकसान में नहीं रहता, इसीलिए हर बार सब्र का घूंट पीकर वह अपने गांव लौट आते। लेकिन 17 अगस्त को हालात बद से बदतर हो गए। निक्की ने पिता को फोन कर मारपीट की जानकारी दी। सूचना पर जब भिखारी सिंह सिरसा गांव पहुंचे और विपिन भाटी के माता-पिता से कहा कि घर को जोड़ना सीखिए, तोड़ना नहीं, तो निक्की की सास ने दो टूक शब्दों में फूल बखेरने की धमकी दे दी। यह सुनकर भी भिखारी सिंह ने धैर्य रखा और अपनी जेब से भेंट निकालकर सास को देने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने लेने से साफ इनकार कर दिया। अंततः जबरन भेंट थमाकर भिखारी सिंह ने बेटी को समझाया और कहा कि बेटी, यह तेरा घर है, धैर्य रखो और समझदारी से समय निकालो। इसके बाद वह रूपवास गांव लौट आए। भिखारी सिंह ने गमगीन स्वर में कहा कि वह उस समय इस धमकी का असली मतलब नहीं समझ पाए। अगर अंदेशा होता कि यह चेतावनी उनकी बेटी की जिंदगी पर भारी पड़ जाएगी, तो वह निक्की को उसी दिन अपने साथ ले आते। आंखों में आंसू लिए भिखारी सिंह ने कहा कि काश हम उस दिन बेटी को घर ले आते तो उसकी जान बच सकती थी।

लोकल पैसेंजर ट्रेन में पकड़ में आए दो अवैध वेंडर, आरपीएफ की कार्रवाई से हड़कंप

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) यात्रियों की भीड़भाड़ वाली लोकल पैसेंजर ट्रेन में खाद्य सामग्री का अनाधिकृत कारोबार करने वाले दो वेंडरों को आरपीएफ ने रंगे हाथों दबोच लिया। घटना हावड़ा-दिल्ली रेलमार्ग पर दनकौर रेलवे स्टेशन के समीप घटी, जहां जांच के दौरान दोनों युवक बिना किसी अनुमति के सामान बेचते हुए पकड़े गए। कार्रवाई के बाद उन्हें कोतवाली दादरी लाया गया और रेलवे अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। आरपीएफ अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि खुर्जा से दिल्ली की ओर जा रही लोकल पैसेंजर ट्रेन में अलीगढ़ जिले के कटरा गांव निवासी शमशाद तथा सोमनाथ गांव निवासी जीतपाल यात्रियों को खाद्य सामग्री बेच रहे थे। जब उनसे अधिकृत लाइसेंस व पहचान पत्र मांगा गया तो वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसी आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने साफ कहा कि रेलवे की अनुमति के बिना ट्रेन में सामान बेचना पूरी तरह अवैध है और यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकता है। यही कारण है कि इस तरह की गतिविधियों पर आरपीएफ लगातार निगरानी रख रही है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में संचालित अन्य अनधिकृत वेंडरों में खलबली मच गई है। यात्रियों ने भी आरपीएफ की इस सख्ती का स्वागत करते हुए कहा कि ट्रेन सफर के दौरान बिना गुणवत्ता जांच वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगनी जरूरी है, ताकि किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

दादरी में रेल हादसा : एक्सप्रेस ट्रेन से गिरे यात्री, अस्पताल में भर्ती

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) दिल्ली हावड़ा रेल लाइन पर दादरी और मारीपत रेलवे स्टेशन के बीच उस समय हड़कंप मच गया जब एक यात्री अचानक चलती ट्रेन से नीचे जा गिरा। जानकारी के अनुसार एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12368 दिल्ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान बिहार राज्य के बेगूसराय जनपद स्थित महदौली गांव निवासी बाबूलाल यात्रा कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाबूलाल ट्रेन के दरवाजे पर बैठे हुए थे, तभी अचानक तेज झटका लगने से संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे आ गिरे। गिरने के कारण बाबूलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद यात्रियों ने तत्काल इसकी सूचना रेलवे स्टेशन अधीक्षक को दी। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी हरकत में आए और आरपीएफ को अवगत कराया गया। तत्पश्चात सरकारी एंबुलेंस मौके पर बुलाकर घायल यात्री को तुरंत दादरी के सरकारी अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने बताया कि बाबूलाल के सिर पर चोट आई है, हालांकि फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। रेलवे प्रशासन ने परिजनों को हादसे की जानकारी उपलब्ध करा दी है। वहीं आरपीएफ पूरे मामले की जांच कर रही है। यह घटना एक बार फिर से साफ कर गई कि ट्रेन में दरवाजे या गेट पर बैठकर यात्रा करना जानलेवा साबित हो सकता है। यात्रियों को सतर्कता और सुरक्षा नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

नेताजी एक्सप्रेस में अचानक चेन खिंचने से हड़कंप, आरपीएफ ने यात्री को दबोचा

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर शनिवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब दनकौर और अजायबपुर रेलवे स्टेशन के बीच तेज रफ्तार से दौड़ रही नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन अचानक झटके के साथ थम गई। जांच करने पर मामला चेन पुलिंग का निकला। गड़बड़ी करने वाले यात्री को मौके पर ही आरपीएफ जवानों ने पकड़ लिया और थाने ले जाकर कड़ी पूछताछ की। मिली जानकारी के मुताबिक नेताजी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12311) दिल्ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान ट्रेन में यात्रा कर रहे बिहार राज्य के भागलपुर जिले के बनियाडी गांव निवासी गुलाम सरवर ने अचानक चेन खींच दी। पूछताछ में उसने दलील दी कि वह दरवाजे पर खड़ा था और चलते समय उसका बैग नीचे गिर गया। बैग को उठाने के लिए उसने आपातकालीन चेन खींच दी। आरपीएफ अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन की चेन पुलिंग करना एक गंभीर अपराध है, क्योंकि इससे न केवल रेल संचालन प्रभावित होता है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी संकट खड़ा हो सकता है। आरोपी यात्री के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना से ट्रेन कुछ देर के लिए बाधित रही, हालांकि बाद में इसे पुनः सुरक्षित रूप से गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। रेलवे प्रशासन ने दोहराया कि किसी भी परिस्थिति में चेन खींचना केवल आपातकालीन हालात में ही किया जा सकता है। अनावश्यक रूप से ऐसा करने वालों को जेल और जुमार्ना दोनों भुगतना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री के नाम किसानों ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) किसानों की समस्याओं को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की पंचायत जिला अधिकारी कार्यालय में डीएम की अनुपस्थिति में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।इस मौके पर ठाकुर ओमवीर सिंह (राष्ट्रीय प्रवक्ता), चौधरी बीसी प्रधान जी (राष्ट्रीय महासचिव), ठाकुर हरद्वारी सिंह, प्रमोद शर्मा जी, सुनील भाटी, विजयपाल प्रधान जी, ठाकुर अमित गौड़, महेश तंवर, आनंद भाटी, अरविंद भाटी, जीता ठाकुर, प्रदीप भाटी, नरेश भाटी, संतवीर सिंह, लोकेश भाटी, नरेंद्र भाटी, अंगद राजपूत, विजयपाल भाटी, कविन्द्र तंवर, हरेन्द्र बैसोया ,हरि अवाना, मनोज शर्मा आदि सैकड़ो पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

ऑनलाइन मनी-गेम्स पर प्रतिबंध और कानूनी चुनौती : डिजिटल भारत के लिए कसौटी का क्षण

भारत में डिजिटल क्रांति ने पिछले एक दशक में जिस तेजी से लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, उसका सबसे बड़ा उदाहरण ऑनलाइन मनोरंजन और गेमिंग क्षेत्र है। लाखों युवाओं के लिए यह क्षेत्र न केवल मनोरंजन का माध्यम बना बल्कि रोजगार और निवेश का बड़ा जरिया भी साबित हुआ। लेकिन 28 अगस्त 2025 का दिन इस उद्योग के लिए ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया, जब केंद्र सरकार ने अचानक ऑनलाइन मनी-गेम्स जैसे पोकर और रम्मी पर सख्त प्रतिबंध लागू कर दिया। सरकार का तर्क था कि यह खेल समाज में व्यसन, आर्थिक शोषण और अपराध को जन्म दे रहे हैं और इन्हें नियंत्रित करना जरूरी है। किंतु इस फैसले ने न केवल उद्योग जगत को हिला दिया बल्कि संवैधानिक अधिकारों और डिजिटल आजादी पर भी गंभीर बहस छेड़ दी। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे अहम कड़ी रही A23 कंपनी का कर्नाटक हाई कोर्ट में दायर किया गया मुकदमा, जो इस कानून को पहली बार कानूनी चुनौती देने वाला मामला बन गया है। A23 का कहना है कि सरकार ने बिना स्पष्ट आधार के कौशल आधारित खेलों को भी जुए की श्रेणी में डाल दिया और इसे पूरी तरह से बैन कर दिया। उनका तर्क है कि रम्मी और पोकर जैसे खेल कौशल पर आधारित हैं, जिनमें गणना, रणनीति और विश्लेषण की भूमिका होती है। यदि किसी चीज को जुए की परिभाषा में रखना ही है, तो उसके लिए सटीक वैज्ञानिक और कानूनी कसौटी होनी चाहिए, न कि सामान्यीकृत निर्णय। कंपनी का दावा है कि यह प्रतिबंध संविधान द्वारा प्रदत्त व्यापार की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत चयन के अधिकार के खिलाफ है। 70 मिलियन से अधिक उपयोगकताओं वाली इस कंपनी के सामने अब अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। यह प्रतिबंध केवल एक कंपनी की समस्या नहीं है बल्कि पूरे उद्योग के लिए संकट का संदेश है। Dream11 जैसी कंपनियों ने पहले ही स्वीकार किया है कि इस कदम से उनकी कुल आय में 95 प्रतिशत की गिरावट आई है। हजारों युवाओं की नौकरियां खतरे में हैं, निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है और भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम पर गहरा असर पड़ रहा है। यह वही क्षेत्र है जिसे पिछले वर्षों में भारत ने नवाचार की प्रयोगशाला के रूप में प्रचारित किया था और जिसमें विदेशी निवेशक बड़ी उम्मीदों के साथ प्रवेश कर रहे थे। अब अचानक बने इस माहौल से यह धारणा बनने लगी है कि भारत में नीतिगत स्थिरता का अभाव है और किसी भी समय सरकार मनमाने ढंग से फैसले ले सकती है।

सरकार के तर्क को नकारा नहीं जा सकता कि ऑनलाइन मनी-गेम्स की लत से सामाजिक और पारिवारिक संकट पैदा हुए हैं। कई मामले सामने आए हैं जिनमें युवाओं ने कर्ज लेकर या पारिवारिक संपत्ति बेचकर खेलों में पैसा गंवाया और अंततः आत्महत्या या अपराध तक की घटनाएं हुईं। यह चिंता सही है कि समाज को इस तरह के व्यसनों से बचाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एकदम पूर्ण प्रतिबंध ही समाधान है? क्या नियमन और पारदर्शिता के जरिए उद्योग को स्वस्थ ढंग से नहीं चलाया जा सकता था?

~ मौलिक चिंतन ~

दूसरों से दुश्मनी दु:ख देती है, परन्तु अपने दोषों से दुश्मनी हमेशा सुखदायी होती है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

राष्ट्रीय खेल दिवसः ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद

राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को ह्यराष्ट्रीय खेल दिवसह्ल घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

उर्दूः समान तासीर है हिन्दी-उर्दू की

विवेक शुक्ला

इधर देखने में आ रहा है कि अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं। बीते दिनों पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में रोशन भविष्य है। यह एक भाषा होने के साथ-साथ, तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है, और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें।

यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है। अगर बात हिन्दी और उर्दू के संबंधों की करें तो हिन्दी और उर्दू, दोनों ही हिन्दुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। दोनों व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे की पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिन्दी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग। हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखा। हिन्दी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। विभाजन और पाकिस्तान बनने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जो गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग शामिल हैं। क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि मोदी सरकार ने उर्दू से जुड़ी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास और सब का प्रयास' से जोड़ा है जिसका जीता जगता उदाहरण नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम-उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत 2047-था।

देखिए, उर्दू भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनमोल रत्न है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी है और इसके लोगों के दिलों में बसी है। यह भाषा न केवल शब्दों का समूह है, बल्कि ऐसी सांस्कृतिक धारा भी है जो विभिन्न समुदायों को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में बांधती है। उर्दू की मधुरता, शायरी, गजलें और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है। उर्दू का जन्म भारत की मिट्टी में हुआ, और यह संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिन्दवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। समय के साथ, उर्दू ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और आज भारत की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दशार्ता है।

उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। उर्दू ने हमेशा से सभी को गले लगाया है, और इसे हिन्दुस्तान के हर कोने में प्रेम मिला है। चाहे उत्तर प्रदेश की गलियों में गूंजती गजलें हों, हैदराबाद की दक्कनी उर्दू हो, या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के साहित्यिक समारोह हों, उर्दू हर जगह अपनी छाप छोड़ती है। इसकी शायरी और साहित्य में वह जादू है, जो सुनने वाले को भावनाओं के सागर में डुबो देता है। मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है। उर्दू को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई संस्थान और संगठन

काम कर रहे हैं। उर्दू अकादमियां, साहित्यिक समारोह और स्कूलों में उर्दू की पढ़ाई इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखने में योगदान दे रही हैं। ईमानदारी की बात तो यह है कि जहां-जहां कोई उर्दू बोलता है, वहां-वहां हिन्दुस्तान बोलता है। राजा राम मोहन रॉय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मुरली मनोहर जोशी आदि सभी मदरसों के छात्र रहे हैं। उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए 'चमन', 'गुलजार', ह्यगुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है। हां, अब उर्दू के दोस्तों और दुश्मनों की पहचान करना लाजिमी है।

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगलः क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

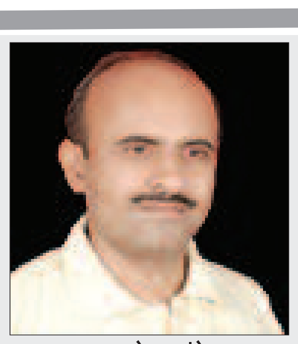

कमलेश पांडे

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और

चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है।

समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में ह्यएक-चीनह्ल नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने ह्यआश्चर्यह्ल व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं।

मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरूआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा। यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ह्यह्यहम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं।ह्लह्ल वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को ह्यतथ्यों के साथ असंगतह्ल पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमजोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ.एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत ह्यएक-चीनह्ल के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, भारत ने ह्यएक-चीनह्ल नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से किसी भी द्विपक्षीय दस्तावेज में इस नीति को शामिल नहीं किया गया है। जबकि चीन ने अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आग्रह किया है। यद्यपि भारत और ताईवान के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, फिर भी उनके द्विपक्षीय व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं।
~~~~~~~~~

जानकारी

बार-बार डकार आ रही है तो हो सकती ये गंभीर बीमारी

डकार लेना एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है की हमने जो भोजन किया वह हजम हो जाने का डाकार एक संकेत होता है, लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है, दरअसल जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार लेने का मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। जब हम हवा निगल लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि, लेकिन अगर डकार ज्यादा आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा। ऐरोफेजिया होने पर अक्सर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

पुरानी कब्ज या बदहजमी की समस्या

कई अध्ययन इस बात को बता चुके हैं कि जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाजमा खराब होना, जिसे हम बदहजमी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कारण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित एवं बड़ा बदलाव या तनाव बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज

कई बार गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज (जीइआरडी) या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी में आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूड पाइप) में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खान-पान और जीवनशैली में कई सकारात्मक एवं स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम या पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ एवं दस्त आदि हो सकते हैं। इसके साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी होता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

मानसून में स्वस्थ रहने के टिप्स

बिना बीमार पड़े कैसे लें बारिश का मजा?

बारिश नहीं लाएगी बीमारी

बारिश में भीगना अच्छा लगता है, मगर कई बार बारिश का पानी आपको बीमार भी बना देता है। आमतौर पर बरसात के मौसम में बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। पानी में भीगने पर अगर आप छोटी-छोटी गलतियां करें, तो बुखार, जुकाम और शरीर दर्द जैसी सामान्य समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इस बारिश में अगर आप खुलकर बारिश का मजा लेना चाहते हैं, तो ये 8 मानसून हेल्थ टिप्स ध्यान में रखें।

पहली बरसात से बचें

हम अकसर पहली बारिश का लुत्फ उठाना चाहते हैं, लेकिन चिकित्सकों की मानें तो पहली बरसात स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं होती। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होने का खतरा बढ़ सकता है, बल्कि त्वचा संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं। रैशेज, मुंहासे जैसी समस्याओं का अक्सर पहली बरसात में भीगने से सामना करना पड़ता है। इसके पीछे एक वजह यह है कि बरसता की पहली फुहार प्रदूषित होती है, जिसका सीधा सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है।

ज्यादा देर तक भीगे कपड़े न पहनें

अब चूंकि आप बरसात में भीगने का आनंद उठा ही चुके हैं तो सावधानी के तौर पर जितना जल्दी हो सके भीगे कपड़े निकाल दें। कहने का मतलब यह है कि ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें। हम जितना अधिक भीगने से बीमार पड़ते हैं, उससे कही ज्यादा भीगे कपड़े में रहने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। अतः ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें।

पैरों को अच्छी तरह धोएं

बरसात में सबसे ज्यादा हमारे पैरों की अंगुलियां प्रभावित होती हैं। यह बड़ी अटपटी बात है कि हम अक्सर नहाते हुए पूरे शरीर को साफ करते हैं; लेकिन पैरों की अनदेखी कर देते हैं। यह सही नहीं है। बेहतर यही है कि पैरों को अच्छी तरह धोएं। दरअसल बरसात में भीगने के कारण पैरों की अंगुलियां ठिठुर जाती हैं। यहां तक कि भीगने की वजह से सफेद तक पड़ जाती है। अगर सही से इनकी सफाई न की गई और सूखे कपड़े से इन्हें न पोछा गया तो इसमें फंगस जैसी बीमारी लगने की आशंका बढ़ सकती है।

भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाएं

निःसंदेह भीगते हुए मजा बहुत ज्यादा आता है, लेकिन भीगने के तुरंत बाद ठंड भी लगती है। इसलिए भीगने के बाद ठंडे पानी से नहाना समझदारी नहीं है। इससे आपके शरीर में ठंड बैठ सकती है, जिससे कि आपको बुखार, जुकाम, सिरदर्द, बदनदर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अतः बरसात की फुहार में भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाने का मजा उठाएं।

एंटीसेप्टिक साबुन का इस्तेमाल करें

शायद आपको ज्ञात हो कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। किटाणुओं से बचने के लिए यह जरूरी है कि आप एंटीसेप्टिक साबुन का उपयोग करें। अगर आप घर में एंटीसेप्टिक साबुन नहीं रखते तो नहाने के पानी में डेटोल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इससे आप किटाणुओं के संपर्क में आने से बच सकते हैं।

ड्रायर का उपयोग करें

यह बात खासकर महिलाओं पर लागू होती है। दरअसल उनके बाल लंबे होते हैं। बरसात में भीगने के बाद शरीर ठंड के कारण कंपकपाहट से भर जाता है। इसके बाद यदि जल्द से जल्द बाल न सुखाए गए तो शरीर में ठंड बैठ सकती है। छाती में दर्द या सिरदर्द भी हो सकता है। इसलिए बालों को जल्द से जल्द सुखाने का प्रबंध करें।

मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें

त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए मोएस्चराइजर का इस्तेमाल लाभकारी सिद्ध होता है। जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। नहाने के बाद यदि मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न किया जाए तो हो सकता है कि त्वचा रूखी हो जाए। इसके अलावा कुछ त्वचा संबंधी बीमारियां भी दस्तक दे सकती हैं। इनसे बचने के लिए मोएस्चराइजर बेहतर विकल्प है।

मसाला चाय का सेवन करें

बरसात में भीगने के बाद चाय की ललक भला किसे नहीं लगती? सबको लगती है, लेकिन साधारण चाय बरसात के दिनों में फायदा नहीं पहुंचाती। भीगने के तुरंत बाद आपको चाहिए कि मसाला चाय पिएं। इससे सर्दी, जुकाम आने से पहले ही रफूचक्कर हो जाते हैं।

सुझाव

ज्यादा देर तक धूप में रहने से हो सकता है पिगमेंटेशन डिसऑर्डर

मैलेनिन एक पिगमेंट है जिसे त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न किया जाता है और जो किसी व्यक्ति की नेचुरल त्वचा टोन के लिए जिम्मेदार होता है। जब किसी बीमारी या चोट आदि के कारण त्वचा सेल्स डैमेज या अस्वस्थ हो जाती हैं तो मैलेनिन का उत्पादन प्रभावित होता है। पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स में या मैलेनिन के अति उत्पादन (हाइपर पिगमेंटेशन) से त्वचा का रंग नार्मल त्वचा टोन से ज्यादा गाढ़ा हो जाता है या मैलेनिन का उत्पादन कम हो जाने (हाइपो पिगमेंटेशन) के कारण त्वचा का रंग हल्का पड़ जाता है। जहां कुछ पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स त्वचा की सतह पर पैचेज के रूप में नजर आते हैं वहीं दूसरे पूरे शरीर पर असर दिखा सकते हैं।

पिगमेंटेशन के लक्षण

त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स के विभिन्न प्रकारों के कारण लक्षण भिन्न हो सकते हैं। रंजकहीनता (अल्बिनिज्म) को किसी व्यक्ति की आंखों, त्वचा और बालों के रंग की जांच करके पता किया जा सकता है। अल्बिनिज्म मैलेनिन की नमौजूदगी से होता है और यह जेनेटिक समस्या है इसलिए त्वचा और बालों का एक समान हल्का रंग पूरे शरीर पर दिखता है। जब त्वचा के रंग में बदलाव पैचेज के रूप में हो तो वह महत्वपूर्ण लक्षण हो सकता है।

पिगमेंटेशन के कारण

- धूप में ज्यादा देर तक रहने से यानी सन एक्सपोजर के कारण।
- औषधि प्रतिक्रिया होने की वजह से भी पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है।
- यह एक जेनेटिक बीमारी है, जो पारिवारिक भी हो सकती है।
- यह व्यक्ति की प्रतिरोधी क्षमता के कारण भी हो सकती है।
- शरीर में जब हार्मोनल बदलाव होते हैं, तब यह समस्या हो सकती है।
- यदि कहीं चोट लगती है तो उसके कारण भी यह हो सकता है।

जोखिम के कारण

त्वचा पिगमेंटेशन की आनुवंशिक प्रवृत्ति (जेनेटिक टेंडेंसी) या ऐसा पारिवारिक इतिहास भी इसका जोखिम बढ़ाता है। अब तक इस मामले में ज्ञात प्रमुख जोखिम कारणों में जेनेटिक यानी आनवांशिक प्रवृत्ति को प्रमुख माना गया है। यदि आपके परिवार में पहले से किसी को यह समस्या है तो यह आपको भी हो सकती है।

इसका उपचार

- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स का निदान करने के लिए किसी व्यक्ति के विजुअल एग्जामिनेशन के अलावा कई बार वुड्स लैंप या ब्लैक लाइट टेस्ट (डर्मेटोलॉजिकल डायग्नोस्टिक टूल) का उपयोग किया जा सकता है ताकि पिगमेंटेशन से कुछ विशेष त्वचा कंडीशन्स का डायग्नोज किया जा सके।
- त्वचा कैंसर की जांच के लिए बायोप्सी की जाती है, जिसमें प्रभावित त्वचा के एक छोटे टुकड़े का अध्ययन माइक्रोस्कोप से किया जाता है।
- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स से प्रभावित सभी लोगों को यह सलाह है कि वे धूप में ओवर एक्सपोजर से खुद को बचाने के लिए अच्छी तरह ढंकने वाले कपड़े पहनें, सनस्क्रीन का उपयोग करें और धूप तीखी होने के दौरान बाहर जाने से बचें।
- त्वचा लाइटनिंग या त्वचा ब्लीचिंग एजेंट्स त्वचा का रंग हल्का करने में मदद कर सकते हैं (हाइपर पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स) हाइड्रोक्विनोन या ट्रेटिनायन युक्त लगाने की क्रीमें और लगाने की स्टेरॉयड क्रीमें कुछ प्रकार के हाइपर पिगमेंटेशन का असर घटाने में सहायक हो सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 3634

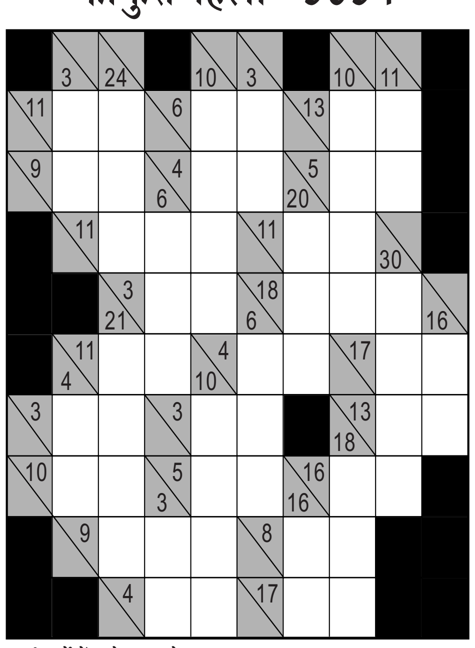

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

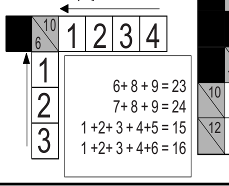

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3633 का हल

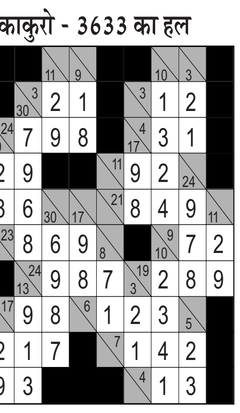

लॉफिंग जोन

प्रेमिका (प्रेमी से)- नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश- तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

□ □ □

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई- 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3634

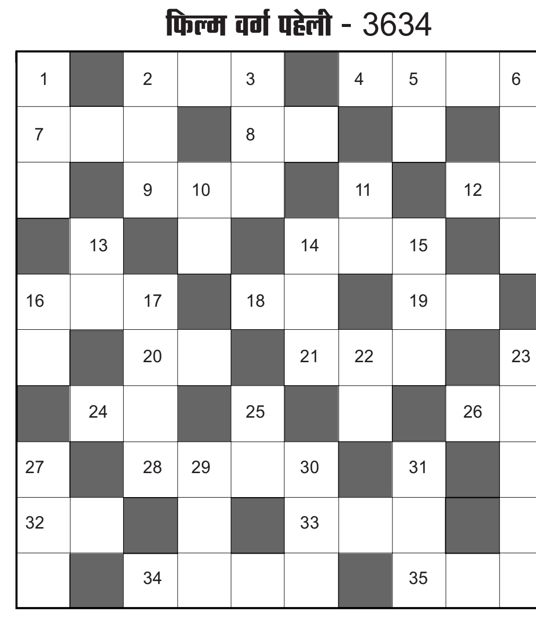

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथनु, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3633

सूडोकु -3634

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3633 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3634

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -3633 का हल

जीएसटी में सुधार.....अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करेगा

रेटिंग एजेंसी की सहायक कंपनी का अनुमान

मुंबई । रेटिंग एजेंसी फिच सॉल्यूशंस की सहायक कंपनी बीएमआई ने कहा कि आगामी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार, जिनका उद्देश्य दरों में कटौती और निजी खपत को बढ़ावा देना है, अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करेगा। साथ ही, कंपनी ने कहा कि भारत इस दशक में एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। बीएमआई के अनुसार, भारत की जीडीपी 6 प्रतिशत से ऊपर बने रहने का अनुमान है, भले ही अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ कुछ उद्योगों को प्रभावित कर रहे हों। बीएमआई ने कहा, हमारा अनुमान है कि दशक के अंत तक भारतीय आर्थिक वृद्धि दर धीरे-धीरे धीमी होकर 6.0 प्रतिशत से थोड़ी अधिक होगी, जो 2010-2019 के महामारी-पूर्व औसत 6.5 प्रतिशत से थोड़ा कम है, फिर भी भारत एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहेगा। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि आने वाले दशक में उत्पादकता में करीब 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिससे जीडीपी वृद्धि को पर्याप्त गति मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार हमने अपने पहले अनुमान में बताया था कि रेसिप्रोकल टैरिफ में 25 प्रतिशत की वृद्धि वित्त वर्ष 2025/26 (अप्रैल-मार्च) और वित्त वर्ष 2026/27 में रियल जीडीपी वृद्धि को 0.2 प्रतिशत और धीमा कर देगी। इसलिए, हमने अपने पूर्वानुमानों को तदनुसार संशोधित किया है और अब उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025/26 में अर्थव्यवस्था 5.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026/27 में 5.4 प्रतिशत बढ़ेगी। मोदी सरकार के द्वारा किए जा रहे जीएसटी सुधारों पर बीएमआई ने कहा, जीएसटी सुधार टैरिफ से विकास पर पड़ने वाले दबाव को कम कर सकता है। क्योंकि डिटेल्स की अभी पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए हम जीएसटी सुधार को फिलहाल हमारे विकास पूर्वानुमान के लिए एक मामूली वृद्धि जोखिम के रूप में देखते हैं। दो-स्लैब टैक्स स्ट्रक्चर के आगामी जीएसटी स्लैब रेशनलाइजेशन से ऑटोमोबाइल, वित्तीय सर्विस, सीमेंट और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में खपत बढ़ने और लाभप्रदता में सुधार होने की उम्मीद है। वहीं एसबीआई रिसर्च की नई रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधारों और हाल ही में आयकर में की गई कटौती से उपभोग में 5.31 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हो सकती है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 1.6 प्रतिशत के बराबर है।

सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कपास के आयात पर शुल्क मुक्त अवधि तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक कर दी है। इससे पहले यह अवधि 30 सितंबर तक थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को इस फैसले की घोषणा की है।

इसका उद्देश्य अमेरिकी बाजार में 50 प्रतिशत उच्च टैरिफ का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को राहत प्रदान करना है। सरकार ने 5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क, 5 प्रतिशत कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर, और 10 प्रतिशत सामाजिक कल्याण अधिभार समेत कुल 11 प्रतिशत आयात शुल्क से छूट दी है। इस निर्णय से कपड़ा क्षेत्र में कच्चे माल की लागत में कमी आएगी, जिससे उत्पादन सस्ता होगा।

कपड़ा, धागा, परिधान और सिले हुए उत्पादों सहित पूरे कपड़ा वैल्यू चेन को इसका लाभ मिलेगा। घरेलू बाजार में कपास की उपलब्धता बढ़ने से कपास की कीमतों में स्थिरता आएगी और तैयार वस्त्रों की महंगाई पर दबाव कम होगा।

अमेरिका द्वारा भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण और चमड़ा उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद यह कदम निर्यातकों के लिए राहत साबित होगा। इससे लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण मिलेगा और भारतीय कपड़ा उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में मजबूती आएगी। सरकार का यह निर्णय कपड़ा उद्योग को वैश्विक बाजार में टिकाऊ बनाए रखने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्योग जगत ने इस निर्णय का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे उत्पादन लागत कम होकर व्यवसाय बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, सेमीकंडक्टर, निवेश और मेक इन इंडिया पर होगा फोकस

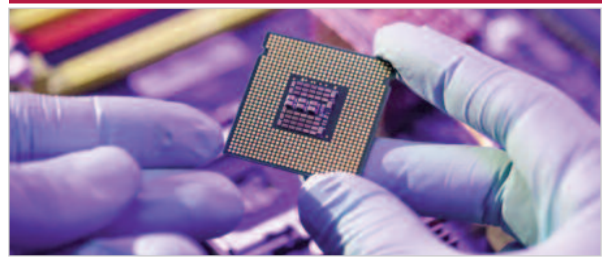

मोदी जापान के शीर्ष अधिकारियों से भारत में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम जापान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। 29-30 अगस्त को होने वाली इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल को बढ़ावा देना और जापान के साथ आर्थिक-तकनीकी साझेदारी को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान पीएम मोदी सोनी, हिताची, निप्पॉन और नोमूरा जैसी प्रमुख जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मिलेंगे और भारत में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे। मोदी और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा मिलकर बुलेट ट्रेन से सेंडाई तक यात्रा करेंगे, जहां वे सेमीकंडक्टर निर्माता टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड के प्लांट का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी जापान के कुछ प्रांतों के गवर्नरों से भी मिलेंगे ताकि भारतीय राज्यों और जापानी प्रांतों के बीच साझेदारी को और मजबूती मिल सके। भारत में जापानी कंपनियों की संख्या फिलहाल 1,400 है, जिनमें से आधी विनिर्माण क्षेत्र में सक्रिय हैं। विदेश सचिव के अनुसार हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच तकनीकी, आर्थिक और राजनयिक संबंध और गहरे हुए हैं। 2018 के बाद यह मोदी की पहली द्विपक्षीय जापान यात्रा है और कुल मिलाकर यह उनकी आठवीं जापान यात्रा है।

अब तक 170 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिनमें करीब 13 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह यात्रा भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगी।

रघुराम राजन ने अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ को बताया गंभीर

- आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा, व्यापार में विविधता और आत्मनिर्भरता जरूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और जाने-माने अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को गंभीर चिंता बताया है। अमेरिका ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जिससे भारत से अमेरिका निर्यातित वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। राजन ने इसे वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में व्यापार और निवेश के हथियार बन जाने की दिशा में एक गंभीर संकेत माना है। राजन ने कहा कि भारत को किसी एक देश पर निर्भरता कम करनी होगी। उन्होंने पूर्वी देशों, यूरोप और अफ्रीका जैसे अन्य बाजारों की ओर देखने और व्यापार के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें आत्मनिर्भरता के साथ-साथ विकल्पों की व्यवस्था भी करनी चाहिए ताकि संकट के समय निर्भरता कम रहे। रघुराम राजन ने रूस से तेल आयात नीति की समीक्षा करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यह देखना होगा कि इससे किसे लाभ और किसे नुकसान हो रहा है। रिफाइनर इस मामले में भारी मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि निर्यातक टैरिफ के बोझ तले दब रहे हैं। अगर लाभ कम है तो भारत को इस नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार में आसानी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ बेहतर एकीकरण और घरेलू कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधार आवश्यक हैं। इस टैरिफ का खास असर झींगा किसानों और कपड़ा निर्माताओं जैसे छोटे निर्यातकों की आजीविका पर पड़ सकता है। राजन ने कहा कि भारत को इस संकट को अवसर के रूप में देखना चाहिए। वैश्विक रिश्तों में विविधता और संतुलन बनाकर ही देश आर्थिक चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएगा।

कच्चा तेल सस्ता, कंपनियों का मुनाफा बंपर, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत नहीं

- मार्च से तेल कीमतों में गिरावट, फिर भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । बीते कुछ महीनों से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन इसका फायदा अब तक आम जनता को नहीं मिल पाया है। मार्च 2025 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। वहीं भारत को रूस से और 5 फीसदी अतिरिक्त छूट भी मिल रही है, जिससे आयातित तेल की कीमत में और गिरावट आ गई है। इसके बावजूद देश की तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां–इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें घटाने से बच रही हैं। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 16,184 करोड़ का मुनाफा कमाया, जो बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना ज्यादा है।

इस अवधि में बीपीसीएल को सबसे अधिक 6,124 करोड़ का लाभ हुआ, जबकि आईओसी ने 5,689 करोड़ और एचपीसीएल ने 4,371 करोड़ कमाए। मौजूदा समय में कंपनियां पेट्रोल पर प्रति लीटर 11.20 रुपए और डीजल पर 8.10 रुपए का विपणन मार्जिन कमा रही हैं, जो विश्लेषकों के अनुसार सामान्य से कहीं अधिक है। हालांकि सरकार ने अप्रैल में उत्पाद शुल्क 2 प्रति लीटर बढ़ाया था, पर खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय गिरावट से समायोजित कर दी गई थी। वहीं एलपीजी पर भारी सब्सिडी के बावजूद कंपनियों का लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिक डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.60 पर बंद हुआ। वह गत कारोबारी दिवस मंगलवार को रुपया 87.69 पर बंद हूआ था। वहीं बुधवार को गणेश चतुर्थी के कारण बाजार बंद था। इससे पहले आज सुबह के कारोबारी दिन डॉलर के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 87.59 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये को सर्वकालिक निचले स्तर से नीचे गिरने से बचाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप किया, जिससे रुपया और समर्थन पाया। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू करने और कमजोर घरेलू शेयर बाजार की वजह से रुपये की तेजी सीमित रही। गुरुवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और बाद में 87.59 पर पहुंच गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई का कदम रुपये को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण रहा।

1 साल में 8 फ़ीसदी बढी सीमेंट की कीमतें

मुंबई । पिछले 1 साल में सीमेंट की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। अभी तक लगभग 8 फ़ीसदी दाम सीमेंट के बढ़ चुके हैं। मई 2025 में सीमेंट की औसत कीमत 360 रुपए प्रति बोरी थी। ईंधन और जिप्सम के दाम लगातार बढ़ने से सीमेंट के दामों में लगातार वृद्धि होती रही है। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा सीमेंट के रेट बढे हैं। भारत में सीमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले 1 वर्ष में 9 फ़ीसदी सीमेंट की मांग बढ़ी है। मांग बढने के कारण सीमेंट की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है।

पावर मेक प्रोजेक्ट को महान इनर्जी से बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । पावर मेक प्रोजेक्ट लिमिटेड को महान इनर्जी लिमिटेड से 370.84 करोड़ रुपए का ठेका प्राप्त हुआ है। यह कार्य सिंगरौली, मध्य प्रदेश स्थित महान फेस- (2×800 एमडब्ल्यू) थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए है। ऑर्डर में बीटीजी यूनिट 1 और 2 के लिए सिविल कार्य और प्रीफैब्रिकेटेड स्ट्रक्चरल स्टील निर्माण शामिल है। महान इनर्जी लिमिटेड जो पहले एस्सार पावर एमपी के नाम से जानी जाती थी, अब अडानी पावर की एक सहायक कंपनी है। इस परियोजना में मुख्य पावरहाउस, सेंट्रल कंट्रोल बिल्डिंग, ईएसपी, एफजीडी लाइमस्टोन हैंडलिंग सिस्टम, स्विच यार्ड आदि का निर्माण किया जाएगा। यह ऑर्डर घरेलू परियोजना के तहत आता है और पावर मेक प्रोजेक्ट के लिए यह एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक उपलब्धि मानी जा रही है। इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत होगी और भविष्य की परियोजनाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे।

लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने पर एनएफआरए का जोर

नई दिल्ली । एनएफआरए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनियों की लेखापरीक्षा समितियों को लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए। यह कदम सुदृढ़ वित्तीय रिपोर्टिंग और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बाहरी लेखा परीक्षकों की भूमिका वित्तीय विश्वास और सटीकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने आंतरिक नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणाली को भी मजबूत बनाने पर ज़ोर दिया, जो कॉर्पोरेट कामकाज के अच्छे तरीकों का हिस्सा होनी चाहिए। यह बातें उन्होंने फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन 'चुस्त प्रशासन– पारदर्शिता को बढ़ावा देना एवं विश्वास का निर्माण' में कही। उनका मानना है कि लेखा परीक्षा समितियों की सक्रिय भूमिका से वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी की कीमतें बढ़ीं

10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,01,398, चांदी 1,16,450 पर प्रति किलो

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में गुरुवार को 0.14 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,398 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। साल की शुरुआत से लेकर अब तक सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। 1 जनवरी 2025 को सोने का भाव 76,162 था, जो अब बढ़कर लगभग 1,00,884 तक पहुंच चुका है। इस साल सोने की कीमतों में कुल मिलाकर लगभग 24,722 की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल भी सोने की कीमतों में लगभग 12,810 की वृद्धि दर्ज हुई थी। वहीं वहीं चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। आज 1 किलो चांदी का भाव 1,16,450 पर पहुंच गया है। इस साल 1 जनवरी से अब तक चांदी की कीमतों में 29,853 की बढ़ोतरी हुई है। चांदी का भाव 1 जनवरी को 86,017 प्रति किलो था, जो अब 1,15,870 के करीब पहुंच चुका है। गोल्ड ज्वेलरी खरीदते समय हमेशा यह ध्यान रखें कि वह बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड) का प्रमाणित हो। बीआईएस हॉलमार्क वाला सोना ही खरीदा जाना चाहिए, जिसमें 6 अंकों का यूनिक हॉलमार्क कोड मौजूद होता है। यह कोड अल्फान्यूमेरिक होता है और यह सोने की शुद्धता और कैरेट की पुष्टि करता है। हॉलमार्किंग से उपभोक्ता को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि खरीदा गया सोना असली और उच्च गुणवत्ता वाला है।

राकेश गंगवाल ने ब्रिकी किए शेयर.....इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 4 प्रतिशत तक गिरा

मुंबई । इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक गिरे। इसका कारण प्रमोटर राकेश गंगवाल की ओर से ब्लॉक डील के द्वारा 7,000 करोड़ से अधिक के शेयर बेचना है। इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 4.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,757.50 रुपए पर कारोबार कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रमोटर की ओर से 7,085 करोड़ रुपए मूल्य के 1.2 लाख शेयर 5,830 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर ब्रिकी किए गए हैं। इसके पहले रिपोर्ट्स में दावा किया था कि गंगवाल परिवार ब्लॉक डील के द्वारा से इंटरग्लोब एविएशन में 3.1 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना पर विचार कर रहा है, जिसकी वैल्यू करीब 7,020 करोड़ रुपए है। इस ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 5,808 रुपए प्रति शेयर रहा, जो पिछले सत्र के बंद भाव से करीब 4 प्रतिशत कम है। फरवरी 2022 में गंगवाल के बोर्ड छोड़ने के बाद से वे एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। उन्होंने अब तक कंपनी में करीब 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेच दी है। इंटरग्लोब एविएशन में अपनी हिस्सेदारी कम करके, गंगवाल और उनके परिवार ने 2022 से अब तक 45,300 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसके पहले, गंगवाल परिवार ने सितंबर 2022 में 2,005 करोड़ रुपए में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी, फरवरी 2023 में उनकी पत्नी शोभा गंगवाल ने 2,944 करोड़ रुपए में 4 प्रतिशत और अगस्त 2023 में 2,800 करोड़ रुपए में 2.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। इंडिगो ने हाल ही में वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में आय में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद में मुनाफा में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 706 , निफ्टी 211अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार का टैरिफ लागू करना गिरावट का सबसे बड़ा कारण रहा क्योंकि इससे बाजार पर दबाव पड़ा है। उससे भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 705.97 अंक टूटकर 80,080.57 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.15 अंक फिसलकर 24,500.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718.70 अंक की गिरावट के साथ ही 56,047.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 254.25 अंक की कमी के के साथ ही 17,294.35 पर आ गया । बाजार में आई गिरावट का कारण आईटी और रियल्टी शेयरों में आई कमजोरी रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.59 फीसदी और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.50 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा पीएसयू बैंक, एफएमसीजी,

प्राइवेट बैंक और सर्विसेज इंडेक्स एक फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टाइटन, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं एचसीएल टेक, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक गिरे। बीएसई पर 1,458 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान जबकि 2,651 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए जबकि 149 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। जानकारों के अनुसार भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के टैरिफ लगाने के बाद निवेशकों के उससे दूर होने से बाजार में गिराट आई। वहीं कुछ उत्पादों पर टैरिफ नहीं लगने से बाजार में कुछ हद तक रिकवरी भी हुई।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 620 अंक टूटकर 80,162 पर और निफ्टी 180.85 अंक नीचे आकर 24,528 पर खुला था। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर भी करीब 4.14 लाख करोड़ रुपए घटकर 445.80 लाख करोड़ रुपए रह गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा फिसले। दुनिया भर के बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। जहां अमेरिका के एसएंडपी 500 और डाउ जोंस बढ़त के साथ बंद हुए, वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हुआ।

सीमलेस पाइप उद्योग ने चीनी पाइप आयात पर अंकुश लगाने सरकार से की मांग

नई दिल्ली ।

सीमलेस ट्यूब मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसटीएमएआई) ने सरकार से घरेलू सीमलेस पाइप उद्योग की सुरक्षा के लिए चीन से आने वाले कम लागत वाले पाइपों के आयात पर सख्त रोक लगाने का आग्रह किया है। एसटीएमएआई का कहना है कि देश में सीमलेस पाइप और ट्यूब की उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से कहीं अधिक है, इसलिए आयात को नियंत्रित करना जरूरी है ताकि स्थानीय उद्योगों को बचाया जा सके। एसटीएमएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारत में सीमलेस पाइप एवं ट्यूब की स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 19.5 लाख मीट्रिक टन है, जबकि देश की कुल मांग लगभग 13.2 लाख मीट्रिक टन है।

यह स्पष्ट करता है कि घरेलू उत्पादन मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि सरकार की सुरक्षा नीतियों के बावजूद पिछले 3-4 वर्षों में चीन से सीमलेस पाइप के आयात में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि चीन से आयात करने वाले आयातक सीमा शुल्क निकासी के समय अधिक मूल्य दिखाते हैं, लेकिन बाद में वे भारतीय बाजार में इन उत्पादों को

घरेलू निर्माताओं की तुलना में काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है।

घरेलू पाइप उद्योग ने ऑक्सीजन सिलेंडर पाइप, ड्रिल पाइप सहित कई महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए भारी निवेश किया है। इसके बावजूद घरेलू उद्योग ठेके प्राप्त करने में संघर्ष कर रहा है और उत्पादन क्षमता पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पा रही है। एसटीएमएआई सरकार से आग्रह करता है कि चीन से सस्ते पाइप के आयात पर रोक लगाकर घरेलू उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए।

विल्मर ने अदाणी समूह से एडब्ल्यूएल में हिस्सेदारी बढ़ाने सीसीआई से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली ।

सिंगापुर की कृषि कंपनी विल्मर इंटरनेशनल ने अपनी इकाई लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी अडानी समूह से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। यह प्रस्ताव पिछले महीने 7,150 करोड़ रुपये में हुआ अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद आया है।वर्तमान में, विल्मर के पास लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में लगभग 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद यह हिस्सेदारी बढ़कर 54.94 से 63.94 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। इससे विल्मर इस कंपनी का बहुमत मालिक बन जाएगा। सीसीआई में दाखिल किए गए नोटिस के अनुसार अधिग्रहणकर्ता लेंस प्राइवेट लिमिटेड ने लक्ष्य कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का न्यूनतम 11 प्रतिशत और अधिकतम 20 प्रतिशत अधिग्रहित करने का प्रस्ताव रखा है। इस अधिग्रहण के लिए सीसीआई की मंजूरी जरूरी है ताकि प्रतिस्पर्धा पर इसका प्रभाव आकलित किया जा सके।

भारत को एशिया कप में पाकिस्तान से खेलना चाहिए? मोहम्मद शमी ने दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट एशिया कप 2025 के अब कुछ ही दिन बचे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बोर्ड की स्थिति स्पष्ट है लेकिन बड़ा वर्ग चाहता है कि ये मैच ना हो खासकर कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद। टीम का हिस्सा नहीं होने के बावजूद मोहम्मद शमी अपने घर से सूर्यकुमार यादव की टीम पर नजर रखेंगे और उन्होंने भारत-पाक मैच को लेकर अपने भाव व्यक्त किए हैं।

एक मीडिया हाउस से बातचीत में शमी ने कहा, 'मैं विवादों से दूर रहता हूं। सरकार और बोर्ड फैसला करते हैं और हम उसका पालन करते हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य टीमों की तुलना में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना अलग है, या इसे किसी अन्य खेल की तरह ही माना जाता है, शमी ने कहा कि यह वास्तव में अलग है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाफ खेलना प्रशंसकों के जुनून के कारण अलग है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह प्रदर्शन करने के बारे में है।'

शमी से पाकिस्तान के खिलाफ खेलते समय स्लेजिंग की संभावित घटनाओं के बारे में भी पूछा गया, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'किसी ने नहीं। मैं सिर्फ एक बार टेस्ट मैच में नाराज हुआ था जब कोई समय बर्बाद कर रहा था। मैंने उन्हें अपना खेल खेलने के लिए कहा। यही मेरी आक्रामकता है।'

गिल, जुरेल, ईश्वरन दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर, इन प्लेयर्स को मिला कप्तानी का मौका

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के पहले दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ नहीं खेल पाए, जो गुरुवार को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू हुई। उत्तर क्षेत्र की टीम के कप्तान बनाए गए गिल से पहले मैच में कप्तानी करने की उम्मीद थी, लेकिन बीमारी के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। 9 सितंबर से अबू धाबी में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले उनके इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु पहुंचने की संभावना है।

गिल की अनुपस्थिति में हरियाणा के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अंकित कुमार ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली, जबकि सर्विसेज के बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला ने उनकी जगह अंतिम एकादश में जगह बनाई। उत्तर क्षेत्र की टीम में एशिया कप के लिए जाने वाले दो अन्य खिलाड़ी हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं, जो मैच में बाद में गेंदबाजी करेंगे।

सेंट्रल जोन के खेमे को एक और झटका लगा, जहां उनके नियुक्त कप्तान, विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल कमर में दर्द की शिकायत के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रजत पाटीदार, जिन्हें पहले उप-कप्तान बनाया गया था, अब टीम की कमान संभाल रहे हैं। सेंट्रल जोन की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के साथ-साथ बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं।

ईस्ट जोन को भी झटका लगा जब नियमित कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन बुखार के कारण मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह, ऑलराउंडर रियान पराग टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। गिल घरेलू सीजन में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने 5 मैचों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। उन्हें आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल 4 सितंबर से और फाइनल 11 सितंबर से एक ही स्थान पर होगा।

पीवी सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराया, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

स्पोर्ट्स डेस्क - दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने गुरुवार को BWF विश्व चैंपियनशिप में विश्व की नम्बर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। सिंधु ने झीयी सीधे सेटों में हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। ओलिंपिक में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकीं सिंधु ने वर्ल्ड नंबर-2 वांग झी के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखा। सिंधु ने 5वें हेड टु हेड मैच में वांग को तीसरी बार हराया। वर्ल्ड नंबर 15 सिंधु ने पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद 21-19 के अंतर से जीता। दूसरे गेम में भी सिंधु ने 12-6 के अंतर से बढ़त बनाने के बाद इसे कायम रखा। अंत में सिंधु ने दूसरा सेट 21-15 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना विश्व की नम्बर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी साउथ कोरिया की आन से यंग से हो सकता है।

दलीप ट्रॉफी - दानिश मालेवार और रजत पाटीदार के शतक, मध्य क्षेत्र की मजबूत शुरुआत

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के रणजी ट्रॉफी नायक दानिश मालेवार और अनुभवी रजत पाटीदार ने शतक जमाकर गुरुवार को यहां उत्तर पूर्व क्षेत्र के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ा दी जिससे मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन बारिश के कारण खेल रोके जाने से पहले 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन बना लिए।

पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाने वाले 21 वर्षीय मालेवार ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दिन का खेल समाप्त होने के समय वह 198 रन बनाकर खेल रहे थे। RCB के IPL विजेता कप्तान पाटीदार ने 96 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली।

मालेवार ने अब तक अपनी पारी में एक छक्का और 35 चौके लगाए हैं, जबकि पाटीदार ने 21 चौके और तीन छक्के लगाए। मालेवार और पाटीदार ने तब मोर्चा संभाला जब सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 60) को पेट में गेंद लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा। मालेवार ने चौका लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना तीसरा शतक पूरा किया।

दूसरी तरफ पाटीदार ने शानदार कवर ड्राइव से अपना 14वां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। वह तेज गेंदबाज फीरोइजम जोतिन की गेंद पर स्वीप करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री पर अंकुर मलिक को कैच देकर पवेलियन लौटे। पाटीदार के आउट होने के बाद मालेवार और उनके रणजी साथी यश राठौड़ ने तीसरे विकेट के लिए 85 रन की अटूट साझेदारी की। जब बारिश के कारण खेल रुका तब राठौड़ 32 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑलराउंडर विजय शंकर अब तमिलनाडु से नहीं खेलेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। ऑलराउंडर विजय शंकर अब आने वाले घरेलू सत्र 2025-26 में तमिलनाडु की ओर से नहीं खेलेंगे। विजय शंकर ने राज्य की टीम छोड़ने की जानकारी तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) को देते हुए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मांगा था जो उन्हें दे दिया गया है। इस क्रिकेटर ने बुची बाबू टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मैच में खेला था पर महाराष्ट्र के खिलाफ दूसरे मैच में शामिल नहीं किये जाने से नाराज होकर इस क्रिकेटर ने टीम छोड़ने का फैसला कर लिया हालांकि इस क्रिकेटर का कहना है कि उसने बेहतर अवसरों के लिए ये टीम छोड़ी है। अब माना जा रहा है कि ये ऑलराउंडर किसी और राज्य से खेलेगा।

विजय शंकर ने ये फैसला अचानक ही नहीं लिया है। 2024-25 के घरेलू सत्र में भी उसे रणजी ट्रॉफी में पहले दो मैच ही खेलने को मिले थे। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के अधिकतर मुक़ाबलों में उसे अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। जिसके बाद से ही वह दूसरी टीम से खेलने की सोचने लगे थे। इस फैसले के साथ तमिलनाडु के साथ शंकर का एक दशक से अधिक समय का साथ समाप्त हो गया। उनकी कप्तानी में टीम ने विजय हजारे, देवधर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

दिसंबर 2012 में रणजी ट्रॉफी डेब्यू के बाद उन्हें मध्य क्रम में एस बद्रीनाथ की जगह मिली थी। इस खिलाड़ी ने तमिलनाडु के लिए रणजी ट्रॉफी की 81 पारियों में 44.25 की औसत से 3142 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 16 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने अपनी मध्यम गति की तेज गेंदबाजी से 53.93 की औसत से 43 विकेट भी हासिल किए। उनके लिए 2014-15 में रणजी सीजन बेहतरीन बीता जब उन्होंने 11 पारियों में 57.70 की औसत से 577 रन बनाए।

इसके बाद उन्हें इंडिया ए में जगह मिली ओर फिर 2019 के एकदिवसीय विश्वकप में शामिल किया गया। साल 2024-25 के रणजी सत्र में उन्होंने सेलम में चंडीगढ़ के खिलाफ 171 गेंदों पर 150 रनों की नाबाद पारी खेली जो कि उनके रणजी करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी रही है। शंकर से पहले कप्तान बी अपराजित भी तमिलनाडु का साथ छोड़कर केरल चले गये थे।

शंकर के जाने से अब टीम के पास आर एस अम्ब्रिश के तौर पर एक विकल्प है। इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड में अंडर-19 में शानदार प्रदर्शन किया था। शंकर का जाना नए सत्र से पहले तमिलनाडु के लिए एक और बड़ा झटका है क्योंकि आर साई किशोर हाथ की चोट से उबर रहे हैं।

संजू सैमसन ने फिर किया कमाल, शतक के बाद ठोकी 2 फिफ्टी

स्पोर्ट्स डेस्क । केरल क्रिकेट लीग में संजू सैमसन आए दिन अपने बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। वह लगातार एक से बढ़कर एक पारियां खेल रहे हैं। संजू ने अपने प्रदर्शन से एशिया कप 2025 से पहले ही संजू सैमसन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की मुश्किल बढ़ा दी है। फिलहाल, एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में ओपनिंग के लिए 3 खिलाड़ियों में जंग देखने को मिल रही है। उपकप्तान शुभमन गिल के साथ अभिषेक शर्मा या फिर संजू सैमसन पारी का आगाज कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे थे कि हेड कोच गंभीर लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशनल को तरजीह दे सकते हैं। ऐसे में संजू को बाहर बैठना पड़ता। अब संजू ने केरल क्रिकेट लीग में खुद को साबित कर गंभीर और सूर्या को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। इस लीग में संजू ने अब तक तूफानी अंदाज में 1 शतक के साथ दो अर्धशतक भी ठोके। लीग के 15वें मुकाबले में कोच्चि ब्लू टाइगर्स का सामना अदानी त्रिवेंद्रम रॉयल्स से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोच्चि ब्लू टाइगर्स को संजू सैमसन और विनूप मनोहरन ने तेज शुरुआत दिलाई। संजू ने 167.57 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 37 गेंदों पर 62 रन कूट दिए। इस दौरान संजू ने 4 चौके और 5 सिक्स लगाए। संजू के इस अर्धशतक की बदौलत कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए।

दानिल मेदवेदेव कोर्ट पर फोटोग्राफर के आने से गुस्साए, रैकेट भी तोड़ा, लगा 42500 डॉलर का भारी जुर्माना

न्यूयॉर्क । अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार के बीच कोर्ट पर एक फोटोग्राफर के आने पर अपना गुस्सा उतारने वाले रूस के मेदवेदेव पर उनकी मैच फीस 110000 डॉलर का एक तिहाई से भी अधिक 42500 डॉलर जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने खेल भावना के विपरीत आचरण पर मेदवेदेव पर 30000 डॉलर और रैकेट तोड़ने पर 12500 डॉलर जुर्माना लगाया। मैच खत्म होने के बाद मेदवेदेव ने अपना रैकेट तोड़ दिया था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रह चुके मेदवेदेव उस समय नाराज हो गए जब चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने फोटोग्राफर द्वारा बाधा पहुंचाये जाने के बाद विरोधी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी को पहले सर्विस की अनुमति दे दी। बोंजी उस समय तीसरे सेट में 5.4 से आगे थे जब एक फोटोग्राफर कोर्ट के साइड में चलने लगा। बाद में उसकी मान्यता रद्द कर दी गई। चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने के लिए कहा और उसके बाद बोंजी को फिर सर्विस दे दी।

भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की संभावना नहीं : श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे के श्रीकांत ने कहा है कि भारत की जो वर्तमान टीम है उससे अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को जीता नहीं जा सकता है। श्रीकांत ने कहा कि एशिया कप में ही ये टीम जीत सकती है। श्रीकांत ने कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं पर टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि छह माह बाद होने वाले विश्व कप की तैयारी इस टीम के साथ करने से कोई लाभ नहीं होने वाला। माना जा रहा है कि श्रीकांत एशिया कप क लिए चयनित टीम से नाराज हैं। अक्षर पटेल को हटाकर शुभमन गिल को टीम में उपकप्तान बनाने पर भी सवाल उठाये हैं। साथ ही कहा कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने का फैसला भी गलत है। उन्होंने कहा, । अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू, शिवम और हर्षित कैसे टीम में आ गए। आईपीएल को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है पर लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने कहा कि 5वें नंबर के लिए भी टीम के पास बल्लेबाज नहीं है। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से किसी एक को रखा जाएगा। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के हॉकी एशिया कप से बाहर होने की वजह बताई

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार तिर्की ने हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 में पाकिस्तान और ओमान पुरुष हॉकी टीमों के भाग न लेने के कारणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है, जबकि ओमान के निजी कारणों से प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया गया है। बिहार के राजगीर में होने वाले आगामी एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें पाकिस्तान और ओमान ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाले इस आयोजन में अब बांग्लादेश और कजाकिस्तान की टीमें भाग लेंगी। पाकिस्तान, जो पारंपरिक रूप से एशियाई हॉकी के सबसे बड़े नामों में से एक है, भाग नहीं लेगा जिससे बांग्लादेश के लिए जगह बनाने का रास्ता साफ हो गया है। ओमान ने भी भाग न लेने का फैसला किया है और कजाकिस्तान ने उनकी जगह ले ली है।

हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 से बाहर रहने वाली टीमों के बारे में दिलीप तिर्की ने बताया, 'हॉकी पुरुष एशिया कप 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 8 टीमें भाग लेंगी... इस टूर्नामेंट के बेहद सफल होने की उम्मीद है... बिहार सरकार इस टूर्नामेंट के लिए भरपूर सहयोग दे रही है... पाकिस्तान सुरक्षा कारणों से और ओमान अपने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहा है।' पुरुष एशिया कप बिहार के राजगीर में आठ शीर्ष एशियाई देश भारत, जापान, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे हिस्सा लेंगे। यह आयोजन 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करता है जिससे हर खेल में अतिरिक्त तीव्रता और महत्व जुड़ जाता है। मेजबान भारत को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। वे 29 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे उसके बाद 31 अगस्त को जापान से भिड़ेंगे और 1 सितंबर को कजाकिस्तान के खिलाफ उनका अंतिम पूल मैच होगा।

बदले हुए प्रारुप में आज से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र

विशाखापत्तनम । प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र शुक्रवार से शुरु होने जा रहा है। ये सत्र विशाखा स्पोर्ट्स क्लब, विशाखापत्तनम में शुरू होगा। इसका पहला मुकाबला तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच होगा। इस सत्र के लिए इसी प्रकार टाई-ब्रेकर के नियमों को भी बदला गया है। जिससे भी इस लीग का रोमांच बढ़ेगा। लीग को लेकर इसमें शामिल सभी टीमों के कोच उत्साह से भरे हैं और सभी ने अपनी-अपनी टीमों की जीत का दावा किया है। बेंगलुरु बुल्स में शामि बीसी रमेश ने कहा, 'मेरे ऊपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम अच्छा करेगी।' बेंगलुरु बुल्स का पिछले साल प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था इसके बाद पूरी टीम बदल दी गई है।' तमिल थलाइवाज़ के कोच संजीव बालयन ने कहा कि उनकी टीम जीत के लिए बिना किसी दबाव के उतरेगी। उन्होंने कहा, 'हर कोच जीतना चाहता है. हम भी वहीं चाहते हैं पर वही टीम जीतेगी जो दबाव से उबरकर बेहतर खेलेगी।' मौजूदा चैंपियंस हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने कहा, 'लीग बड़ी हो रही है और प्रारुप में बदलाव से कबड्डी को लाभ होगा। ये प्रारुप बहुत अच्छा है क्योंकि इसमें जो टीमें पीछे भी रह जाती हैं, उनके पास वापसी का अवसर रहता है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि अपनी ट्रॉफी का बचाव कर सकें। टीम भी पिछली बार से बेहतर हुई है।' वहीं पटना पाइरेट्स के कोच अनूप कुमार ने कहा, 'हमारी टीम काफी अच्छी रही है पर इससे यह एक तरह का दबाव भी है। खिलाड़ी बदलते रहते हैं। जब पटना ने लगातार तीन सत्र जीते, तब टीम अलग थी, कोच अलग थे जब दो बार फाइनल में पहुंचे, तब भी टीम अलग थी। ये सीजन एक नया सीजन है. कुछ खिलाड़ी बदले हैं तो कुछ पिछले सीजन से हैं. कोच भी बदला है. यही प्रयास यह है कि इस बार अच्छी शुरुआत हो और जो टीम पिछले सीजन में नहीं कर पाई, वो इस बार कर दिखाए।.' बंगाल वॉरियर्स के कोच नवीन कुमार ने कहा कि उनकी युवा टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'हमने एक युवा टीम बनायी है जो अपने को साबित करेगी।' पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, 'मैं फिटनेस पर बहुत काम कर रहा हूं. मुझे लगता है जो टीम कम डिफेंसिव गलतियां करती है, वही जीतती है। मैं कोशिश कर रहा हूं कि हमारी डिफेंस मजबूत हो।'

आज से राजगीर में शुरू होगा एशिया कप 2025, आठ प्रमुख टीमें इस टूर्नामेंट में लेंगी भाग

पटना (एजेंसी)। इंतज़ार खत्म हुआ क्योंकि 10 दिवसीय हीरो पुरुष एशिया हॉकी कप 2025 कल से बिहार के राजगीर में हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर शुरू होने वाला है। यह हॉकी एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ शीर्ष एशियाई देश - भारत, जापान, चीन, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे - हिस्सा लेंगे। सभी टीमें राजगीर पहुँच चुकी हैं जहाँ वे एशिया कप 2025 के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। राजगीर के विभिन्न होटलों में खिलाड़ियों के ठहरने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ और सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जबकि भारतीय हॉकी टीम के सदस्य खेल परिसर में ठहरेंगे।

सभी मैच कल यानी 29 अगस्त से राजगीर स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर में खेले जाएँगे और 7 सितंबर, 2025 को समाप्त होंगे। यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में कार्य करता है, जिसने प्रत्येक खेल को और अधिक गहन और महत्वपूर्ण बना दिया है।

11 संस्करणों में से, गत विजेता कोरिया ने 5 बार एशिया कप जीता

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक-सह-सीईओ रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'यह पहली बार है कि पुरुष एशिया हॉकी कप बिहार के राजगीर में आयोजित किया जा रहा है। यह एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ टीमें भाग ले रही हैं।'

उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित 11 संस्करणों में से, गत विजेता दक्षिण कोरिया पुरुष एशिया कप में भाग लेने वाली सबसे सफल टीम है, क्योंकि उसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में पाँच बार खिताब जीता है, जबकि मेज़बान भारत ने 2003, 2007 और 2017 में कप जीता है और पाकिस्तान ने भी 1982, 1985 और 1989 में तीन बार यह खिताब जीता है। हॉकी प्रशंसकों को स्टेडियम में मैच देखने के लिए आकर्षित करने हेतु, हॉकी इंडिया ने पहले ही घोषणा कर दी है कि राजगीर में होने वाले एशिया कप के सभी मैचों में प्रवेश निःशुल्क होगा।

हॉकी मैच देखने के लिए निःशुल्क टिकट

प्रशंसक www.ticketgenie.in या हॉकी इंडिया ऐप पर जाकर अपने निःशुल्क टिकट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, जहाँ प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें एक वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा। आयोजन स्थल पर किसी भी तरह की भीड़भाड़ से बचने और प्रशंसकों को बिना किसी खर्च के विश्वस्तरीय हॉकी के रोमांच का आनंद लेने के लिए ये व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे यह खेल पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गया है।

कुल 24 मैच खेले जाएँगे; चार मैच 29 अगस्त को पहले दिन खेले जाएँगे।

मेजबान भारत को पूल ए में जापान, चीन और कज़ाकिस्तान के साथ रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेंगे, उसके बाद 31 अगस्त को जापान से और 1 सितंबर को कज़ाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेंगे। पूल ए में, भारत-चीन मैच के अलावा, जापान और कज़ाकिस्तान भी पहले दिन भिड़ेंगे। जबकि, पूल बी में मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे शामिल हैं। उद्घाटन मैच मलेशिया और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा, जबकि पहले दिन का दूसरा मैच कोरिया और चीनी ताइपे के बीच खेला जाएगा।

हॉकी के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से बिहार के विभिन्न जिलों और देश के विभिन्न राज्यों में 'ट्रॉफी गौरव यात्रा' निकाली गई है। यह यात्रा 29 अगस्त को राजगीर पहुँचकर समाप्त होगी। 7 सितंबर, 2025 को होने वाले फाइनल मैच तक कुल 24 मैच खेले जाएँगे।

बिहार में पुरुष हॉकी एशिया कप की

मेजबानी, गर्व की बात

हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी को बिहार के लिए गर्व की बात बताते हुए, शंकरन ने कहा कि 'यह (एशिया कप की मेजबानी) न केवल राज्य की अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में बिहार की वैश्विक छवि को भी मज़बूत करेगा।' शंकरन ने कहा, 'राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का विश्व स्तरीय हॉकी स्टेडियम इस आयोजन को और भी भव्य बना देगा। हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन बिहार के लिए ऐतिहासिक है, जो राज्य को खेल, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा।'

बिहार द्वारा आयोजित प्रमुख खेल आयोजन

राजगीर स्थित खेल परिसर ने बिहार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है क्योंकि राज्य पहले ही कई टूर्नामेंट/चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुका है, जैसे नवंबर 2024 में महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, जिसमें छह टीमों - भारत, मलेशिया, जापान, चीन, थाईलैंड और कोरिया - ने भाग लिया था। इस वर्ष मई (2025) में खेलो इंडिया यूथ गेम्स राजगीर सहित पाँच शहरों में आयोजित किए गए, जहाँ प्रमुख आयोजन हुए। सेपक टकराव विश्व कप 2025 पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित किया गया था।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।
अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।
मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?
यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'
यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।
एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।
एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।
मांसपेशियों में ऐंठन से राहत
सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।
रक्तचाप को करे बैलेंस
सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

हैवान-हेरा फेरी 3 और इस फिल्म के बाद रिटायरमेंट की तैयारी में प्रियदर्शन

प्रियदर्शन इंडस्ट्री के चर्चित निर्माता-निर्देशक हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्मों हैवान और हेरा फेरी 3 को लेकर चर्चा में हैं। प्रियदर्शन अब फिल्म मेंकिंग से रिटायरमेंट लेने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुद उन्होंने ऐसी इच्छा जाहिर की। उन्होंने हैवान और हेरा फेरी 3 को पूरा करने के बाद फिल्म निर्माण से संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया है।

कोच्चि में चल रही हैवान की शूटिंग

निर्देशक प्रियदर्शन ने फिल्म हैवान की शूटिंग शुरू कर दी है। इसे फिलहाल कोच्चि में फिल्माया जा रहा है। इस फिल्म में अक्षय कुमार अभिनेता सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे। हैवान, प्रियदर्शन की 2016 की हिट फिल्म ओप्पम से प्रेरित है, लेकिन इसके डायलॉग और स्क्रिप्ट में कई बदलाव किए गए हैं। इस बीच निर्देशक ने अपनी फ्यूटर प्लानिंग को लेकर बात की।

मोहनलाल के साथ बनाएंगे 100वीं फिल्म

फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 99वीं फिल्म है। ओप्पम में मुख्य भूमिका निभाने वाले मोहनलाल भी हैवान में कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे। हाल ही में प्रियदर्शन ने बातचीत में खुलासा किया कि उनका किरदार दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा। उन्होंने आगे कहा कि हैवान के बाद वे मोहनलाल को लीड रोल में लेकर अपनी 100वीं फिल्म का निर्देशन करने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट अभी तय नहीं हुई है, लेकिन इसकी शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है।

थक गया हूं

प्रियदर्शन से जब लगातार अक्षय कुमार के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यह सब कंफर्ट की बात है। सीक्वल के बारे में उन्होंने स्वीकार किया, मैं आमतौर पर सीक्वल के साथ अपनी मूल फिल्मों की नकल नहीं करता, यह मेरा काम करने का पसंदीदा स्टाइल नहीं है। उन्होंने चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए आगे कहा, इन फिल्मों को पूरा करने के बाद मैं उम्मीद है मैं रिटायर हो जाऊंगा। मैं थक गया हूं।

भरोसा तो मेरा बहुत पहले टूट चुका था

अब रियलिटी शो पर नजर आएंगी धनश्री

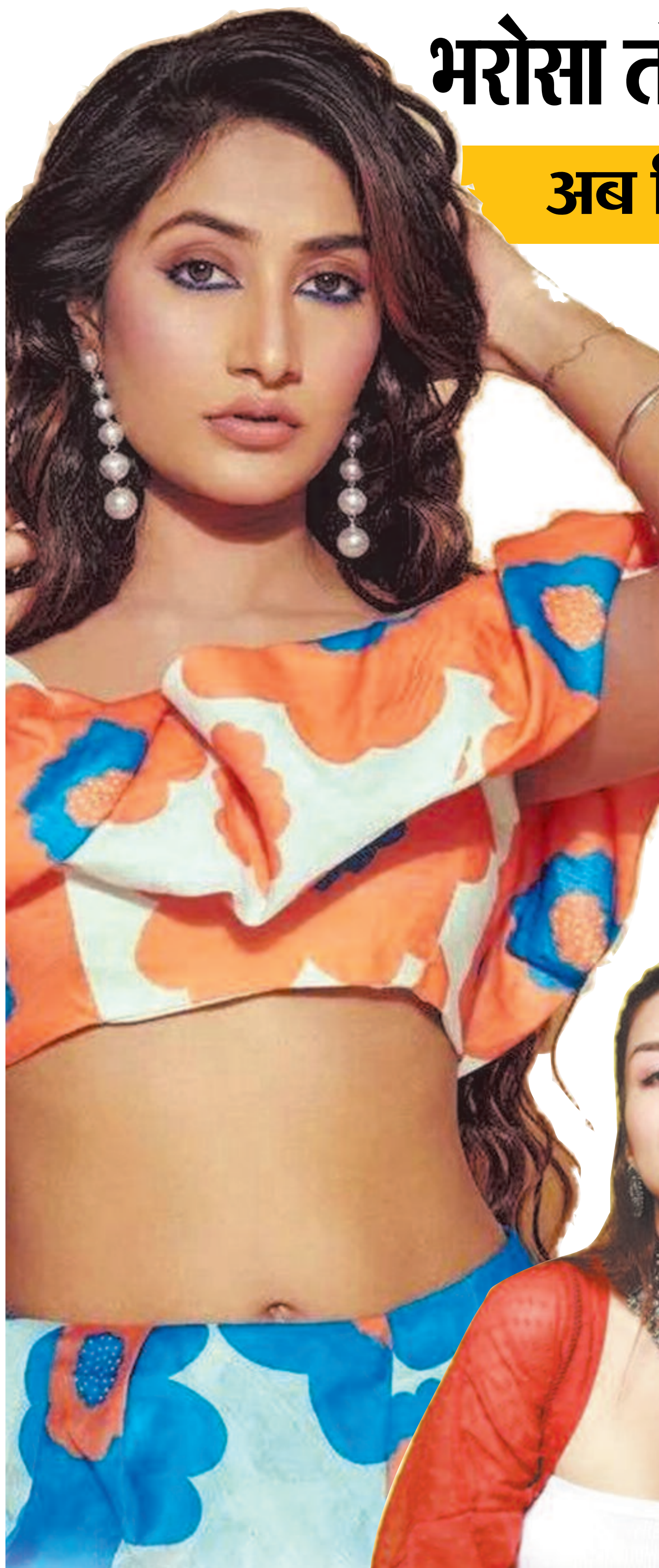

'बिग बॉस 19' की चर्चा के बीच एक रियलिटी शो लाइमलाइट में है। 'राइज एंड फॉल' नाम का यह शो जल्द शुरू होगा। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ और कोरियोग्राफर धनश्री भी नजर आईं। इस शो के ट्रेलर में वह धोखे और विश्वास टूटने की बात करती दिखाई दीं।

धोखे की बात करती दिखीं धनश्री

शो के ट्रेलर में अशनीर ग्रोवर नजर आते हैं, जो शो का कॉन्सेस्ट बताते हैं। इस बीच धनश्री नजर आती हैं, जो कहती हैं, 'भरोसा तो मेरा बहुत पहले ही टूट चुका था।' धनश्री के हाथ में क्रिकेट बॉल भी है। क्या इसके जरिए वह अपने एक्स हसबैंड और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल पर तंज कस रही हैं।

एंटरप्रेन्योर अशनीर ग्रोवर शो 'राइज एंड फॉल' के ट्रेलर में इसका कॉन्सेप्ट बताते हैं। वह कहते हैं, 'दोगले लोग तो बहुत देखे होंगे आपने। आपको एक दोगली दुनिया दिखाता हूं। 16 सेलिब्रिटी और दो हिस्सों में बंटा हुआ शो। ऊपर पेंटहाउस में रूलर करने ऐश और नीचे बेसमेंट में वर्कर्स पर टूटेगा सारा काम।' इस तरह शो में दो दुनिया दिखाई जाएगी। वर्कर ऊपर वाली दुनिया में आना चाहगा और रूलर कभी भी नीचे वाली यानी बेसमेंट की दुनिया में नहीं जाना चाहेगा। लेकिन सभी कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे को धोखा देकर ऐसा करेंगे और शो में बने रहेंगे। इस शो में धनश्री, अर्जुन बिजलानी, कॉमेडियन कीकू शारदा और कुब्रा सेठ के अलावा कई सेलिब्रिटी शामिल होंगे। 'राइज एंड फॉल' रियलिटी शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर 6 सितंबर से दर्शकों को देखने को मिलेगा। शो के ट्रेलर को देखकर अर्जुन बिजलानी, धनश्री के फैंस काफी एक्साइटेड नजर आए। सोशल मीडिया पर वह इस ट्रेलर पर रिएक्शन दे रहे हैं और अपने फेवरेट सेलिब्रिटी को सपोर्ट कर रहे हैं।

अवनीत कौर की फिल्म 'लव इन वियतनाम' का ट्रेलर रिलीज

फिल्म 'लव इन वियतनाम' में प्यार की कहानी देश की सीमाओं को पार करके एक खूबसूरत दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराएगी। इस फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी हैं। फिल्म में लव ट्राइएंगल है, जो इन तीनों के किरदार के बीच बनता है।

फिल्म 'लव इन वियतनाम' के ट्रेलर में पंजाब से शुरू होकर कहानी वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतुन) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। लड़की की ख्वाहिश बड़े होकर लड़के की दुल्हन बनने की है। लेकिन लड़के पिता बड़े होने पर उसे वियतनाम भेज देते हैं। वियतनाम पहुंचकर उसे एक तस्वीर देखकर अनजान वियतनामी लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। इस वजह से पंजाबी की लड़की और उसकी दोस्त का दिल टूट जाता है। आखिरी ये प्रेम कहानी किस अंजाम पर जाकर खत्म होगी, यही फिल्म में दिखाया जाएगा।

फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी।

कब रिलीज हो रही है फिल्म

फिल्म 'लव इन वियतनाम' ने जल्द ही सिनेमाघरों में पहुंचेगी। ओमांग कुमार, कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस और राहत शाह काजमी निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को थिएटर में रिलीज होगी।

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट में सनी लियोनी की एंट्री

सनी लियोनी ने जिस्म 2, रईस, तेरा इंतजार और एक पहेली लीला जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। वेब सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। पोस्ट शेयर कर उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर डिटेल शेयर की हैं, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगी।

सनी ने जताई विक्रम भट्ट के साथ काम करने की खुशी

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ नजर आ रही हैं।सनी ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, अपने पसंदीदा निर्देशकों में से एक के साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। चलिए कुछ जादू करते हैं।

सीरीज अनामिका में साथ कर चुके हैं काम

बता दें कि इससे पहले सनी लियोनी विक्रम भट्ट के साथ वेब सीरीज अनामिका में काम कर चुकी हैं, जो साल 2022 में आई थी। एक्शन से भरपूर यह जासूसी थ्रिलर वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। इसका निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया।

नेटिजन्स ने दी बधाई

सनी और विक्रम के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर नेटिजन्स रिएक्शन दे रहे हैं। दोनों को बधाई दे रहे हैं। सनी लियोनी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से डेब्यू किया था। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया।

किरदार को जीवंत बनाने के लिए नहीं किया प्रोस्थेटिक्स का इस्तेमाल

विवेक अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' अपनी रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। कोलकाता में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में काफी हंगामा हुआ था। अब फिल्म की प्रोड्यूसर और अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने अमर उजाला से खास बातचीत में फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे की अपने किरदार के लिए तैयारी। 'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने एक 100 साल की महिला का किरदार निभाया है। जब उनसे किरदार की तैयारी और चुनौतियों को लेकर सवाल किया गया, तो अभिनेत्री कहा कि यह रोल मेरे लिए बहुत अनोखा और चुनौतीपूर्ण था। एक सदी का सफर झेल चुकी महिला की आत्मा को पकड़ना आसान नहीं था। डर भी लगता था कि मैं इसे सही तरह से निभा पाऊंगी या नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने विवेक से भी कई बार कहा था कि इस रोल के लिए सही कास्ट होनी चाहिए, वरना यह फिल्म के लिए सही नहीं होगा। लेकिन आखिरकार मुझे ही करना पड़ा और जब ऑडियंस की प्रतिक्रिया देखी, तो लगा कि मेहनत सफल रही। सबसे खास बात ये है कि पल्लवी ने अपने किरदार के लिए प्रोस्थेटिक्स का इस्तेमाल नहीं किया है। इसके पीछे की वजह के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि हम चाहते थे कि यह किरदार बहुत नेचुरल लगे, जैसे हमारी दादी या बुआ होती थीं। प्रोस्थेटिक्स से अक्सर चेहरे के भाव सीमित हो जाते हैं। हॉरर शोज में वह ठीक है, लेकिन हमें एक सहज, घरेलू और प्यारी महिला चाहिए थी। साथ ही सच कहूं तो बड़े-बजट वाले प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट हायर करना हमारे लिए संभव नहीं था। बंगाल जाकर शूटिंग भी नहीं कर पाए, इसलिए बड़ा सेट बनाना पड़ा जिससे लागत और बढ़ गई। ऐसे में मेकअप और वीएफएक्स के साथ ही किरदार को गढ़ा गया। हमारी कोशिश थी कि किरदार की आत्मा झलके।

रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है

अजय देवगन ने जब नई स्टारकास्ट के साथ गुजराती फिल्म वश का हिंदी रीमेक शैतान बनाया, तो फिल्म की मुख्य अदाकारा जानकी बोडीवाला को रिप्लेस नहीं कर सके। वश में आर्या और शैतान में जाह्नवी के रोल में जानकी ने गुजराती और हिंदी दोनों ही भाषाओं के दर्शकों का दिल जीता। अब वह वश लेवल 2 में नजर आने वाली हैं। यह 2023 में आई वश का ही सीक्वल है। फिल्म 27 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड और गुजराती फिल्मों में काम करने के अपने अनुभव, दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर पर खुलकर बात की। जानकी ने माना कि रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है, जबकि बॉलीवुड में बहुत हद तक यह मुमकिन नहीं हो पाता।

आप मेडिकल बैकग्राउंड से हैं, तो अचानक फिल्मों में आना कैसे हुआ?

मैं मतलब डॉक्टर बैग्राउंड से होने वाली थी। मगर मैंने वह पढ़ाई कम्पलीट नहीं की। इसी दौरान मुझे मेरे डायरेक्टर कृष्णदेव याग्निक (डेब्यू फिल्म के निर्देशक) मिल गए जिन्होंने मुझे गुजरात में पहचान दिलाई। यह उनका ही फैसला था कि वह मुझे अपनी पहली फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। और उन्होंने ही फिल्म वश भी बनाई जिसके लिए ना सिर्फ मुझे पूरे देश में पहचान मिली, बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अभी आप वश 2 में काम कर रही हैं जो हिंदी में रिलीज हो रही है। बाद में हो सकता है कि आप शैतान के सीक्वल में भी हों, तो आपके लिए कितना चैलेंजिंग होगा उस समय, क्योंकि लोग वश 2 देख चुके होंगे?

शैतान का अंत गुजराती फिल्म वश से अलग था। तो शायद वह अपना एक अलग यूनिवर्स क्रिएट करेंगे। हालांकि उसके बारे में मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं है, लेकिन हां, मुझे दोनों फिल्मों में काम करके बहुत अच्छा लगा, बहुत मजा आया। इतने बड़े-बड़े एक्टर्स के साथ काम किया, बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

आप गुजरात फिल्म इंडस्ट्री के विकास को किस तरह से देखती हैं?

रीजनल सिनेमा में अच्छी बात यह होती है कि हमारे पास बहुत अलग-अलग तरह का कंटेंट ट्राय करने का स्पेस होता है। रीजनल सिनेमा में हमारे पास एक आज़ादी होती है और यही वजह है कि हम बहुत कुछ नया बना सकते हैं। मुझे रीजनल सिनेमा की यह बात बहुत अच्छी लगती है।

हिंदी हो या गुजराती, आपको कई सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। आपका कैसा अनुभव रहा?

मुझे जब पता चला कि हीतू कनोडिया (गुजरात सिनेमा के जाने-माने कलाकार) फिल्म में मेरे पिता का रोल अदा करने वाले हैं और फिल्म में हितेन कुमार भी होंगे, तो मैं पहले तो अंदर से हिल गई थी। दरअसल, जब इतने बड़े एक्टर्स आपके साथ काम कर रहे होते हैं तो आपको परफॉर्म करना ही पड़ता है। ऐसे में मेरे पास भी तब परफॉर्म करने के अलावा कोई और ऑप्शन ही नहीं था। मगर यहां भी मेरी सफलता का क्रेडिट मेरे डायरेक्टर को जाता है जिन्होंने मुझे सिखाने के लिए वर्कशॉप करवाई और कॉन्फिडेंस दिया कि मैं कर सकती हूं।

अजय देवगन के साथ काम का कैसा एक्सपीरियंस कैसा था?

उनके साथ काम करने का अनुभव भी बहुत बढ़िया रहा। मैंने तो उम्मीद ही नहीं की थी कि वह मुझे उस स्तर का कम्फर्ट महसूस करवाएंगे, क्योंकि वह मेरी पहली हिंदी फिल्म थी। जिस हिसाब से मुझे वहां लोगों का ट्रीटमेंट मिला, खासकर एक्टर्स से, वह काफी अच्छा और यादगार था। उन्होंने मुझे महसूस ही नहीं होने दिया कि मैं एक न्यूकमर हूं। वहां मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और इन सभी सीनियर कलाकारों से मिली सीख को मैं अपनी आगे की फिल्मों में अप्लाई करूंगी।

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं: भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि संघ का कार्य शुद्ध सात्विक प्रेम और समाजनिष्ठा पर आधारित है। संघ का स्वयंसेवक कोई व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा नहीं रखता। यहां इंसेंटिव नहीं हैं, बल्कि डिसइंसेंटिव अधिक हैं। स्वयंसेवक समाज-कार्य में आनंद का अनुभव करते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता दें तथा भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला 100 वर्ष की संघ यात्रा - नए क्षितिज के दूसरे दिन बुधवार को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, उत्तर क्षेत्र के प्रांत संघचालक पवन जिंदल और दिल्ली प्रांत संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे।सरसंघचालक ने चिंता जताई कि दुनिया कट्टरता, कलह और अशांति की ओर जा रही है। पिछले साढ़े तीन सौ वर्षों में उपभोगवादी और जड़वादी दृष्टि के कारण मानव जीवन की भद्रता क्षीण हुई है। उन्होंने गांधी जी के बताए सात सामाजिक पापों, काम बिना परिश्रम, आनंद बिना विवेक, ज्ञान बिना चरित्र, व्यापार बिना नैतिकता, विज्ञान बिना मानवता, धर्म बिना बलिदान और राजनीति बिना सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे समाज में असंतुलन गहराता गया है।

भागवत ने कहा कि आज दुनिया में समन्वय का अभाव है और दुनिया को अपना नजरिया बदलना होगा। दुनिया को धर्म का मार्ग अपनाना होगा। पूजा-पाठ और कर्मकांड से परे धर्म है। सभी प्रकार के रिलिजन से ऊपर धर्म है। धर्म हमें संतुलन सिखाता है - हमें भी जीना है, समाज को भी जीना है और प्रकृति को भी जीना है। धर्म ही मध्यम मार्ग है जो अतिवाद से बचाता है। धर्म का अर्थ है मर्यादा और संतुलन के साथ जीना। इसी दृष्टिकोण से ही विश्व शांति स्थापित हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज समाज में संघ की साख पर विश्वास है। संघ जो कहता है, उसे समाज सुनता है।यह विश्वास सेवा और समाजनिष्ठा से अर्जित हुआ है।

भविष्य की दिशा पर सरसंघचालक ने कहा कि संघ का उद्देश्य है कि सभी स्थानों, वर्गों और स्तरों पर संघ कार्य पहुँचे। साथ ही समाज में अच्छा काम करने वाली सज्जन शक्ति आपस में जुड़े। इससे समाज स्वयं संघ की ही तरह चरित्र निर्माण और देशभक्ति के कार्य को करेगा। इसके लिए हमें समाज के कोने-कोने तक पहुंचना होगा। भौगोलिक दृष्टि से सभी स्थानों और समाज के सभी वर्गों एवं स्तरों में संघ की शाखा पहुंचानी होगी। सज्जन शक्ति से हम संपर्क करेंगे और उनका आपस में भी संपर्क कराएंगे। आर्थिक दृष्टि पर उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयोग हुए हैं, लेकिन अब राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक प्रतिमान गढ़ना होगा। हमें एक ऐसा विकास मॉडल प्रस्तुत करना होगा, जिसमें आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और पर्यावरण का संतुलन हो। ताकि वे विश्व के लिए उदाहरण बने। पड़ोसी देशों से रिश्तों पर उन्होंने कह कि ÷नदियाँ, पहाड़ और लोग वही हैं, केवल नक्शे पर लकीरें खींची गई हैं। विरासत में मिले मूल्यों से सबकी प्रगति हो, इसके लिए उन्हें जोड़ना होगा। पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं, पर संस्कारों पर मतभेद नहीं है।

झारखंड विधानसभा में शिबू सोरेन को भारत रत्न देने को लेकर प्रस्ताव पारित

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में दिशोम गुरु दिवगंत शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया है। यह प्रस्ताव गुरुवार को मानसून सत्र के आखिरी दिन रखा गया था। प्रस्ताव में, सामाजिक कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने शिबू सोरेन के झारखंड आंदोलन में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके संघर्ष ने झारखंड को एक नया राज्य और नई पहचान दी। इस प्रस्ताव के साथ, झारखंड के नेता प्रतिपक्ष, बाबूलाल मरांडी ने जयपाल सिंह मुंडा और विनोद बिहारी महतो को भी भारत रत्न देने की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने भी प्रस्ताव में एक महत्वपूर्ण बात जोड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में आदिवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन अभी तक किसी भी आदिवासी आंदोलनकारी, राजनीतिज्ञ, या बुद्धिजीवी को भारत रत्न नहीं मिला है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शिबू सोरेन को भारत रत्न दिया जाना चाहिए, और यह बात भी प्रस्ताव में जोड़ी जाए। बता दें कि लंबी बीमारी के बाद 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से ही उन्हें भारत रत्न देने की मांग जोर पकड़ रही थी, और अब इस प्रस्ताव को विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया है।

निजी स्कूल की बस खाई में गिरी...12 से ज्यादा बच्चे घायल

हल्द्वानी (एजेंसी)। उत्तराखंड के हल्द्वानी के बरेली रोड पर जयपुर बीसा गांव में सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। निजी स्कूल की बस, जिसमें बच्चे सवार थे, दूसरी बस को साइड देने के चक्कर में अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई कर सभी बच्चों को बाहर निकाला, जिसमें 12 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बस चालक और परिचालक को भी गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा हैं कि हादसा पदमपुर देवलिया गांव के पास हुआ, जहां बस बच्चों को स्कूल ले जा रही थी। घटनास्थल स्कूल के करीब होने की वजह से स्थानीय लोगों ने निजी वाहनों से घायलों को हल्द्वानी के निजी अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दो स्कूल बसें चौराहे के पास साइड ले रही थीं। इस दौरान एक बस ज्यादा किनारे चली गई और खाई में पलट गई। उन्होंने बताया कि बस में करीब 40 बच्चे सवार थे, जिनमें से 12 से ज्यादा घायल हुए। प्रधान ने कहा, इस क्षेत्र के बस चालक अक्सर नशे की हालत में गाड़ी चलाते हैं। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने बताया कि हादसे वाली जगह पर नाला है, लेकिन शुक्र है कि नाले में पानी नहीं था, वरना कई बच्चों की जान जा सकती थी।

भूस्खलन के कारण चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे बंद... कंगना ने प्रभावित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे फिर से बंद हुआ है। इस भूस्खलन में पंडोह डैम के करीब, कैंची मोड़ पर, हाईवे का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। इस घटना ने यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी बढ़ा दी है। बात दें कि वर्तमान में हाईवे पूरी तरह बंद है। वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए कोई रास्ता नहीं। इस घटनाक्रम पर मंडी से सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने दुख जाहिर कर प्रभावित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि वह प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं और राहत कार्य जारी है। फिलहाल, मंडी से कुल्लू–मनाली के लिए कटौला मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां छोटे वाहनों को हर एक घंटे में जाने की अनुमति है। 2023 में भी इसी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था, जिससे हाईवे को ठीक करने में 8 महीने लगे थे। स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई की टीमें मौके पर मौजूद हैं और मरम्मत कार्य में लगी हैं, लेकिन लगातार बारिश और भूस्खलन का खतरा काम को मुश्किल बना रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे जरूरी होने पर ही यात्रा करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

वैष्णो देवी मंदिर के पास हुए भीषण भूस्खलन में अब तक 35 शव बरामद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर के पास भीषण भूस्खलन के बाद बचाव दल ने गुरुवार सुबह तक मलबे से 35 शव बरामद कर लिए हैं। जम्मू के कई इलाकों में बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कुल 39 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कटरा भूस्खलन में मारे गए लोग भी शामिल हैं। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास मलबे से अभी तक 35 शव बरामद किए गए हैं। अब तक 22 शवों की पहचान हो चुकी है। इसमें ज्यादातर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से कई के परिवार कटरा पहुंच चुके हैं और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव उनके परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। भूस्खलन की घटना के बाद माता वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की थी, लेकिन बुधवार शाम को पुराने मार्ग से बहाल कर दी गई।

दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता, एनकाउंटर के बाद बिश्नोई गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अपराध पर लगाम कसते हुए दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो अपराधियों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में हुई, जहां पुलिस ने दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर दोनों बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों के पैरों में गोली मारी और उन्हें घायल कर दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कार्तिक जाखड़ और कविश के रूप में हुई है। दोनों लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं और इन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए हैं। इस बीच झारखंड एटीएस ने भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। इसी महीने की शुरुआत में झारखंड पुलिस ने गैंगस्टर मयंक सिंह को अजरबैजान की राजधानी बाकू से प्रत्यर्पित कर भारत लाया। एटीएस के एसपी ऋषव कुमार झा ने इसे झारखंड पुलिस के इतिहास में पहला सफल प्रत्यर्पण बताया है। बताया जा रहा है कि मयंक सिंह, अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई के बीच संपर्क का माध्यम था। उसके खिलाफ झारखंड, राजस्थान समेत कई राज्यों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उससे गिरोह के नेटवर्क और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग में भूकंप के झटके से सहमे लोग

पूर्वी कामेंग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में गुरुवार की सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह 8.05 बजे आया और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में एनसीएस ने बताय कि भूकंप की तीव्रता 3 ।6 मैग्निट्यूड आंकी गई है। भूकंप के बाद किसी जानमाल की हानी की बात सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, इससे पहले 23 अगस्त को असम के कार्बी आंगलोंग में 2.7 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच शिवराज की अपील... स्वदेशी अपनाना, भारत को अपनाने जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वदेशी अपनाओ का नारा देकर कहा है कि अगर हमें आगे बढ़ना है, तब हम सभी को स्वदेशी को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना, भारत को अपनाने जैसा है। केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने पोस्ट कर लिखा, स्वदेशी ही भारत की असली शक्ति है। अगर हमें आगे बढ़ना है, तब स्वदेशी को अपनाना होगा। स्वदेशी सिर्फ वस्त्र या वस्तु नहीं, यह आत्मनिर्भरता का मंत्र है। यह हमारे किसानों की मेहनत का सम्मान है, हमारे कारीगरों के हुनर की पहचान है और हमारे उद्योग व युवाओं की ताकत है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने लिखा, स्वदेशी यानी अपनी माटी की खुशबू है। स्वदेशी यानी वह समान, जिस सामान को बनाने में हमारे देशवासियों का पसीना बहाया है। जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तब हम सिर्फ एक वस्तु नहीं चुनते, बल्कि भारत के भविष्य को चुनते हैं।

चौहान ने लिखा है, हमारे स्वदेशी सामान अपनाने से गांव मजबूत, किसान संपन्न, उद्योग बढ़ने और भारत आत्मनिर्भर बनेगा। इससे पहले चौहान ने एक कार्यक्रम कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है और हम सभी को अपील पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करें। उन्होंने अनुरोध कर कहा, आप सबसे अपील है कि अपने दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों में स्वदेश में बने उत्पादों का ही उपयोग करें। यह हमारे देश के लोगों को रोजगार देगा और हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगा।

हिमाचल में बारिश का तांडव, तीन दिन में जाम में फंसे ट्रक... सब्जी और खाने की चीजों की किल्लत

कुल्लू (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा। भारी बारिश के चलते बानला में हुए भूस्खलन ने चंडीगढ़-मनाली हाईवे को पूरी तरह ठप किया है। यहां कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। हिमाचल में कई सड़कें टूट गई हैं और नदियां उफान पर हैं। इसके बाद यात्रियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

कुल्लू जिले के बानला में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, इससे चंडीगढ़-मनाली हाईवे अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क की मरम्मत का काम जोर-शोर से चल रहा है, लेकिन प्रकृति के इस प्रकोप के आगे अभी राहत की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। ब्यास नदी के उफान ने हाईवे का एक हिस्सा बहा दिया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

बीते तीन दिनों से मंडी जिले के पंडोह से ऑट तक हाईवे बंद है। सैकड़ों ट्रक और कारें सड़क पर फंसी हैं और ड्राइवरों का सब्र भी जवाब दे रहा है। सब्जियां और सामान खराब हो रहे हैं, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। अमृतसर से कुल्लू-मनाली जा रहे ड्राइवर ने बताया, चार दिन हो गए, हम यहीं फंसे हैं। सड़क की हालत खराब है और टोल टैक्स के 260 रुपये भी वसूल रहे हैं। प्रशासन से कोई जवाब नहीं मिल रहा।

वहीं, ड्राइवर ने कहा, घर पहुंचना मुश्किल हो गया है। सड़कें टूटी हैं, नदियां उफान पर हैं। प्रशासन ने खाने-पीने या ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं की। कुछ ढाबे वाले और लंगर वालों की मदद से जैसे-तैसे गुजारा हो रहा है।

कुल्लू की उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि जिले के कई हिस्सों को खाली कराया जा रहा है। लगातार बारिश से नेशनल हाईवे कई जगह क्षतिग्रस्त है। ब्यास नदी का जलस्तर बहुत ऊंचा है। लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील है। उन्होंने बताया कि बिंदु ढांक में हाईवे को भारी नुकसान पहुंचा है और बहंग में कुछ दुकानें और रेस्तरां पानी की चपेट में हैं।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू....पात्र महिला के खाते में 2100 रुपए आएंगे

चंडीगढ़ । हरियाणा में नायाब सैनी सरकार की कैबिनेट की गुरुवार को हुई बैठक में बीजेपी के चुनावी संकल्प पत्र के वादे को पूरा कर लाडो लक्ष्मी योजना पर मुहर लगाकर महिलाओं को बड़ी सौगात दी गई। हरियाणा सीएम ने कैबिनेट की बैठक के बाद बताया कि 25 सितंबर से हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू की जाएगी। हर महीने पात्र महिला को 2100 रुपए मिलने है। सीएम सैनी ने बताया कि कुछ ही दिनों में लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का नोटिफिकेशन भी सरकार जारी करेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए एक एप तैयार होगा। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस और पंजाब की मान सरकार पर निशाना साधकर कहा कि उन्होंने कभी अपने वादे पूरे नहीं किए लेकिन हरियाणा की बीजेपी सरकार ने जो भी वादे किए थे, सभी को पूरा किया जा रहा है। हरियाणा सीएम ने गुरुवार को बड़ा सरप्राइज देकर हरियाणा की महिलाओं को ये सौगात दी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि पहले बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और दूसरे बजट आने के साथ ही योजना को लागू कर दिया जाएगा।

कहीं शशि थरूर सीएम तो नहीं बनना चाह रहे..? केरल कांग्रेस में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर इन दिनों अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने कहा है कि वह केरल की अर्थव्यवस्था को सुधारने और राज्य को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने पर काम करना चाहते हैं। थरूर ने साफ किया कि यदि वह इस दिशा में योगदान दे सके तो यह उनके लिए किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण होगा। उनके हालिया बयान ने सियासी हलचल तेज कर दी है और पार्टी के भीतर चर्चाएं होने लगी हैं कि क्या थरूर आने वाले समय में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने जा रहे हैं।

यहां ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम में बोलते हुए थरूर ने कहा, कि केरल को एक 'इन्वेस्टर प्रोटेक्शन एक्ट' की सख्त जरूरत है। उनके मुताबिक, निवेशकों को भरोसा होना चाहिए कि उनका पैसा सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा, कि कारोबार में नुकसान अलग बात है, लेकिन राजनेताओं, अधिकारियों या यूनियनों की वजह से कोई निवेशक प्रभावित नहीं होना चाहिए। थरूर ने यह भी कहा कि राज्य में हड़तालों पर रोक लगाई जानी चाहिए और अनावश्यक नियमों को 90 प्रतिशत तक कम करना होगा।

अर्थव्यवस्था को सुधारने पर फोकस

सांसद थरूर ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि केरल कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और उसे बदलाव की सख्त जरूरत है। उनका कहना है कि सही नीतियों के जरिये राज्य को निवेश और विकास का केंद्र बनाया जा सकता है। इसी बीच जब उनसे पूछा गया कि क्या वह मुख्यमंत्री पद की ओर देख रहे हैं, तो थरूर ने कहा, कि मैंने कभी किसी पद की चाह नहीं रखी। मुझे हमेशा लोगों ने बुलाया और मैंने सेवा की। कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में भी मैंने केवल इसलिए हिस्सा लिया क्योंकि कई लोगों ने मुझसे ऐसा करने को कहा था।

यहां बताते चलें कि अगले साल केरल विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अगुवाई में एलडीएफ तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के लिए यह चुनाव करो या मरो की स्थिति जैसा है। पार्टी के भीतर इस बात पर मंथन जारी है कि आगामी चुनाव में किसे नेतृत्व की जिम्मेदारी दी जाए।

थरूर के अलावा वीडी सतीसन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्नीथला के नाम भी संभावित चेहरों में गिने जा रहे हैं। कुल मिलाकर, थरूर के बयानों ने कांग्रेस खेमे में नए समीकरणों की चर्चा को हवा दे दी है। अब देखना यह होगा कि पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने पर विचार करती है या नहीं।

जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी... बीजेपी पर बरसीं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश के विभाजन के दौरान, लोगों की भाषा बांग्ला थी, इसीलिए वे बांग्ला में बात करते हैं। भाजपा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 500 सदस्यीय टीम लाकर सर्वेक्षण कर रही है। अपने दस्तावेज़ उनके साथ साझा न करें। क्योंकि वे आपके दस्तावेज़ एकत्र करने और मतदाता सूची से आपके नाम हटाने की योजना बना रहे हैं। बस आधार कार्ड ले जाएं क्योंकि यह एक अनिवार्य आईडी प्रूफ है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गयी भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''अगर बांग्ला ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को भुला दें। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

मता बनर्जी ने कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हम महिलाओं के लिए 'लक्ष्मी भंडार' योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। वे देश को लूट रहे हैं, जबकि हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम दल पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह (वाम दल) उनसे मुकाबला करने के लिए भाजपा से हाथ मिला रहा है।

पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहले हम देखते थे कि हर कोई वोट देकर अपने प्रतिनिधियों को चुनकर सत्ता में आता था। लेकिन आज हम देखते हैं कि मौजूदा सरकार अपने हितों की रक्षा के लिए अपने मतदाताओं को चुन रही है। पहले लोग सरकार चुनते थे, अब सरकार लोगों को चुन रही है (जिन्हें वोट देने की अनुमति होगी)। क्या बंगाल इसके खिलाफ लड़ेगा या नहीं?

उत्तर भारत में सबसे ज्यादा सक्रिय रहा मानसून, सामान्य से 21 प्रतिशत ज्यादा हुई बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 12 सालों में इस साल सबसे ज्यादा बारिश उत्तर भारत में हुई है। यहां अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत ज्यादा पानी गिरा है। पिछले साल अगस्त में भारी (64.4-115.5एमएम) से बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4एमएम) की घटनाएं ज्यादा हुई थीं, लेकिन अत्यंत भारी वर्षा की घटनाएं इस साल के मुकाबले कम थीं। पिछले साल उत्तर भारत में अगस्त का महीना 1996 के बाद (28 वर्षों में) सबसे अधिक बरसात वाला रहा। पूरे क्षेत्र में 256.4एमएम बारिश दर्ज की गई थी। लेकिन, इस साल मौजूदा महीने में अभी तक (26 अगस्त तक) 209.4 एमएम वर्षा दर्ज हो चुकी है और पांच दिन बाकी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अभी एक या दो दिन यही स्थिति बनी रह सकती है।

आईएमडी के अनुसार 25 अगस्त तक उत्तर भारत में अत्यंत भारी बारिश की 21 घटनाएं दर्ज की हैं, जो कि पिछले साल की ऐसी 14 घटनाओं से कहीं ज्यादा है। 2013 के मानसून में ही उत्तराखंड में केदारनाथ वाली तबाही आई थी। सबसे चिंताजनक बात ये है कि अगस्त में इस इलाके ने अबतक सबसे ज्यादा अत्यंत भारी वर्षा वाले दिन दर्ज किए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 2021 से यह डेटा जुटाना शुरू किया है। आशंका है कि इस महीने के अंत तक अत्यंत भारीवर्षा वाली घटनाओं की संख्या और बढ़ेगी, जिससे हाल के वर्षों में यह सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाले मानसून में शामिल हो जाएगा। आईएमडी के मुताबिक अत्यंत भारी वर्षा का मतलब है, जब किसी जगह पर 24 घंटे में 204.5एमएम से अधिक बारिश होती है। यही नहीं, इस बार के मानसून में उत्तर भारत ने अबतक के तीनों महीनों (जून, जुलाई, अगस्त) में सरप्लस बरसात दर्ज की है, जो कि देश के चारों क्षेत्रों में सबसे अधिक है और यह भी 2013 के बाद पहली बार हो रहा है।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही अत्यधिक बारिश

आईएमडी प्रमख मृत्युंजय महापात्रा के अनुसार, पिछले दो महीनों में उत्तर पश्चिम भारत (मौसम विभाग के हिसाब से उत्तरी भारत) में खूब बारिश हुई है। इसका मुख्य कारण है, पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली मॉनसूनी हवाओं का बार-बार टकराना। कभी-कभी अरब सागर से भी मानसूनी हवाएं आती हैं। आईएमडी उत्तर पश्चिम भारत में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को शामिल करता है। आईएमडी के अनुसार अत्यंत भारी वर्षा की ज्यादातर घटनाएं हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू और कश्मीर में हुई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)